2 फरीदाबाद
शहर में लाखों अवैध छज्जे पर, बिजली निगम ने दो हजार को भेजा नोटिस

6 अभिमत
गंभीर चुनाव सुधार जरूरी

9 देश/विदेश
नोटबंदी के समय 18 लाख करोड़ रुपये की नगदी थी, अब हुई 30 लाख करोड़

11 ज्योतिष
आर्थिक स्थिरता कैसे प्राप्त करें?

RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 5 अंक 300
फरीदाबाद, शनिवार, 10 दिसंबर, 2022
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

भारत का लक्ष्य आज बांग्लादेश को क्लीन स्वीप से रोकना

पेज - 12

प्रदेश में सीएम विरोधी लहर का माहौल?

पूर्व ओएसडी ने हरियाणा में सीएम बदलने की चर्चाओं को अफवाह बताया

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में सीएम मनोहर लाल को बदलने की अफवाह सोशल मीडिया पर गुरुवार को दिन भर चलती रहीं। इन अफवाहों को लेकर राजनीति गलियारों में भी चर्चाएं चलती रहीं। गुरुवार को हिमाचल और गुजरात में चुनाव के परिणाम आए थे। भाजपा गुजरात चुनाव जीत गई और हिमाचल हार गई। चुनाव परिणामों और प्रशासनिक कामकाज के चलते सीएम मनोहर लाल गुरुवार को दिल्ली में थे।

इस पर कांग्रेसी नेता दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा की जनता का मूड दिल्ली तक पहुंच गया। आदमपुर उप चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन, पंचायती चुनावों में भाजपा उम्मीदवार हार गए, इसका आकलन दिल्ली में बैठे भाजपा नेता कर रहे हैं। मनोहरलाल के पूर्व ओएसडी व हाउसिंग बोर्ड के पूर्व चेयरमैन जवाहर यादव ने इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया। ट्वीट करके विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि यह विपक्ष द्वारा फैलाई गई अफवाह है।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी की उत्तर प्रदेश के बदमाशों को सख्त चेतावनी, कहा

किसी चौराहे पर बहन-बेटी को छेड़ोगे तो अगले चौक पर पुलिस कर देगी ढेर

पायनियर समाचार सेवा। कानपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को कानपुर पहुंचे। यहां वीएसएसडी कॉलेज ग्राउंड में प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित करते हुए बदमाशों को खुली चेतावनी दी। उन्होंने कहा, अब कोई अपराधी जो पहले एक चौराहे पर बहन-बेटी को छेड़ता हो। दूसरे चौराहे पर डकैती डालने का दुस्साहस करता हो। अब नहीं कर पाएगा। क्योंकि, सीसीटीवी कैमरा एक-एक गतिविधि को कैद करके रखेगा। अगर किसी ने एक चौराहे पर शरारत की या डकैती डाली तो अगले चौराहे पर भागने से पहले ही वह सारी तस्वीरें कैद हो जाएंगी।

कहा, चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे एक एक गतिविधि को कैद करके रखेंगे

अगले चौराहे पर पहुंचते-पहुंचते पुलिस उसको ढेर कर चुकी होगी।

सीएम योगी ने कहा, कानपुर ने अपने उद्योग के लिए पहचान बनाई। कुछ लोगों की नजरें कानपुर में रहीं और ये शहर दुर्व्यवस्था का शिकार हो गया। कानपुर की पहचान मोक्षदायनी के रूप में बनी। पीएम मोदी ने खुद कानपुर आकर गंगा में गिरने वाले सीसामऊ नाले को बंद कराया। नाले को सेल्फी प्वाइंट में

बदल दिया। नमामि गंगे परियोजना का सबसे क्रिटिकल प्वाइंट कानपुर था। आज कह सकता हूं कि कानपुर में किए गए प्रयोग के बाद प्रयागराज में गंगा भी आचमन लायक हो गई है। कानपुर में मेट्रो की शुरुआत पीएम मोदी ने की। मेट्रो के सेकेंड और थर्ड फेज का लोकार्पण करने के लिए जल्द पीएम मोदी आएंगे। डिफेंस कॉरिडोर का मुख्य केंद्र बिंदु कानपुर है। सीएम ने निकाय चुनाव

सीएम के आने पर पुलिस ने सपा विधायक को किया नजरबंद

उधर, सीएम के आने से पहले सपा विधायक अमिताभ वाजपेई को पुलिस ने घर पर रोक रखा था। सपा विधायक अमिताभ वाजपेई ने कहा, पुलिस झूठे सबूत गढ़ कर विधायक इरफान सोलंकी की सुपारी लेकर आई थी। मुख्यमंत्री के आते ही हर बार की तरह इस बार हमारे घर के बाहर पुलिस का पहरा लगा दिया। विपक्ष के विधायकों को लोकतंत्र में अपनी बात रखने का अधिकार है।

से पहले कानपुर में 387.59 करोड़ रुपये की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

TARUN JEWELLERS
TODAY BIS HALLMARK
92% Gold Rate ₹49,500/-
76% Gold Rate ₹40,880/-
Making Charges 8%
100% BUY BACK EXCHANGE
Shop No. 25, Sec-7, Huda Mkt FBD
0129-4340998, 9990032657

बाजार

सेंसेक्स	62,181	389
निफ्टी	18,496	112
सोना	54,060	09 (10 gm)
चांदी	67,069	35 (/kg)

मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 26.00^0C

न्यूनतम 13.00^0C

समान नागरिक संहिता विधेयक राज्यसभा में पेश, विपक्ष ने किया विरोध

सदन में गैर सरकारी कामकाज शुरू होने पर भाजपा के किरोड़ीमल मीणा ने विधेयक को पेश

एजेंसी। नई दिल्ली

राज्यसभा में शुक्रवार को समान नागरिक संहिता के संबंध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक सदस्य द्वारा लाए गए निजी विधेयक को विपक्ष के भारी विरोध के बीच पेश किया गया। उच्च सदन ने 23 के मुकाबले 63 मतों से निजी विधेयक को पेश करने की अनुमति दी।

शुक्रवार को भोजनावकाश के बाद उच्च सदन में गैर सरकारी कामकाज शुरू होने पर सबसे पहले भाजपा के किरोड़ीमल मीणा ने भारत में एक समान नागरिक संहिता विधेयक, 2020 पेश किया। एमडीएमके के वाइको सहित विभिन्न विपक्षी सदस्यों ने इस विधेयक को संविधान के खिलाफ करार देते हुए सभापति जगदीप धनखड़ से इसे सदन में पेश करने की अनुमति नहीं देने का अनुरोध किया।

सभापति ने मीणा को इस विधेयक के बारे में बोलने का अवसर दिया। किंतु भाजपा सदस्य ने कहा कि जब इस विधेयक को सदन में चर्चा के लिए लिया जाएगा, तब वह अपनी बात रखेंगे। इसके बाद सभापति ने विपक्षी सदस्यों को एक-एक कर अपनी बात रखने का मौका दिया। सदन के नेता पीयूष गोयल ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर सहित संविधान निर्माताओं ने समान नागरिक संहिता के विषय को नीति निर्देशक सिद्धान्तों में रखा था। उन्होंने कहा कि सदन के हर सदस्य को संविधान से जुड़े विषय पर विधेयक लाने का अधिकार है और उसके इस अधिकार पर प्रश्न नहीं खड़ा किया जा सकता।

सपा के रामगोपाल यादव ने कहा कि यह संविधान के मौलिक अधिकारों से संबंधित प्रावधानों के खिलाफ है और इसे पेश करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। तृणमूल कांग्रेस के जवाहर सरकार ने कहा कि ऐसा गैर सरकारी विधेयक लाया गया है, जो पूरी तरह असंवैधानिक, अनैतिक और धर्मनिरपेक्षता विरोधी है। उन्होंने दावा किया कि सत्ता पक्ष ने एक बहुत ही खतरनाक खेल में परिस्थितियों को भांपने के मकसद से इसे निजी

विधेयक को बताया संविधान के खिलाफ

विपक्षी सदस्यों ने इस विधेयक को संविधान के खिलाफ बताते हुए कहा कि इससे देश की विविधता की संस्कृति को नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि इससे देश के सामाजिक तानेबाने को क्षति पहुंचने की आशंका है। उन्होंने भाजपा सदस्य मीणा से यह विधेयक वापस लेने का अनुरोध किया। कुछ विपक्षी सदस्यों का कहना था कि इस प्रकार के कानून को देश की न्यायपालिका द्वारा खारिज कर दिया जाएगा।

इन विपक्षी दलों के नेताओं ने जताया विरोध

समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव, आईयूएमएल के अब्दुल वहाब, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के इलामरम करीम, वी शिवदासन, जान ब्रिटास, एए रहीम, विकास रंजन भट्टाचार्य, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संतोष कुमार पी, द्रमुक के तिरुचि शिवा, कांग्रेस के एल हनुमंथैया, जेबी हीशम एवं इमरान प्रतापगढ़ी, तृणमूल कांग्रेस के जवाहर सरकार, राष्ट्रीय जनता दल के मनोज कुमार झा एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की फौजिया खान ने इस विधेयक का विरोध किया।

विधेयक के तौर पर पेश करवाया है। आईयूएमएल नेता अब्दुल वहाब ने दावा किया कि भारत में समान नागरिक संहिता को लागू नहीं किया जा सकता है। वहीं, मनोज कुमार झा ने कहा कि यह विधेयक ऐसे समय लाया गया है जब समाज, शहर एवं गांव बंटे हुए हैं तथा यह इस विभाजन को और बढ़ाएगा।

मीणा द्वारा पेश निजी विधेयक में संपूर्ण भारत के लिए एकसमान नागरिक संहिता तैयार करने और इसके क्रियान्वयन के लिए एक राष्ट्रीय निरीक्षण और जांच समिति गठित करने का प्रावधान है।

न्यूक्लियर प्लांट के लिए बनेगा सिक्योरिटी सिस्टम

साइबर अटैक से बचने के लिए चौकस निगरानी की जरूरत : जितेंद्र सिंह

प्लांट्स के लिए प्रशासनिक नेटवर्क भी किया जाएगा मजबूत

एजेंसी। नई दिल्ली

साइबर अटैक से देश के न्यूक्लियर पावर प्लांट सिस्टम्स (परमाणु ऊर्जा) को बचाने के लिए सिक्योरिटी सिस्टम बनेंगे। इसकी जानकारी केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को राज्यसभा में दी। सिंह ने कहा कि इसमें अथॉरिटी, एक्सेस कंट्रोल, स्ट्रिक्ट कंट्रोल और हर सिस्टम की निगरानी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि न्यूक्लियर पावर प्लांट सिस्टम इंटरनेट से अलग हैं और न इसकी पहुंच प्रशासनिक नेटवर्क तक है। हालांकि, अब न्यूक्लियर पावर प्लांट्स के लिए प्रशासनिक नेटवर्क को भी मजबूत किया जाएगा। इसके लिए कई योजना बनाई गई हैं। इनमें इंटरनेट और प्रशासनिक इंट्रानेट कनेक्टिविटी को सख्त करना, रिमूवेबल मीडिया पर बैन लगाना, वेबसाइट्स और आइपी को ब्लॉक करना जैसी गतिविधियां शामिल हैं। सिंह ने सितंबर 2019 में कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट के साइबर अटैक का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इसकी जांच कंप्यूटर एंड इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी एडवाइजरी ग्रुप (सीआइएसएजी), डीएई और इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम जैसी नेशनल एजेंसियां ने की है।

नेशनल एजेंसियों की सिफारिशों के आधार पर इंट्रानेट और इंटरनेट एक्सेस का फिजिकल सेपरेशन, इंटरनेट इस्तेमाल के लिए सिक्योर वर्चुअल ब्राउजिंग टर्मिनल, सिक्योर डेटा ट्रांसफर नियम, नए वेब एप्लिकेशन पोस्ट करने से पहले इंडिपेंडेंट सिक्योरिटी या एलएएन में परिवर्तन शामिल हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर आर्किटेक्चर, इंफोर्मेशन सिक्योरिटी पोस्चर की निगरानी के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है।

तमिलनाडु के कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट पर साइबर अटैक हुआ था। न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने एक दिन पहले ऐसी किसी घटना से इनकार किया था। हालांकि, एक दिन बाद ही उसने मान लिया कि प्लांट के कंट्रोल सिस्टम में लगे कम्प्यूटरों पर वायरस से हमला किया गया था। दावा किया गया था कि इससे सिस्टम पर कोई असर नहीं पड़ा और रिएक्टर पूरी तरह सेफ है। यह मामला चार सितंबर 2019 को सामने आया था।

इसके बाद कम्प्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम को इसकी जानकारी दी गई थी। न्यूक्लियर पावर डिपार्टमेंट के स्पेशलिस्ट ने भी तत्काल इसकी जांच की थी। इसमें पाया गया था कि इंस्टीट्यूट के एक यूजर के सिस्टम में वायरस था और वह सिस्टम प्रशासनिक नेटवर्क से जुड़ा था।

क्विक न्यूज

इंडोनेशिया : कोयला खदान में विस्फोट, नौ मजदूरों की मौत

नई दिल्ली। इंडोनेशिया के सुमात्रा में शुक्रवार को एक कोयला खदान में

विस्फोट हो गया। इस हादसे में नौ मजदूरों की मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए। वहीं, एक मजदूर लापता बताया जा रहा है। उसकी तलाश की जा रही है।

हरियाणा में 2023 के लिए छुट्टियों का किया ऐलान

चंडीगढ़। हरियाणा में मनोहर सरकार ने 2023 वर्ष की सरकारी छुट्टियों का ऐलान कर दिया है। सरकार ने छुट्टियों की लिस्ट जारी की है। लिस्ट के अनुसार 52 शनिवार और 53 रविवार के अलावा अलग-अलग पर्वों और विशेष मौकों पर अवकाश रहेगा। वहीं पर्वों और विशेष मौकों पर रविवार को अवकाश है।

असम में सात करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की

असम। असम के कार्बी आंगलोंग जिले में दो ट्रकों को करीब सात करोड़ रुपये की नशीली दवाओं के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक असम-नागालैंड सीमा के पास खटखटी क्षेत्र में दो ट्रकों को जांच के लिए रोका। जांच करने पर एक ट्रक से 30 हजार याबा टैबलेट और दूसरे ट्रक से 55 साबुन की पेटियों में पैक 757.15 ग्राम हेरोइन मिला।

एनजीटी ने मिजोरम पर लगाया 50 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने कथित तौर पर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले ठोस और तरल अपशिष्ट पदार्थों का प्रबंधन नहीं करने पर मिजोरम राज्य पर 50 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है।

यह आदेश जस्टिस आदर्श कुमार गोयल की खंडपीठ ने बीते गुरुवार को पारित किया। अपने आदेश में उन्होंने कहा, अपशिष्ट प्रबंधन की योजनाओं को बिना देरी के जिला, शहर, कस्बा और गांव स्तर पर एक साथ लागू किया जाना चाहिए। आदेश का अनुपालन मुख्य सचिव की ओर से सुनिश्चित किया जाएगा।

हिंदू उत्तराधिकार कानून के प्रावधानों में संशोधन पर विचार करे केंद्र : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि वसीयत नहीं होने की स्थिति में जनजाति समुदाय की महिलाओं के पास पुरुषों के समान हक हैं। न्यायालय ने केंद्र सरकार से इस मामले की समीक्षा करने और हिंदू उत्तराधिकार कानून के प्रावधानों में संशोधन करने पर विचार करने के लिए कहा, जिससे इसे अनुसूचित जनजाति के सदस्यों पर लागू किया जा सके।

सर्वोच्च अदालत ने कहा कि जब गैर-आदिवासी की बेटी अपने पिता की संपत्ति में समान हिस्से की हकदार है, तो आदिवासी समुदायों की बेटी को इस तरह के अधिकार से वंचित करने का कोई कारण नहीं है।

हिंदू उत्तराधिकार कानून की धारा 2 (2) के मुताबिक हिंदू उत्तराधिकार कानून अनुसूचित जनजाति के सदस्यों पर लागू नहीं होगा। न्यायमूर्ति एमआर शाह और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की पीठ ने कहा कि उत्तरजीविता के अधिकार से वंचित करने का कोई उचित आधार नहीं है। पीठ ने केंद्र सरकार को हिंदू उत्तराधिकार कानून के तहत प्रदान की गई छूट को वापस लेने पर विचार करने का निर्देश दिया है।

सीएम ने सोनीपत एडीसी कार्यालय के सहायक को निलंबित किया

सोनीपत। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शुक्रवार को सोनीपत के लघु सचिवालय में लगे जनता दरबार में एडीसी कार्यालय के सहायक बैकुंठ मिश्रा को निलंबित कर दिया। उनके खिलाफ खेत से अवैध रूप से मिट्टी उठाने के मामले में कार्रवाई हुई है।

खनन अधिकारी ने कार्रवाई नहीं की तो पीड़ित ने एडीसी ऑफिस में शिकायत दी थी। इस पर पीड़ित से कार्रवाई के लिए रिश्वत मांगी गई। ये भी कहा कि रिश्वत का पैसा सीएम तक जाता है। सीएम शिकायत सुन रहे थे तो उस दौरान एडीसी कार्यालय के सहायक बैकुंठ मिश्रा वहां मौजूद नहीं थे। बुलाने पर वे दौड़ते हुए सीएम के सामने पहुंचे। उन्होंने जवाब देने का प्रयास किया तो सीएम ने कहा कि अब तो जवाब चंडीगढ़ आकर देना।

सोनिया गांधी ने परिवार के साथ रणथंभौर में मनाया 76वां जन्मदिन

एजेंसी। सवाई माधोपुर

गुजरात, हिमाचल प्रदेश में चुनाव परिणामों के बाद और भारत जोड़ो यात्रा के बीच से ब्रेक लेकर राहुल गांधी समेत पूरा गांधी परिवार शुक्रवार को रणथंभौर नेशनल पार्क में पहुंचा। परिवार यहां सोनिया गांधी का 76वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया। गांधी परिवार गुरुवार शाम को यहां पहुंच गया था। गुरुवार शाम को सोनिया, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने रणथंभौर में टाइगर सफारी की।

इस दौरान उन्होंने मलिक तालाब की पाल पर बाघिन का दीदार किया। इसी के साथ गूलर तलाई पर एक बाघ की अठखेलियों को भी देखा। इस दौरान पूरा गांधी परिवार जोगी महल में भी पहुंचा, जब राजीव गांधी अपने परिवार के साथ रणथंभौर आए थे, तो जोगी महल में ही रुके थे। शुक्रवार सुबह ठंड ज्यादा होने की वजह से गांधी परिवार टाइगर सफारी नहीं पहुंचा।

शाम को गांधी परिवार का एक बार फिर सफारी पर जाने का प्लान था। सोनिया गांधी को अपने 76वें जन्मदिन पर राहुल, प्रियंका और कुछ चुनिंदा लोगों के साथ होटल शेरबाग में सेलिब्रेशन भी किया।

भोंडसी जेल में भिड़े लॉरेंस-कौशल गैंग के गुर्गे, पांच कैदी घायल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भोंडसी जेल में मूसेवाला मर्डर के आरोपी लॉरेंस और कांग्रेसी नेता विकास चौधरी के हत्यारे कौशल चौधरी गैंग के गुर्गे आपस में भिड़ गए। लॉरेंस के गुर्गों ने पंजाब में हुए अकाली दल यूथ नेता विक्की मिड्डूखेड़ा हत्याकांड में शामिल अनिल उर्फ लठ पर हमला कर दिया।

इस दौरान बीच बचाव में आए पांच अन्य कैदियों को भी चोटें आई हैं। भोंडसी थाना पुलिस ने लॉरेंस के गुर्गों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जेल में यह वारदात शुक्रवार सुबह करीब 9.15 बजे कैदियों को पेशी पर ले जाने की तैयारी के वक्त हुई। इस दौरान जेल में बंद लॉरेंस और काला जठेड़ी गैंग के गुर्गे भारत, नितेश उर्फ पंजा, आकाश व ललित ने मिलकर गैंगस्टर कौशल चौधरी गैंग के शार्प शूटर अनिल उर्फ लठ पर नुकीली वस्तु से अटैक कर दिया। हमले में अनिल के चेहरे पर काफी चोट आई है।

गैर-मुस्लिमों को दाखिला देने वाले मदरसों की जांच के आदेश

एनसीपीसीआर ने सभी राज्यों को पत्र लिखा, एक महीने में रिपोर्ट मांगी

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखा है। इसमें उन्हें गैर-मुस्लिम बच्चों को प्रवेश देने वाले सभी मान्यता प्राप्त मदरसों की जांच का आदेश दिया गया है। इसके अलावा सभी अनमैप्ड मदरसों की मैपिंग करने के भी आदेश हैं। आयोग ने एक महीने में इसकी रिपोर्ट मांगी है।

एनसीपीसीआर के चेयरपर्सन प्रियंक कानूनगो की ओर से साइन किए गए पत्र में कहा गया है कि विभिन्न शिकायतों के मिलने के बाद यह नोट किया गया है कि गैर-मुस्लिम समुदाय के बच्चे गवर्नमेंट फंडेड/ मान्यता प्राप्त मदरसों में जा रहे हैं। मदरसों में मुख्य रूप से बच्चों को धार्मिक शिक्षा दी जाती है। मान्यता प्राप्त मदरसे, गैर मान्यता प्राप्त मदरसे और अनमैप्ड मदरसे। ये तीन प्रकार के होते हैं। हालांकि, यह भी पता चला है कि जिन मदरसों को सरकार की मान्यता प्राप्त है, वे बच्चों को धार्मिक और कुछ हद तक औपचारिक शिक्षा दोनों प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावा आयोग को यह भी पता चला है कि कुछ

मदरसों में जाने वाले बच्चों का फिजिकल वेरिफिकेशन जांच में होगा शामिल

राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारें उन्हें स्कॉलरशिप भी दे रही हैं। यह भारत के संविधान के आर्टिकल 28 (3) का उल्लंघन है। इसके मुताबिक, कोई भी एजुकेशनल इंस्टीट्यूट बच्चों को माता-पिता की परमिशन के बिना किसी भी धार्मिक इवेंट में जबरन शामिल नहीं कर सकता है।

पत्र में कहा गया है कि भारत का संविधान बिना किसी भेदभाव के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने के लिए कहता है और सुनिश्चित करता है कि बच्चे औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए पड़ोस के स्कूलों में जाएं।

एनसीपीसीआर के अनुसार, जांच में ऐसे मदरसों में जाने वाले बच्चों का फिजिकल वेरिफिकेशन शामिल होना चाहिए। जांच के बाद, ऐसे सभी बच्चों को औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए स्कूलों में प्रवेश दिया जाए। इसके अलावा राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में सभी अनमैप्ड मदरसों की मैपिंग की जाए। जांच की रिपोर्ट आठ दिसंबर, 2022 से 30 दिनों के अंदर आयोग के साथ शेयर की जाए।

शहर का तापमान
- अधिकतम 26.00 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 13.00 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज
- बीके समेत स्वास्थ्य केन्द्रों में हरियाणा चिरायु योजना के तहत गोल्डन कार्ड वितरण: सुबह 10 बजे।
- सेक्टर-28, बड़खल चौक के निकट में रक्तदान शिविर का आयोजन: सुबह 10 बजे।
- शहर में जगह-जगह वैक्सीनेशन कैम्प: सुबह 9 बजे।
- बीपीटीपी स्थित पार्क फ्लोर दो में प्रदर्शन जारी: सुबह 10 बजे।

निवेश गुरु
एक दृष्टि से, म्यूचुअल फंड योजनाओं को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। उनमें शामिल है इक्विटी फंड, ऋण निधि और संकर धन। इक्विटी फंड वे हैं जो इक्विटी और इक्विटी से संबंधित उपकरणों में अपने कॉर्पस का निवेश करते हैं। दूसरी ओर डेट फंड, ऐसी योजनाएं हैं। जो अपने निश्चित आय के साधनों जैसे कि ट्रेजरी बिल, सरकारी बॉन्ड, वाणिज्यिक पत्र और बहुत कुछ निवेश करती हैं। हाइब्रिड फंड, के रूप में भी जाना जाता है बैलेन्स्ड फंड इक्विटी और डेट इंस्ट्रूमेंट दोनों में अपना पैसा लगाएं।

यूटीलिटी न्यूज
वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह
फरीदाबाद। वरिष्ठ नागरिक समाजसेवी सम्मान समारोह का आयोजन पंजाबी समाज सभा फरीदाबाद बुधवार दोपहर 3.15 बजे से फरीदाबाद मॉडल स्कूल सेक्टर 31 में आयोजित किया गया। जिसमें फरीदाबाद से लगभग 50 वरिष्ठ नागरिकों को जिनकी उम्र 70 वर्ष से अधिक है और वो समाज के उत्थान के लिए समर्पित हैं। उन्हें हार पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में सिविल सर्जन डॉ. विनय गुप्ता, विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन हरियाणा की अध्यक्ष डॉ. पुनिता हसीजा, डॉ. पूरन अगरवाल, एफएमएस के चेयरमैन एचएस मलिक पंजाबी समाज सभा के संरक्षक वासदेव अरोड़ा, तर्नेदर टंडन, चेयरमैन अशोक बनयाल, संयोजक राजेन्द्र बजाज, अध्यक्ष हरजिंदर सिंह बेदी, उपाध्यक्ष मोनिका पुंज, महासचिव नरेन्द्र कुमार शर्मा, सचिव जगदीश मैनी, कोषाध्यक्ष रंजीत सिंह बेदी, एसएस चौहान, अमन शर्मा, टीएन कपूर, दिनेश छाबड़ा, हेमंत माटा इत्यादि उपस्थित रहे।

क्विक न्यूज
लोगों को यातायात पालन की शपथ दिलाई
फरीदाबाद। एसडीएम फरीदाबाद परमजीत चहल ने आज शुक्रवार को सेक्टर 12 स्थित अटल सेवा केंद्र में सड़क हादसों को रोकने से जुड़ी जागरूकता को लेकर आमजन को यातायात के नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने कहाकि सड़क दुघटनाओं के कारण बहुत से लोगों की जीवन लीला समाप्त हो जाती है और सबसे ज्यादा जान माल का नुकसान भी अक्सर सड़क दुर्घटनाओं में ही होता है। इसलिए जब हम सड़क पर चलते है तो हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम अपने साथ साथ दूसरे लोगों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। उन्होंने आम जनता को जानकारी दी कि बिना हेलमेट पहने दुपहिया वाहन कभी ना चलाए।

शहर में लाखों अवैध छज्जे पर, बिजली निगम ने दो हजार को भेजा नोटिस

छज्जों पर बिजली की तारों से हुए हादसों के बाद निगम नहीं कर रहा कार्रवाई

राजेश दास। फरीदाबाद

गांधी कालोनी में मकान से सटकर गुजरती बिजली की तारें।

एनएच पांच में मकान के नजदीक से गुजरती बिजली की तारें।

नगर निगम, बिजली निगम और अन्य संबंधित विभागों की लापरवाही के कारण शहर में आएदिन कहीं न कहीं कोई व्यक्ति हादसे का शिकार होता रहता है। कहीं सीवर के खुले मैनहॉल और गड्डों के कारण तो कहीं लापरवाही से किये गए विकास कार्यों के कारण लोग आएदिन हादसों का शिकार होकर जान गंवा रहे हैं। इसके अलावा शहर में अवैध से रूप से बने मकानों की छज्जों के कारण भी लोग आए दिन बिजली के करंट की चपेट में आकर हादसों का शिकार हो रहे हैं। शहर में विभागों की लापरवाही, अवैध निर्माण और अतिक्रमण के साथ साथ मकानों के निर्माण के दौरान सरकारी जमीन पर निकाले जाने वाले छज्जे भी एक बड़ी समस्या बनकर उभर रहे हैं। शहर भर के मकानों में अवैध रूप से बने छज्जों से अनेक लोग बिजली का करंट लगने से अपनी जान गंवा चुके हैं। करीब दो साल पहले एसजीएम नगर में इस वजह से हुए हादसे में दो सगे भाई बहन की करंट लगने से मौत हो गई थी। जिसके बाद बिजली निगम ने अवैध छज्जे वाले मकानों को नोटिस भेजने का फैसला लिया था। पिछले दो सालों में विभाग करीब दो हजार नोटिस भेज चुका है, लेकिन कार्रवाई किसी के खिलाफ नहीं हुई।

कायदे कानून सब ताक पर

नगर निगम और एचएसवीपी की लापरवाही के कारण शहर में खासकर कालोनियों में लोग मकानों का निर्माण करते समय सभी नियमों को पूरी तरह ताक पर रख देते हैं। यहां तक कि मकान अथवा व्यवसायिक इमारतों का निर्माण करने के दौरान लोग जोखिम उठाने से भी नहीं डरते।

बिजली की खतरनाक तारों के बिल्कुल नजदीक मकानों के छज्जे अपने प्लॉट से बाहर निकाल लेते हैं। जबकि नियमों के मुताबिक बिजली की तारों से निश्चित दूरी पर ही मकान अथवा व्यवसायिक इमारतों का निर्माण किया जा सकता है।

हो चुके हैं अनेक हादसे

छज्जों के नजदीक से गुजर रही बिजली की तारों से आए दिन लोगों की जान जा रही है। पिछले दिनों एनएच पांच में बाल्कनी में कंबल सुखा रही एक युवती को करंट लग गया था। युवती की मौके पर मौत हो गई थी। इससे करीब एक महीने पहले एनएच पांच में एक युवक की करंट लगने से मौत हुई थी। युवक अपनी बाल्कनी में मोबाइल पर बात कर रहा था। करीब दो साल पहले एसजीएम नगर में बिजली की हाईटेंशन तार की चपेट में आकर दो सगे भाई बहन की मौत हो गई थी। बच्चे मकान के छज्जे पर खेल रहे थे। शहर में ऐसे अनेक हादसे हो चुके हैं। नियमों के मुताबिक प्लॉट के बाहर छज्जा होना ही नहीं चाहिए। लेकिन निगम की लापरवाही के कारण लोगों ने शहर में ऊंची ऊंची इमारतें ही छज्जों के ऊपर खड़ी की हुई हैं। शहर में जहां देखें इस तरह के छज्जों पर बने निर्माण आम देखे जा सकते हैं। इससे साफ जाहिर है कि नगर निगम के अधिकारियों को किसी बड़े हादसे का इंतजार है।

नोटिस के नाम सिर्फ खानापूर्ति

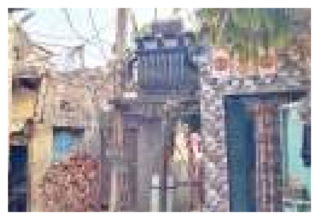

मुजेसर स्थित बस्ती में मकान से सटा हुआ ट्रांसफार्मर।

हाईटेंशन तारों से कई हादसे होने के बाद भी नगर निगम ने तो कोई कदम उठाया नहीं, लेकिन बिजली निगम के अधिकारी ने मामले में थोड़ी गंभीरता जरूर दिखाई थी। हादसा होने के बाद बिजली निगम के अधिकारी और कर्मचारी को ही लोगों के गुस्से का शिकार बनना पड़ता है। हादसे के बाद गुस्साए लोग बिजली निगम के अधिकारियों पर ही कार्रवाई करने की मांग करते हैं। जबकि वास्तव में कार्रवाई नगर निगम के अधिकारियों पर होनी चाहिए। इस बात को ध्यान में रखते हुए करीब दो साल में बिजली निगम के अधिकारियों ने करीब 2200 मकान को नोटिस जारी किए हैं, जिनके छज्जे प्लॉट से बाहर तक निकले हुए हैं। उस दौरान बिजली निगम के अधिकारियों ने दावा किया था कि नोटिस भेजने के बाद यदि लोगों ने खुद अपने छज्जे नहीं तोड़े तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी। लेकिन करीब दो साल का समय बीतने के बाद भी बिजली निगम की तरफ से न तो एफआईआर दर्ज करवाई गई है और न ही इन छज्जों को तुड़वाने के लिए नगर निगम को कोई पत्र लिख कर भेजा है।

ठोस कदम उठाने की जरूरत

समाजसेवी अनीषपाल का कहना है कि बिजली की तारों से आए दिन होने वाले हादसों में लोगों की जान जा रही है, लेकिन बिजली अथवा नगर निगम कोई कदम नहीं उठा रहा। नगर निगम की लापरवाही के कारण ही शहर में अवैध निर्माण हो रहे है। लोग नक्शे पास कराए बिना मकानों का निर्माण करते समय छज्जे बाहर निकालते हैं, लेकिन नगर निगम द्वारा रोकने का कोई प्रयास नहीं किया जाता।

बिजली निगम के नियमों के मुताबिक 650 वोल्टेज की लाइनों से निर्माण की दूरी कम से कम ढाई मीटर होनी चाहिए। 11 हजार से 33 हजार वोल्टेज की हाईटेंशन बिजली की तार से दूरी 3.7 मीटर होनी चाहिए। इससे ज्यादा वोल्टेज की तार होने पर उसी के मुताबिक दूरी में बढ़ती जाती है। लेकिन मकानों के निर्माण के दौरान आम लोग तो ध्यान देते ही नहीं है। वहीं बिजली और नगर निगम के अधिकारी भी इस तरफ जरा ध्यान देने की जरूरत महसूस नहीं करते।

महिलाओं के प्रति भेदभाव पर कार्यशाला का आयोजन

समाज में महिला सुरक्षा और लैंगिक संवेदनशीलता की जरूरतः प्रो. रेणु चुघ

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विश्व विद्यालय में आयोजित कार्यशाला में भाग लेने के बाद ग्रुप फोटो खिंचवाते टीचर।

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के महिला प्रकोष्ठ की आंतरिक शिकायत समिति द्वारा महिलाओं के खिलाफ भेदभाव विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के गणित विभाग की प्रो. रेणु चुघ कार्यशाला में आमंत्रित अतिथि वक्ता रहीं। सत्र की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने की। कार्यशाला का संचालन महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा प्रो. नीतू गुप्ता एवं प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. अनुराधा शर्मा द्वारा किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं के प्रति भेदभाव से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों तथा इस बात पर चर्चा करना था कि‌एक लैंगिक-तटस्थता कैसे उत्पन्न की जाये ताकि महिलाओं के जीवन एवं कार्यस्थल पर लैंगिक जागरूकता तथा संवेदनशील वातावरण बनाने में मदद मिले। कार्यशाला की शुरुआत प्रो. नीतू गुप्ता के स्वागत भाषण से हुई, इसके बाद कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग ने विषय पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने समृद्ध भारतीय संस्कृति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय समाज में महिलाओं को देवी के रूप में पूजा जाता रहा है। भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति सर्वोच्च रही है लेकिन किन्हीं कारणों से इसमें गिरावट आई और इस तरह के मुद्दे उत्पन्न हो गये। उन्होंने लिंग-विशिष्ट संवेदनशीलता को समझने की आवश्यकता पर बल दिया क्योंकि यह हमें अपने व्यक्तिगत दृष्टिकोण और विश्वासों की जांच करने में मदद करता है। उन्होंने यह भी कहा कि पुरुषों और महिलाओं को एक ऐसी संस्कृति बनानी चाहिए जो अब कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न को बर्दाश्त न करें। उन्होंने महिला सुरक्षा पर विभिन्न अधिनियमों के प्रावधानों के प्रति कर्मचारियों को संवेदनशील बनाने के लिए नियमित अंतराल पर ऐसी कार्यशालाओं और जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन के लिए, महिला प्रकोष्ठ के प्रयासों की सराहना की। सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. रेणु चुघ ने वास्तविक जीवन के उदाहरण देकर महिलाओं के खिलाफ भेदभाव की व्याख्या की।

प्री आरडीसी कैंप में चयन होने पर सीपी ने दी बधाई

दोनों छात्र गणतंत्र दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में देंगे परफॉर्मेंस

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्री आरडीसी कैम्प में सिलेक्शन होने पर छात्र मनीष चौधरी व अंकिता रावत को बधाई देते पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा।

पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने सेक्टर-21 सी में स्थित अपने कार्यालय में प्री आरडीसी में सेलेक्ट होने वाले दो विद्यार्थियों को चॉकलेट देकर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि संजय कॉलोनी में स्थित मॉडर्न बीपी पब्लिक स्कूल की दसवीं कक्षा में पढ़ने वाले विद्यार्थी मनीष चौधरी तथा अंकिता रावत का 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के प्री आरडीसी कैंप के जूनियर कैडर में चयन हुआ है। 16 वर्षीय मनीष चौधरी के पिता सुरेंद्र चौधरी प्राइवेट जॉब करते हैं। दोनों छात्र गणतंत्र दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। मनीष आरडीसी में हरियाणवी डांस तथा इंस्ट्रूमेंट में अपनी परफॉर्मेंस देंगे वहीं अंकिता रावत हरियाणवी डांस परफॉर्म करेंगी। अंकिता के पिता सुरेंद्र रावत सरकारी कर्मचारी हैं। दोनों छात्रों का रोपड़ में 15 दिसंबर से कैंप आयोजित होगा। जिसमें उन्हें इससे संबंधित ट्रेनिंग दी जाएगी। पुलिस आयुक्त ने चॉकलेट लेकर छात्रों को अपना आशीर्वाद दिया। इसी प्रकार कड़ी मेहनत करके अपने साथ-साथ अपने माता-पिता, गुरुजनों व अपने स्कूल सहित पूरे जिले का नाम देशभर में रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया। स्कूल चेयरमैन ओपी परमार और प्रिंसिपल जितेंद्र परमार ने छात्रों के चयन पर खुशी जाहिर की। छात्रों के कोच हरीश शर्मा और अरविंद यादव भी छात्रों के चयन पर अत्यंत प्रसन्न हैं और उन्होंने कहा कि उनकी मेहनत उन्हें कामयाबी की नई बुलंदियों तक लेकर जाएगी।

16 से खेलो हरियाणा प्रतियोगिता का होगा जिले में आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बड़खल स्थित एसडीएम कार्यालय में अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते एसडीएम पंकज सेतिया।

आगामी 16 से 18 दिसंबर तक खेलो हरियाणा राज्य स्तरीय तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। जिसमें फरीदाबाद जिले में शूटिंग, मलखम, खो खो का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी एसडीएम बड़खल एवं खेलो हरियाणा के नोडल अधिकारी श्री पंकज सेतिया ने सेक्टर-12 खेल सुविधा केंद्र में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए दी।

उन्होंने बताया कि इस राज्य स्तरीय तीन दिवसीय प्रतियोगिता में हरियाणा राज्य के लगभग 11500 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। जिसमें फरीदाबाद जिला में होने वाली खेल प्रतियोगिताओं में 1200 खिलाड़ी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि 27 खेलो का आयोजन प्रदेश के अलग- अलग जिलों में होगा। पंचकूला, अंबाला, कुरुक्षेत्र, करनाल, जींद, यमुनानगर, गुरुग्राम और रोहतक में भी प्रतियोगिताएं आयोजित की जानी है। उप निदेशक खेल गिरिराज सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 5000, रजत पदक जीतने वालों को 3000 और कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 2000 की राशि दी जाएगी। प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता 18 दिसंबर तक खेली जाएगी। इसके लिए अलग-अलग खेल मैदान भी तैयार किए जा रहे हैं। खेलों को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई है। इन 3 प्रतियोगिताओं के आयोजन सेक्टर 12 खेल परिसर में करवाए जाएंगे। बैठक में जिला खेल अधिकारी देवेंद्र गुलिया, डिप्टी सीएमओ डॉ राम भगत, एचएसवीपी जे ई कमल नागर, पीजीटी मॉडर्न स्कूल विनीत राजन, कोच राजेंद्र सिंह, कपिल, नीरेश यादव, धर्मेंद्र आदि मौजूद थे।

मंदबुद्धि बच्चों संग मनाया सोनिया गांधी का जन्मदिवस

दुनिया की महानतम नेताओं में सोनिया गांधी का नाम शुमारः बलजीत कौशिक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

यूपीए की चेयर पर्सन सोनिया गांधी के जन्मदिन के अवसर पर मंदबुद्धि के बच्चों को फल वितरित करते हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव बलजीत कौशिक व अन्य।

यूपीए चैयरपर्सन सोनिया गांधी का 77वां जन्मदिवस हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव बलजीत कौशिक मंदबुद्धि एवं गरीब बच्चों के साथ केक काटकर मनाया।

इस दौरान कौशिक ने इन बच्चों फल आदि भी वितरित किए और सोनिया गांधी की दीर्घायु की कामना की। प्रभात एन अवेकिंग एनजीओ द्वारा संचालित इस केंद्र में कौशिक अन्य कांग्रेसजनों के साथ पहुंचे। इस मौके पर बलजीत कौशिक ने कहा कि भारतीय राजनीति में सोनिया गांधी ने अपने त्याग व सेवा भावना से जो स्थान बनाया है, वह अद्वितीय है। सोनिया गांधी भारत की ही नहीं अपितु दुनिया की 21वीं सदी के महानतम नेताओं में एक है। जिन परिस्थितियों में सोनिया गांधी ने राजनीति में प्रवेश किया व धार्मिक उन्मादी ताकतों को जिस तरह से राजनीति में आने पर उनका विरोध किया, उन कठिन परिस्थितियों में देश के सामने सोनिया गांधी ने अग्निपरीक्षा देकर अपने को खरा सोना साबित किया, वह अपने आप में ही उन्हें महानतम नेताओं की श्रेणी में खड़ा कर देता है। कौशिक ने कहा कि रोजगार गारंटी योजना व सूचना के अधिकार का कानून बनाकर सोनिया गांधी ने भारतीय समाज व सरकारी प्रशासन में पारदर्शिता लाने व आम आदमी की भलाई में ऐसे कदम उठाये है, जिनका दूरगामी परिणाम होगा। बलजीत कौशिक ने कहा कि देश जिन कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा है, उसके चलते भी देश को सोनिया गांधी जैसे डायनेमिक नेतृत्व की जरूरत है।

पायनियर पाठकों के लिए
यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है, तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट 9818848494
- आनंद, एनआईटी 4-5 चौक
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा, पलवल मीनार गेट मोबाइल नंबर- 9255029919
- त्रिलोक, फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

नज़रिया

दिनेश रघुवंशी, कवि

युवा डिग्री लिये फिरते हैं चेहरों पर उदासी है
कोई उम्मीद है बाक़ी तो वो भी तो ज़रा सी है
यही देखा गया है देश में अपने, गरीबों का
लहू जो चूसते हैं हर सियासत उनकी दासी है

स्कूल गेम्स में जिले के शतरंज खिलाड़ियों का जलवा

जिले की बॉयज और गर्ल्स शतरंज टीम बनी प्रदेश चैम्पियन

कविता। फरीदाबाद

विजेता खिलाड़ियों के संग आयोजक।

हरियाणा राज्य स्कूल गेम्स प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय पब्लिक स्कूल अम्बाला में हुआ। यह प्रतियोगिता आठ से नौ दिसंबर तक आयोजित की गई। जिसमें प्रदेश के 24 जिलों की टीमों के लड़कियों और लड़कों की टीमों ने शतरंज खिलाड़ियों ने भाग लिया।

इस प्रतियोगिता फरीदाबाद से भी अंडर-11 आयुवर्ग की 5 लड़कियों और 5 लड़कों की टीम से शतरंज खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। जिसमें जिसमें अंडर-11 गर्ल्स की टीम ने पहला स्थान प्राप्त किया। जिसमें बानी चटवाल कौर, गुरनूर कौर, आदया कालरा, भानवी आहूजा और हिमाया थी। अंडर-11 बॉयज की टीम में आरव गुलिया, देव प्रताप, भविन सौरोत, चिरायु परांजल और शौनिश ग्रोवर ने भी पहला स्थान प्राप्त किया। 8 और 9 दिसंबर को हुई इस प्रतियोगिता में पहले दिन तीन-तीन राउंड हुए। वहीं अंतिम तीन दो-दो राउंड हुए।

लड़कियों का खेल : लड़कियों की टीम में पहले दिन के मैच में चार जिलों टीम सेमीफाइनल में पहुंची। जिसमें पहले नम्बर पर फरीदाबाद, दूसरे नम्बर पर सोनीपत, तीसरे नम्बर पर फतेहाबाद और चौथे नम्बर पर रोहतक की टीम रही। सेमीफाइनल के बाद फाइनल में फरीदाबाद और सोनीपत की टीमों के बीच मुकाबला हुआ। जिसमें फरीदाबाद की लड़कियां सोनीपत की टीम पर भारी पड़ गई।

लड़कों का खेल : कोच धर्मेन्द्र ने बताया कि अंडर-11 लड़कों की टीम का मैच फरीदाबाद ने जीता। जिसमें पहले दिन हुए मैच में चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचीं, जिसमें फरीदाबाद पहले नम्बर और गुरुग्राम दूसरे नम्बर पर पहुंची। वहीं तीसरे नम्बर पर रेवाड़ी और चौथे नम्बर पर अम्बाला की टीम रही। वहीं फाइनल में इन चारों में से मात्र फरीदाबाद और गुरुग्राम की टीम पहुंची। जिसमें फरीदाबाद की टीम के लड़कों ने बाजी मार ली।

दी बंधाई : फाइनल में पहुंची फरीदाबाद के लड़कों और लड़कियों की टीमों के विजेता खिलाड़ियों को ऑल फरीदाबाद चैस एसोसिएशन की प्रधान नीतू अग्रवाल और सविता अलका छिक्कारा समेत कोच धर्मेन्द्र पाल और कोच अमृतपाल ने बंधाई दी है।

वहीं दूसरी तरफ शतरंज संघ फरीदाबाद के सचिव डीएस सूरी, प्रधान एसएल वर्मा, उप प्रधान एनके शर्मा, विनोद चंदीला ने बच्चों को हार्दिक बंधाई दी। कोच धर्मेन्द्र ने बताया कि जिले के 10 चैस खिलाड़ियों ने भाग लिया था। सभी ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए, जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि 12 से 14 दिसंबर तक अंडर-14, 17, 19 की चैम्पियनशिप कुरुक्षेत्र में होगी। इस प्रतियोगिता के लिए शतरंज के खिलाड़ी पिछले तीन सालों से लगातार अभ्यास कर रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री ने छात्राओं को दिलवाई ट्रैफिक नियमों की पालना करने की शपथ : बल्लबगढ़ प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने शुक्रवार को बल्लबगढ़ के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं को ट्रैफिक नियमों को पालन करने की शपथ दिलवाई। उन्होंने कहा कि यातायात के नियमों का पालन करने से जीवन को सुरक्षित रखा जा सकता है। उन्होंने बच्चों से आह्वान करते हुए कहा की वे अपने परिवार के सदस्यों को भी नियमों का पालन करने के बारे में जरूर बताएं।

पहचान की अपील

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक लावारिस नाश जिसका नाम जीवित पुत्र हरी याधू पता भडाना चैक फरीदाबाद जिसका रंग-सांवला, गोल चेहरा, हष्ट -पुष्ट शरीर, उम्र करीब 40 साल कद करीब 5 फुट 7 इंच है जिसकी पहचान नहीं हो पा रही है, जिसके शरीर पर काले व लाल रंग की जैकेट (गर्म टी शर्ट) व जैकेट के अन्दर आसमानी, सलेटी व काले रंग की टी शर्ट तथा पैरों में सलेटी रंग का लोवर पहना हुआ है व दाहिने हाथ में काले रंग का रबड़ का छल्ला पहना हुआ है और जिसके दाहिने पैर के टखने क ऊपर पुरानी फुंसियों के जैसे सफेद निशान हैं जिसके पास नीले रंग का कम्बल भी है जिस पर सफेद व लाल रंग की धारियां बनी हुई हैं व जिसकी दौराने इलाज बीके हस्पताल में मृत्यु हुई है अगर किसी के भी इलाके से कोई गुमशूदगी इंसान हो तो निम्नलिखित फोन नंबर पर सूचित करें।

पुलिस थाना सारन- 9582200128, पुलिस चैकी पर्वतीय कालोनी - 9582200156

गुमशुदा की तलाश

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 07-11-2022 को रेखा पत्नी अमित कुमार निवासी मकान नं0 एफ-39, एस जी.एम. नगर फरीदाबाद बिना कुछ बताये घर से कहीं चली गई है। जिसने मेहरूम रंग का सुट-सलवार, पैरो में फैन्सी चप्पल पहने हुये थी और उसका हुलिया रंग गेहुआ, लम्बा चेहरा, मध्यम शरीर, कद 5 फूट 2 इंच, उम्र 30 वर्ष है। मुकदमा नं 506 दिनांक 07.12.2022 थाना एन.आई.टी फरीदाबाद। सूचना मिलने पर निचे लिखे नम्बरो पर सुचित करे।

प्रबन्धक अफसर थाना एन आई.टी. फोन न0 9582200125,
प्रभारी पुलिस चैकी सै. 21 डी फरीदाबाद फोन न0 9582200151

यह कैसी स्वच्छता : सड़कों पर बह रहा सीवर का पानी

कविता। फरीदाबाद

शहर के विभिन्न हिस्सों में बह रहा सीवर का पानी सरकार के स्वच्छता के दावें को खोखला कर रहा है। लोगों को घरों से बाहर आने जाने में भारी परेशानी हो रही है। बदबूदार पानी से घर में रहना दूभर हो गया है।

तो वहीं शहर की मुख्य सड़कों पर भरे पानी के कारण दुकानदारों की व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। सीवर के पानी को निकालने के लिए नगर निगम के अधिकारी कोई कदम नहीं उठा रहे हैं। शहर की कोई ऐसी कालोनी अथवा सेक्टर नहीं है, जिसमें सीवरेज जाम न हो रहा हो। शहर में एनएच-एक, दो, तीन, पांच, जवाहर कालोनी, पर्वतीया कालोनी, संजय कालोनी, सेक्टर-23, 22, 24, 25, 58, डबुआ कालोनी, बल्लभगढ़, ग्रेटर फरीदाबाद के विभिन्न हिस्सों के अलावा जीवन नगर, गौच्छी सेक्टर-55, मुजेसर समेत अन्य कई इलाकों में सीवरेज जाम की समस्या के कारण गलियों में में कई-कई दिनों से सीवरेज ओवरफ्लो के कारण पानी भरा हुआ है। लेकिन नगर निगम के अधिकारी सीवर लाइन की सफाई पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

मुजेसर फाटक और संजय कालोनी में भरा सीवरेज का पानी।

लोगों का कहना है सीवर लाइन जाम पड़ी हुई हैं। मेनहॉल से गंदा पानी निकल रहा है। गंदे पानी से मच्छर पैदा हो रहे हैं और गंभीर बीमारियों होने की संभावना है, लेकिन नगर निगम के अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं। लोगों ने नगर निगम अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि हम सभी नगर निगम को हाउस टैक्स और अन्य शुल्क दे रहे हैं। अनेक लोगों ने विकास शुल्क भी दिया हुआ है। इसके बावजूद भी हमें गंदगी में रहने के लिए मजबूर किया जा रहा है, लेकिन निगम अधिकारी इस पर कोई समाधान नहीं करते हैं। ऐसा तब हो रहा है। जब इस शहर को स्मार्ट सिटी का दर्जा मिला हुआ है। फरीदाबाद, कहने मात्र को स्मार्ट सिटी है। वास्तविकता कुछ और ही है। लोगों का कहना है कि अब बारिश नहीं है, तो सीवर के पानी से सड़कें भरी हुई है। कई जगहों पर मेनहॉल के ढक्कन खुले हुए हैं। जहां पर आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं। वहीं कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि सीवर लाइन का लेवल ठीक नहीं होता है। जिसकी वजह से हमेशा लाइन ब्लॉक रहती है। ठेकेदारों को करोड़ों का भुगतान करने के बाद भी समस्या बनी हुई है।

नशीला पदार्थ पिलाकर 200 राहगीरों को लूटने वाला शातिर गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शहर से लापता हुए एक व्यक्ति की तलाश करने के दौरान पुलिस को लगा आरोपी का सुराग

डीसीपी क्राइम मुकेश कुमार मल्होत्रा के दिशानिर्देश तथा एसीपी क्राइम सुरेंद्र श्योराण के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच 65 प्रभारी ब्रह्म प्रकाश की टीम ने नशीला पदार्थ पिलाकर राहगीर के साथ लूटपाट की वारदात को अंजाम देने वाले एक बहुत ही शातिर आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम विजय है, जो यूपी के गोंडा जिले के पतिजिमा गांव का रहने वाला है। आरोपी बहुत ही शातिर किस्म का अपराधी है। यह दिल्ली व हरियाणा बॉर्डर पर लूट की 150 से 200 वारदातों को अंजाम दे चुका है। आरोपी बस स्टैंड रेलवे स्टेशन जैसे सार्वजनिक स्थल पर घूमता रहता है और बैग लेकर गांव से आने जाने वाले लोगों की निगरानी रखता है और उनसे बातचीत करने की कोशिश करता है। बहुत ही शातिर तरीके से उन राहगीरों को अपनी बातों में उलझाता है और बातों ही बातों में उसे चाय या कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ डालकर पिला देता है। जब राहगीर बेहोश होने लगता है तो आरोपी उसे किसी ऑटो या बस में बिठाकर अपने साथ ले जाता है और किसी सुनसान जगह पर ले जाकर उसके पैसे व मोबाइल फोन छीनकर फरार हो जाता है। आरोपी को इससे पहले जीआरपी गाजियाबाद द्वारा चार वारदातों में गिरफ्तार करके जेल भेजा जा चुका है। करीब दो महीने पहले आरोपी ने

नशीला पानी पिलाकर राहगीरों को लूटने के आरोप में गिरफ्तार विजय।

फरीदाबाद के सेक्टर 8 एरिया के रहने वाले मुकेश नाम के एक व्यक्ति के साथ इस प्रकार की लूट की वारदात को अंजाम दिया था। जिसमें आरोपी मुकेश के साथ लूटपाट करके फरार हो गया। परंतु मुकेश अभी तक घर वापस नहीं लौटा है और उसकी तलाश की जा रही है। मुकेश के भाई बबलू द्वारा फरीदाबाद के सेक्टर 8 में मुकेश की गुमशुदगी दर्ज करवाई गई। क्राइम ब्रांच की टीम इस मामले में तफ्तीश कर रही थी कि उन्हें मुकेश के मोबाइल फोन के माध्यम से आरोपी के गांव के ही रहने वाले एक सुभाष नाम के व्यक्ति के बारे में पता चला। जिससे पूछताछ करने पर सामने आया कि आरोपी विजय, सुभाष का जानकार था।

सुभाष ने विजय से यह मोबाइल 2000 रुपये में खरीदा था। सुभाष की निशानदेही पर आरोपी विजय को काबू किया गया। जिसमें पूछताछ में उसने बताया कि उसने दो महीने पहले मुकेश के साथ इस प्रकार लूट की वारदात को अंजाम दिया था। वह लूट की वारदात को अंजाम देने के पश्चात मौके से फरार हो गया और उसे नहीं पता कि मुकेश कहां है। मामले में पूछताछ करने के लिए आरोपी को अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा और उससे मामले में ओर जानकारी एकत्रित करके कानून के तहत आगे की कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

जिले के 266 बूथों पर लगेंगे परिवार पहचान पत्र बनाने के कैंप

फरीदाबाद। पीपीपी की नोडल अधिकारी एवं एडीसी अपराजिता ने बताया कि कैंप में परिवार पहचान पत्र में इनकम सत्यापन को छोड़कर अन्य कार्य किए जाएंगे। जैसे किसी का नाम जोड़ना, दिव्यांगों का स्टेट्स अपडेट कराना, जन्मतिथि में सुधार करना आदि शामिल है। 55 वर्ष से अधिक आयु वाले व्यक्ति के जन्मतिथि में सुधार के लिए, वोटर आईकार्ड लाना अनिवार्य होगा। वोटर कार्ड वर्ष 2017 के पहले का होना जरूरी है।

परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) को अपडेट कराने के लिए सरकार जिलास्तर पर कैंप लगा रही है। इन कैंप में कोई भी परिवार का मुखिया अपने पहचान पत्र को अपडेट करा सकेगा। कैंप दो चरणों में आयोजित किए जाएंगे। जिले में यहां लगेंगे कैंप: एडीसी ने बताया कि कैंप पूरे जिले में लगाए जाएंगे। नगर निगम क्षेत्र में सभी 40 वार्डों में व गांवों में सभी सरकारी स्कूलों पर कैंप लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया तिगांव ब्लॉक में 72, फरीदाबाद में 78 तथा बल्लभगढ़ ब्लॉक में 116 कैंप लगेंगे। इस काम के लिए करीब 6000 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। सभी सरकारी स्कूलों के प्रिंसिपल नोडल अधिकारी बनाए गए हैं पहला चरण 10 से 11 दिसंबर व दूसरा चरण 16 से 18 दिसंबर तक लगेगा। खास बात है कि इन कैंपों में परिवार पहचान पत्र में अंकित की गई इनकम की राशि में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। **हेल्पलाइन नंबर पर लें जानकारी:** एडीसी अपराजिता ने बताया कि प्रशासन ने पीपीपी के लिए हेल्पलाइन नंबर 0129-2792999 जारी किया है।

पोस्टर मेकिंग और पेंटिंग प्रतियोगिता

फरीदाबाद। विकलांगता सप्ताह के दौरान श्री बांके बिहारी एजुकेशनल ट्रस्ट के द्वारा संचालित एडवांस्ड एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन्स ने अपने संस्थान एआईटीएम में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता एवं पेंटिंग का आयोजन किया जिसके जरिए समाज में समावेशिता बनाने और सभी के लिए स्वीकृति की भावना पैदा करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

एडवांस्ड ग्रुप के सभी संस्थान जैसे एआईटीएम, एआईपी और एआईई के छात्रों ने रंग और पेंसिल स्केचिंग का उपयोग कर इस प्रतियोगिता में भाग लिया। इसी कड़ी में एआईपी के छात्रों ने शौर्य फाउंडेशन ट्रस्ट के द्वारा आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर दिव्यांग बच्चों के साथ पेंटिंग बनाई व उन बच्चों की हौसला अफजाई की। संस्थान के चेयरमैन पुनीत गोयल व चेयरपर्सन पूनम गोयल ने छात्रों को भविष्य में भी इस तरह की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया और छात्रों से सभी प्राणियों के प्रति खुला दिल रखने, मतभेदों को दूर करने और सबको चाहे कोई विकलांग ही क्यु ना हो उनको अपनाने के लिए सभी से आग्रह किया। संस्थान परिसर मे आयोजित प्रतियोगिता को डिप्टी रजिस्ट्रार माया ने छात्रों के कौशल के आधार पर प्रतियोगिता का निर्णय पारित किया। निर्णय का मानदंड आज के युवाओं की विकलांगता के प्रति संवेदनशीलता के विचार थी। सफल छात्रों में बीसीए वीएसटी के हरकेश ने पहला, बीबीए वीएसटी से आरती ने दूसरा और बीसीए वीएसटी के कृष्ण और बीबीए जेडटीएच से ध्रुव ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

पुलिसकर्मियों ने विभिन्न स्थानों पर आमजन को सड़क सुरक्षा नियमों की पालना करने की दिलवाई शपथ

यातायात पुलिस ने लगाए वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डीसीपी ट्रैफिक नरेन्द्र कादियान के दिशा निर्देश तथा एसीपी ट्रैफिक विनोद कुमार के मार्गदर्शन में जिले की यातायात पुलिस धुंध के समय में यात्रियों का सड़क दुर्घटना से बचाव करने का हर संभव प्रयास कर रही है और इसी के तहत उन्होंने विभिन्न वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाकर आमजन को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया। पुलिसकर्मियों ने इसके साथ ही विभिन्न स्थानों पर सड़क सुरक्षा नियमों की पालना करने के लिए आमजन को शपथ भी दिलाई।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि फरीदाबाद पुलिस आमजन को का सड़क दुर्घटनाओं से बचाव करने का हर संभव प्रयास कर रही है। ट्रैफिक पुलिसकर्मी मोटरसाइकिल गाड़ी ट्रक ऑटो इत्यादि वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगा रहे हैं ताकि धुंध के समय में आगे और पीछे चल रहे वाहन आसानी से दिखाई दे जाए और सड़क दुर्घटना घटित न हो। इसके साथ ही जानवरों को भी रिफ्लेक्ट टैप बांधी जा रही हैं ताकि सड़क पार करते समय वाहन चालक को जानवर दिखाई दे जाए और वह क्षतिग्रस्त न हो। फरीदाबाद पुलिस द्वारा इससे पहले भी आवारा पशुओं के गले में रिफ्लेक्टर बांधे गए थे और अब फिर से यह कार्य किया जा रहा है ताकि इन रिफ्लेक्टर के चमकने की वजह से रात्रि या धुंध के समय में सड़क पर घूम रहे पशुओं के बारे में वाहन चालकों को दूर से अंदाजा लग जाए और वह अपने वाहन की गति को धीमा करके होने वाली सड़क दुर्घटना से अपने आपको बचा सकें। इस प्रकार की सड़क दुर्घटना से पशुओं को भी बहुत नुकसान पहुंचता है। कई बार तो एक्सीडेंट इतने खतरनाक होते हैं कि पशुओं की जान

तक चली जाती है। इंसान तो किसी भी प्रकार से अपना इलाज करवा सकता है परंतु यह निर्जीव जानवर दुर्घटना के पश्चात सड़क पर ही पड़े रह जाते हैं और कोई इनकी तरफ ध्यान भी नहीं देता। यात्रा करते समय सड़क पर घूम रहे पशु पशुओं का विशेष ध्यान रखा जाए और दुर्घटना से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों का उपयोग करके अपने साथ-साथ इन निर्जीव जानवरों को भी घायल होने से बचाया जा सके।

विद्यार्थियों की शिक्षा संबंधी जरूरतों का रखें पूरा ध्यान : एडीसी

फरीदाबाद। अतिरिक्त उपायुक्त अपराजिता ने आज शुक्रवार को जिले के गांव पांवटा के सरकारी स्कूल का दौरा किया। मौके पर एडीसी ने बच्चों से बात चीत कर उनके पठन-पाठन की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि बेहतर शिक्षा सुविधाएं प्रदान करने हेतु झर्जर या पुराने कमरों को तोड़कर नये कमरों का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि पूरी मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई करें। इसके साथ-साथ अगर अन्य कार्यों जैसे खेल, नृत्य, संगीत आदि में भी रुचि है तो उसका अभ्यास भी करें। पढ़ाई करते वक्त यह ध्यान भी रखें कि इसमें निरंतरता होनी चाहिए। ये नहीं कि एक दिन पढ़ें और अगले दिन नहीं पढ़ें। निरंतर अभ्यास से आत्म विश्वास में भी वृद्धि होगी। एक से पांचवी तक की कक्षा में जाकर विद्यार्थियों की शिक्षा संबंधी जरूरतों की समीक्षा की। उन्होंने सभी शिक्षकों को निर्देशित करते बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना सुनिश्चित करेंगे।

एमआर स्कूल के छात्र ने केबीसी में जीते 12.5 लाख रुपये

आदित्य श्रीवास्तव ने 7 दिसंबर को हॉट सीट हासिल की

प्रवीन शर्मा। फरीदाबाद

केबीसी जूनियर्स स्पेशल में भाग लेते मानव रचना इंटर नेशनल स्कूल का छात्र आदित्य श्री वास्तव।

शुक्रवार को कौन बनेगा करोड़पति 14 के 11 वर्षीय प्रतियोगी आदित्य श्रीवास्तव ने अपने ज्ञान से शो के होस्ट अमिताभ बच्चन को चौंका दिया। आदित्य की तीव्र और चतुर प्रतिक्रियाओं से मेगास्टार अचंभित हो गए। उन्होंने टिप्पणी की, इस लड़के के साथ खेलना असंभव है। आदित्य मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल, सेक्टर 14 फरीदाबाद में कक्षा छठी का छात्र है, जिसे 7 दिसंबर को प्रसारित होने वाले 'कौन बनेगा करोड़पति जूनियर्स स्पेशल' के हॉट सीट पर अमिताभ बच्चन के साथ खेलने के लिए चुना गया था। आदित्य अपनी तार्किक क्षमता और बुद्धि से सवालों को तेजी से हल करते दिखे।

शो के मेजबान, अमिताभ बच्चन, उनके ज्ञान और इसरो में शामिल होने की उनकी इच्छा से स्पष्ट रूप से प्रभावित थे। इसके बाद बिग बी ने मशहूर लेखिका सुधा मूर्ति को एपिसोड की साथी के रूप में पेश किया। आदित्य उन्हें देखकर खुश हुए और उनके दामाद, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को शुभकामनाएं भेजने का मौका मिला।

आदित्य की जिज्ञासा ने उसके माता-पिता, शिक्षकों और स्कूल के लिए प्रशंसा अर्जित की है, जिसने स्कूल की उपलब्धियों के इतिहास में एक स्थायी छाप छोड़ी है। ममता वाधवा, डायरेक्टर प्रिंसिपल, मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल, सेक्टर 14 फरीदाबाद ने इस बच्चे की विलक्षण प्रतिभा की सराहना की और वह उसके भविष्य के सभी प्रयासों के लिए उसे शुभकामनाएं देती हैं। वह आदित्य और उसके गर्वित माता-पिता को उसकी चमत्कारी उपलब्धि पर बधाई देती है। बेशक, बच्चा साबित करता है कि सफलता का कोई रहस्य नहीं है। यह तैयारी, कड़ी मेहनत और लगन का परिणाम है। डॉ. अमित भल्ला- वाइस प्रेसिडेंट, एमआरआईआई ने आदित्य को शुभकामनाएं देते हुए कहा, 'मैं वास्तव में आपकी बुद्धि, ज्ञान और आत्मविश्वास से मंत्रमुग्ध हूँ। मैं कामना करता हूं कि आप जीवन में ऐसे ही कई उत्कृष्ट कारनामे करें और आदित्य, यह आपके लिए बस शुरुआत है।' अपनी भावनाओं को साझा करते हुए, आदित्य कहते हैं, 'केबीसी का हिस्सा बनना मेरा बचपन का सपना था और इस साल, मैंने हॉट सीट तक पहुंचने के लिए अपनी सारी मेहनत लगा दी। मैं अमिताभ सर के सामने आकर रोमांचित था और उनकी विनम्रता ने मुझे सवालों का जवाब देते हुए आत्मविश्वास का अहसास कराया।' मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल 5 शहरों में फैले अग्रणी स्कूलों में से एक है और हमें वास्तव में गर्व है कि आदित्य श्रीवास्तव, जो एक उभरता सितारा है, वह हमारा छात्र है।

यातायात सुरक्षा पर कार्य के लिए विद्यार्थियों ने ली शपथ

फरीदाबाद। तेज रफ्तार सड़कों पर जन जीवन को सुरक्षित करने हेतु यातायात सुरक्षा के महाअभियान का भाग बनते हुए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग के समाज कार्य (बीएसडब्ल्यू) के छात्र छात्राओं ने नागरिक सुरक्षित यातायात की शपथ लेकर सड़क सुरक्षा महायज्ञ में अपनी आहुति को सुनिश्चित किया। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार हर वर्ष लगभग डेढ़ लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपने प्राण गंवा देते हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एसके तोमर ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें सामाजिक जिम्मेदारी के वहन एवं नागरिक कर्तव्य से अवगत कराया। विभाग के छात्र छात्राओं को शपथ दिलाते समय विभागाध्यक्ष डॉ पवन सिंह ने शपथ के अनुपालन की बात कहकर, समाज कल्याण में अपने उत्तरदायित्व के बोध एवं भागीदारी को सुनिश्चित करने की बात कही। प्रो. अतुल मिश्रा ने विभाग की इस पहल का स्वागत करते हुए भविष्य में भी विधि की ओर से सामाजिक कल्याण में सहभागी रहने को कह शपथ दिलाई।

सीपी ने पुलिस कर्मियों को दिलाई सड़क सुरक्षा की शपथ

सेक्टर 21 सी स्थित पुलिस कमिशनर कार्यालय में ट्रैफिक नियमों की पालना को लेकर आयोजित कार्यक्रम में शपथ लेते पुलिस कर्मी।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सड़क सुरक्षा के संबंध में आज पूरे देश में सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों सहित समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा यातायात के समय ट्रैफिक नियमों का पालन करने की शपथ ली गई। इसी क्रम में फरीदाबाद पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने अपने कार्यालय में इस शपथ ग्रहण कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों को सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यात्रा करने की शपथ दिलाई।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि आज सुबह 11 बजे पुलिस आयुक्त द्वारा कार्यालय में उपस्थित सभी पुलिसकर्मियों सहित सड़क सुरक्षा शपथ ली गई। पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने शपथ ली कि हम प्रतिज्ञा करते हैं कि हम सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए अपनी ओर से पूरा प्रयास करेंगे। दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट पहनेंगे और कभी भी शराब पीकर गाड़ी नहीं चलाएंगे। कार चलाते समय हमेशा सीट बेल्ट पहनेंगे। वाहन चलाते समय कभी भी मोबाइल फोन पर बात नहीं करेंगे तथा ना कोई मैसेज भेजेंगे, ना देखेंगे। हमेशा ट्रैफिक नियमों का पालन करेंगे तथा अपने परिजनों से भी इसका पालन करवाएंगे। सड़क दुर्घटना में पीड़ितों की मदद करते हुए हम सदैव तत्पर रहेंगे, जय हिंद-जय भारत।

शपथ ग्रहण करने के पश्चात पुलिस आयुक्त ने सभी पुलिसकर्मियों को इस शपथ का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हम ट्रैफिक नियमों का पालन करवाने के लिए अधिकृत हैं इसलिए आवश्यक है कि दूसरों से इसकी पालना करवाने के साथ-साथ हम खुद भी इनकी पालना करें ताकि आमजन हमें देखकर ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित हों। इस नोट के साथ ही शपथ ग्रहण कार्यक्रम का समापन किया गया।

संक्षिप्त समाचार

बच्चों की मेहनत और लगन से देश का नाम होगा रोशन : त्रिखा

फरीदाबाद। भारतीय पब्लिक स्कूल, जगाधरी रोड, अम्बाला कैंट में आयोजित स्टेट अंडर-11 प्राइमरी स्कूल टूर्नामेंट में फरीदाबाद की शतरंज टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। बड़खल विधायक सीमा त्रिखा ने विजेता टीम के सभी बच्चों को बधाई दी और कहा कि हमे पूरा विश्वास है की ये बच्चे इसी प्रकार मेहनत और लगन से प्रयास करते रहेंगे, तो आगे चलकर पूरे देश का नाम रोशन करेंगे। श्रीमती सीमा त्रिखा ने कहा कि शतरंज एक ऐसा खेल है जिसमें भरपूर बुद्धि का उपयोग होता है और हम जितना ज्यादा अपने मस्तिष्क का उपयोग करेंगे, उतना ही अधिक हमारे मस्तिष्क का विकास होता है। बच्चों को यह खेल जरूर खेलना चाहिये। आजकल स्कूलों में शतरंज को स्पोर्ट्स के रूप में बड़े जोरों से बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस खेल का इतिहास भले ही सदियों पुराना है, लेकिन ऐसा भी नहीं है कि इस खेल में भविष्य नहीं है। भारत समेत दुनियाभर के सैकड़ों-हजारों खिलाड़ी ऐसे हैं, जिन्होंने इस खेल से नाम बनाया है। फरीदाबाद अंडर-11 प्राइमरी स्कूल की प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम में सेंट जोसेफ स्कूल एनएच 5 से देव प्रताप, एमवीएन स्कूल सेक्टर-17 से आरव गुलिया, एमआरआईएस स्कूल सेक्टर 21 सी से चिराग प्रांजल एवं एमडीपीएस स्कूल सेक्टर-87 से भाविन सौरोट आदि शामिल रहे।

जिला क्रास कंट्री चैंपियनशिप का आयोजन कल

फरीदाबाद। जिला एथलेटिक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष सत्यवीर धनखड़ ने बताया कि 57वीं नेशनल क्रास कंट्री चैंपियनशिप का आयोजन काजीरंगा नेशनल पार्क (आसाम) में 8 जनवरी 2023 को किया जाएगा। हरियाणा स्टेट क्रास कंट्री चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए जिले के एथलीट खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया के लिए जिला क्रास कंट्री चैंपियनशिप का आयोजन 11 दिसम्बर को गांव मच्छगर में किया जाएगा। जिला एथलेटिक संघ सचिव ओमवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला क्रास कंट्री चैंपियनशिप का आयोजन एथलेटिक्स फैडेरशन आफ इंडिया (एएफआई) के द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। पुरुष और महिला वर्ग में 10 किलोमीटर दौड़,20 साल लड़का वर्ग में 8 किलोमीटर एवं लड़की वर्ग में 6 किलोमीटर दौड़, 18 साल लड़का वर्ग में 6 किलोमीटर दौड़ एवं लड़की वर्ग में 4 किलोमीटर दौड और 16 साल लड़का एवं लड़की वर्ग में 2 किलोमीटर दौड़ का आयोजन किया जाएगा। 20 साल आयु वर्ग में लड़का और लड़की 9 जनवरी 2003 से 8 जनवरी 2005 तक, 18 साल आयु वर्ग में लड़का एवं लड़की 9 जनवरी 2005 से 8 जनवरी 2007 तक और 16 साल आयु वर्ग लड़का एवं लड़की 9 जनवरी 2007 से 8 जनवरी 2009 तक के ही एथलीट खिलाड़ी स्टेट क्रास कंट्री चैंपियनशिप में भाग लेंगे। सभी एथलीट खिलाड़ी अपने जन्म प्रमाण पत्र से संबंधित सभी कागज लेकर प्रतियोगिता स्थल पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

छात्राओं को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई

फरीदाबाद। राजकीय कन्या महाविद्यालय नचौली, फरीदाबाद में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ममता भारद्वाज, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी ने स्टाफ सदस्यों और छात्राओं को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ सुशील कुमार वर्मा ने सड़क सुरक्षा के महत्व पर अनेक विचार प्रकट किये। उन्होंने कहा कि सभी व्यक्तियों को अपने वाहनों को निर्धारित गति सीमा के अन्दर ही चलाना चाहिए। चार पहिया वाहन चालकों को सीट बैल्ट का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। डॉ राकेश कुमार, सड़क सुरक्षा क्लब के नोडल अफ़सर ने विद्यार्थियों को दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमट और जूते आवश्यक रूप से पहनने के लिए प्रेरित किया। शालीनी तुली, असोसिएट प्रोफेसर ने भी सड़क सुरक्षा के संबंध में अपने विचार व्यक्त किये। महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना, युथ रेड क्रॉस और सड़क सुरक्षा क्लब के सदस्यों ने सड़क सुरक्षा अभियान को आम जनता तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर डॉ0 शमशेर सिंह गुलिया असोसिएट प्रोफेसर, कान्ता देवी असिसटेंट प्रोफेसर, सतीश, दीपक, पवन एवं सुमित उपस्थित रहे।

हत्या के मामले में जमानत पर आए दो आरोपी फिर गिरफ्तार

फरीदाबाद। फरीदाबाद डीसीपी क्राइम मुकेश कुमार मल्होत्रा के दिशा निर्देश तथा एसीपी क्राइम सुरेंद्र श्योराण के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच 65 प्रभारी ब्रह्म प्रकाश की टीम ने दो शातिर अपराधियों को अवैध हथियार सहित काबू करने में सफलता हासिल की है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में महेश तथा नवीन उर्फ सोन का नाम शामिल है। दोनों आरोपी बल्लभगढ़ के पन्हेड़ा गांव के रहने वाले हैं। आरोपियों ने करीब 14 वर्ष पहले अपने साथियों के साथ मिलकर अपने गांव के सरपंच के बेटे राजेंद्र की हत्या की वारदात को अंजाम दिया था जिसमें आरोपी महेश को 10 वर्ष तथा आरोपी नवीन को उम्र कैद की सजा सुनाई गई थी। आरोपी महेश सजा पूरी होने के पश्चात आरोपी जेल से बाहर आ गया वहीं आरोपी नवीन उम्र कैद की सजा होने पर हाई कोर्ट से जमानत पर चल रहा है। आरोपी महेश इसके अलावा अपने ही गांव के रहने वाले उदयवीर की हत्या में भी शामिल था। आरोपी नवीन ने इसके अलावा राजस्थान के सरदार शहर में एक पेट्रोल पंप पर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। क्राइम ब्रांच की टीम ने दोनों आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से अवैध हथियार सहित काबू कर लिया।

जोखिम वाली गॉल ब्लैडर सर्जरी कर बचाई बुजुर्ग की जान

फरीदाबाद। फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल फरीदाबाद के डॉक्टरों की टीम ने 66 वर्षीय पुरुष मरीज को एक नया जीवन दिया, जिनका गॉल ब्लैडर (पित्ताशय) अचानक फट गया था। यह बहुत ही गंभीर स्थिति थी क्योंकि हार्ट अटैक की वजह से मरीज की तीन दिन पहले ही एंजियोप्लास्टी (हार्ट में स्टेंट लगाना) हुई थी। डॉ. मनु शंकर, डायरेक्टर-जनरल सर्जरी और डॉ. नितिन सरदाना, सीनियर कंसल्टेंट-जनरल सर्जरी, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, फरीदाबाद के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने आपात स्थिति में गॉल ब्लैडर सर्जरी की। फोर्टिस एस्कॉर्ट्स फरीदाबाद में कार्डियोलॉजी के डायरेक्टर डॉ. संजय कुमार के इलाज में तीन दिन पहले ही मरीज की एंजियोप्लास्टी हुई थी। रोगी को जब अस्पताल में भर्ती कराया गया था, तो उसे पेट में दाहिनी ओर लगातार दर्द हो रहा था। डॉ. मनु शंकर, डायरेक्टर-जनरल सर्जरी, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, फरीदाबाद ने कहा कि जब को भर्ती कराने के बाद अल्ट्रासोनोग्राफी की गई, जिसमें सूजे हुए गॉल ब्लैडर (पित्ताशय) के फटने और मवाद जमा होने का पता चला। रोगी की हालत को देखते हुए तत्काल जीवनरक्षक सर्जरी की गई। क्योंकि इसमें देरी होने पर रोगी की जान तक जा सकती थी। यह भी ध्यान दिया गया कि महज 3 दिन पहले ही उनकी एंजियोप्लास्टी (हार्ट में स्टेंट लगाना) हुई थी। हाल ही में हुई एंजियोप्लास्टी और सर्जरी से पहले रक्त को पतला करने वाली दवाओं को रोकने की आवश्यकता ने मामले को जटिल बना दिया, क्योंकि इसमें स्टेंट थ्रोम्बोसिस (स्टेंट ब्लॉकेज) के साथ-साथ एक अन्य कार्डियक समस्या (हार्ट अटैक) का उच्च जोखिम था। जिस चीज ने मामले को और भी पेचीदा बना दिया, वह था उनकी ज्यादा उम्र। अगर हार्ट अटैक का उपचार नहीं किया जाता है तो ऐसे मामले में मृत्यु दर अधिक होती है।

एजेंडे की शिकायतों के निवारण के साथ अब जन समस्याएं भी सुनेंगे कृषिमंत्री

जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक में मंत्री जेपी दलाल ने कहा

रखी गई 16 शिकायतों में से 11 का मौके पर किया गया निपटारा

जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक लेते कृषि मंत्री जेपी दलाल।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक में रखे गए एजेंडे की शिकायतों के निवारण के साथ-साथ अब जिला का कोई भी व्यक्ति अपनी शिकायतें रख सकता है। इस बैठक में यदि ज्यादा शिकायतें प्राप्त होती हैं तो उनमें से छंटनी करके उन्हें अगली बैठक के एजेंडे में शामिल कर उनकी सुनवाई की जाएगी।

वे शुक्रवार को यहां सिविल लाइन्स स्थित स्वतंत्रता सेनानी जिला परिषद् हॉल परिसर की मासिक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक में कृषि मंत्री के समक्ष कुल 16 शिकायतें रखी गई, जिनमें से 11 शिकायतों का मौके पर निपटारा कर दिया गया। शेष शिकायतें अगली बैठक तक समाधान होने के लिए लंबित रखी गई। इसमें ज्यादा शिकायतें अतिक्रमण हटवाने संबंधी थी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि इस बैठक के माध्यम से आमजन को एक ऐसा मंच प्रदान करने का प्रयास किया गया है, ताकि आमजन अपनी समस्याओं को यहां बेझिझक रख सकें। उन्होंने बैठक में समस्याएं सुनते हुए कहा कि वे अगली बैठक से एक नया परिवर्तन कर रहे हैं, जिसके तहत कष्ट निवारण समिति के एजेंडे में रखी गई समस्याओं का निवारण करने के साथ वे इस दिन जनसामान्य की शिकायतें भी सुनेंगे।

हत्या के मामले में दोबारा जांच के दिए आदेश

एक अन्य मामले में शिकायतकर्ता ने अपने बेटे की गुरूग्राम के सुशांत लोक में संदिग्ध परिस्थिति में हत्या का आरोप लगाया। इस मामले की सुनवाई करते हुए कृषि मंत्री ने मामले की जांच पुलिस की क्राइम ब्रांच को सौंपते हुए उन्हें नए सिरे से मामले की जांच करने के निर्देश दिए। बैठक में एक अन्य शिकायतकर्ता द्वारा शिकायत रखी गई कि उसे एचएसवीपी द्वारा वर्ष-2002 में सेक्टर-57 में प्लॉट अलॉट किया गया था, जिस पर लिटीगेशन होने के कारण उन्हें आल्टरनेट प्लॉट दिया गया और उस पर विवाद था। इस दौरान पहले वाला प्लॉट विवादमुक्त हो गया और एचएसवीपी के नियमानुसार उन्हें वह प्लॉट मिल सकता है। इसके लिए उन्होंने आवेदन भी कर दिया है, जो स्थानीय अधिकारियों ने मुख्यालय भेज दिया है। इस पर कृषि मंत्री ने कहा कि स्थानीय अधिकारी इस बारे में उच्च अधिकारियों से बात करेंगे और उन्हें जल्द ही प्लॉट दिलवाएंगे।

सेक्टर-45 में अवैध अतिक्रमण का मामला भी उठा

बैठक में कृषि मंत्री जेपी दलाल के समक्ष सेक्टर-45 में अवैध अतिक्रमण करने संबंधी मामला रखा गया। शिकायतकर्ता ने कृषि मंत्री को बताया कि अवैध अतिक्रमण की वजह से आस पास के क्षेत्र में सोसायटी के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस मामले में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के संपदा अधिकारी ने कृषि मंत्री को अवगत करवाया कि यहां पर 6 अलग अलग ड्राइव चलाते हुए अतिक्रमण हटवाया जा चुका है। इसके कुछ भाग का मामला कोर्ट में लंबित है। इसके अलावा जिस क्षेत्र में मलबा पड़ा है उसे हटाने का कार्य भी चल रहा है। वहां पर पार्क विकसित करने का कार्य किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

विद्यार्थियों ने ली सड़क के नियमों का पालन करने की शपथ

सेक्टर-9 राजकीय कालेज में सड़क नियमों का पालन करने के लिए शपथ लेते विद्यार्थी।

गुरुग्राम। राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-9 में सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापकों, स्टाफसदस्यों तथा विद्यार्थियों ने ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए शपथ ग्रहण की। विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने शपथ लेते हुए संकल्प लिया कि वह सड़क पर वाहन चलाने से पहले सभी सुरक्षा सम्बंधी बातों का ध्यान रखेंगे। यातायात नियमों का हमेशा खुद और अपने स्वजनों से पालन करवाएंगे। दो पहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट पहनेंगे तथा कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाएंगे। कभी भी शराब पीकर गाड़ी नहीं चलाएंगे। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करेंगे। हमेशा एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड गाड़ियों को पहले रास्ता देंगे तथा सड़क पीड़ितों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. राजेश कुंडू ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सड़क पर वाहन चलाते समय नियमों का पालन बेहद जरूरी है। हमारी थोड़ी सी गलती किसी की जान भी ले सकती है। हमें भी बहुत हानि हो सकती है। इसलिए सदैव संभल कर ही वाहन चलाने चाहिए।

प्रदेश में भाईचारे की मिसाल पेश करेगा परशुराम महाकुंभ

गुरुग्राम। करनाल में 11 दिसंबर को होने वाले परशुराम महाकुंभ में हरियाणा प्रदेश में हिंदू मुस्लिम एकता की नई मिसाल पेश करेगा। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष जीएल शर्मा प्रदेश में हिंदू मुस्लिम एकता की अब हिंदू नई मिसाल पेश करने को एकदम तैयार हैं। कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी आदर्श ब्राह्मण सभा को सौंपी गई है, लेकिन पर्दे के आगे और पर्दे के पीछे रहकर जीएल शर्मा पूरे कार्यक्रम की तैयारियों को खुद देख रहे हैं। हिंदू मुस्लिम एकता की नई इबारत लिखने के लिए शक्रवार को जीएल शर्मा ने गुरुग्राम के दर्जनों मौलानाओं के साथ एक बैठक की। यह बैठक गुरुग्राम के सभी मौलानाओं की पहल के बाद ही की गई। उन्होंने कहा कि 11 दिसंबर को करनाल में होने जा रहे परशुराम महाकुंभ में गुरुग्राम, मेवात ही नहीं बल्कि प्रदेश के सैंकड़ों मौलाना हिस्सा लेंगे और प्रदेश में हिंदू मुस्लिम एकता की एक नई मिसाल पेश करेंगे।

भारत जोड़ो यात्रा के स्वागत को लेकर गुरुग्राम में बैठक कल

गुरुग्राम। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का हरियाणा प्रदेश में स्वागत के लिए राज्यसभा सांसद दीपेन्द्र हुड्डा एवं हरियाणा कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष उदयभान की अध्यक्षता में 11 दिसंबर को शाम 3 बजे मोटेल मेलफोर्ट राजनगर मोड़ गुरुग्राम में स्थानीय नेताओं-कार्यकर्ताओं के साथ एक समन्वय मीटिंग रखी गई है। भारत जोड़ो यात्रा के गुरुग्राम कोऑर्डिनेटर व पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया ने बताया कि 11 दिसंबर को भारत जोड़ो यात्रा के मार्ग, विश्राम, भोजन आदि से जुड़ी तमाम व्यवस्थाओं की राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उदयभान व पार्टी के अन्य स्थानीय नेताओं-कार्यकर्ताओं के साथ इसकी चर्चा की जाएगी। पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया ने कहा की इस यात्रा के स्वागत के लिये गुरुग्राम सहित प्रदेशभर में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है। इस यात्रा के प्रति प्रदेश में भारी उत्साह है। सुखबीर कटारिया ने कहा, इस यात्रा के तैयारी को लेकर बताया की राहुल गांधी के नेतृत्व में 21 दिसंबर को हरियाणा आ रही भारत जोड़ो यात्रा का जोरदार, ऐतिहासिक व भव्य स्वागत होगा।

बरसाती पुलिया : जल्द होगा जलभराव का समाधान

सोहना। शहर के शहीद भगत सिंह फव्वारा चौक पर बनी बरसाती पुलिया पानी निकासी के स्थाई समाधान को लेकर परिषद के एक्सइएन ने टीम के साथ मौका मुआयना किया। इस अवसर पर मौजूद दुकानदारों को परिषद अधिकारी ने जल्द ही समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया है। नगर के शहीद भगत सिंह फव्वारा चौक पर बरसाती पुलिया पर जमा होने वाले पानी से परेशान शहर के दुकानदारों ने नगर परिषद को लिखित में शिकायत दी। शिकायत के आधार पर परिषद के एक्सइएन विक्की सिंह ने अपनी टीम में शामिल जेई दिगम्बर सिंह के साथ बरसाती पुलिया का मौका मुआयना करने के लिए पहुंचे। जिन्होंने ने यहा मौजूद दुकानदार सुंदर पाल सिंगला, रमन लाल, रोहतास सिंगला, मास्टर कृष्णचंद, प्रवीण कुमार बॉबी, अमित गर्ग आदि ने परिषद अधिकारियों को बरसात के दौरान जलभराव से होने वाले आर्थिक संकट की समस्या को बताया। दुकानदारों ने बताया कि पुरानी सब्जी मंडी जाने वाले मार्ग के दोनों तरफ बैठें करीब 25 दुकानदारों को हर वर्ष बरसाती पुलिया पर जलभराव होने से लाखों रुपये का नुकसान होता है। यह समस्या उक्त पुलिया पर पिछले करीब 30 वर्ष से बनी हुई है।

गुरुग्राम में दिखेगी लद्दाखी, तिब्बती, भूटानी व हिमाचली संस्कृति की झलक

बौद्ध धर्मगुरू दलाई लामा को नोबल शांति पुरस्कार मिलने की 33वीं वर्षगांठ मनेगी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

बौद्ध धर्मगुरू दलाई लामा को नोबल शांति पुरस्कार मिलने की 33वीं वर्षगांठ और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष्य में 10 दिसंबर 2022 को भारत तिब्बत सहयोग मंच द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला एवं उनकी धर्मपत्नी सुनीता सिंगला शिरकत करेंगे। भारत-तिब्बत सहयोग मंच के मंत्री प्रमोद गोयल मुख्य वक्ता होंगे।

उन्हें निमंत्रण देने के लिए भारत तिब्बत सहयोग मंच के प्रांत अध्यक्ष अमित गोयल, पेमाकोई बुद्धिस्ट मार्केट सेक्टर-52 के अध्यक्ष सोनम ज्ञालत्सेन, कोर्डिनेटर पेमा डोलमा, कार्यालय सचिव तेनजिन यूडोन और निशान्त अहलावत उनके निवास पर पहुंचे। उनको सम्मान और शुद्धि का प्रतीक तिब्बतन खादा पहनाकर सम्मान भी किया। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस कार्यक्रम में क्षेत्र के पार्षद, गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया जा रहा है। वहां लद्दाख स्टूडेंट यूनियन और नॉर्थ-ईस्ट स्टूडेंट यूनियन के सदस्यों की ओर से लद्दाखी, तिब्बती, भूटानी और हिमाचली लोक नृत्य को प्रस्तुत किया जाएगा।

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला को कार्यक्रम के लिए निमंत्रण देते सदस्य।

एडीशनल म्यूनिसिपल कमिश्नर ने कर्मचारियों को दिलाई सड़क सुरक्षा की शपथ

सड़क पर वाहन चलाने से पहले सुरक्षा संबंधी सभी बातों का रखेंगे ध्यान

प्रवीन शर्मा। गुरुग्राम

नगर निगम गुरुग्राम के एडीशनल म्यूनिसिपल कमिशनर रोहताश बिश्नोई ने शुक्रवार को नगर निगम कार्यालय के सभागार में कर्मचारियों को एकत्रित करके उन्हें सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई।

सभी ने शपथ ली कि वे सड़क पर वाहन चलाने से पहले सभी सुरक्षा संबंधी बातों का ध्यान रखेंगे। यातायात नियमों का हमेशा स्वयं और अपने परिजनों से पालन करवाएंगे। दो पहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट तथा कार चलाते समय हमेशा सीट बेल्ट लगाएंगे। कभी भी शराब पीकर गाड़ी नई चलाएंगे तथा वाहन चलाने के दौरान मोबाइल फोन पर बात नहीं करेंगे। हमेशा एंबुलेंस और फायर बिग्रेड को पहले जाने के लिए रास्ता देंगे तथा सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इस मौके पर बिश्नोई ने कहा कि सड़क पर चलते समय सुरक्षा संबंधी बातों का ध्यान रखना अति आवश्यक है। इससे हम अपने साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा भी करेंगे तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में अपना योगदान देंगे।

गुरुग्राम नगर निगम में कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाते एडीशनल म्यूनिसिपल कमिश्नर।

गाड़ी चालक ने बैरीगेट में टक्कर मारी, हवलदार समेत होमगार्ड घायल

सोहना। रात्रि गश्त के दौरान गाड़ी व बाइक सवार आधा दर्जन युवकों ने पुलिस कर्मियों के साथ हाथापाई व गाली-गलौज करने के बाद अपने वाहन में सवार हो बैरीगेट में टक्कर मारते हुए भाग गए। बैरीगेट गिरने के दौरान हवलदार व होमगार्ड चोट लगने से घायल हो गए। घायल कर्मियों को नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया।

गुरुवार की रात को शहर थाना पुलिस की टीम अंबेडकर बाईपास चौक पर रात्रि गश्त के दौरान बैरीगेट लगा वाहनों की जांच कर रही थी। जांच के दौरान रात करीब सवा 11 बजे गुरुग्राम की तरफ से तेज रफ्तार से आ रही गाड़ी को नाके पर तैनात एएसआई नरेश कुमार ने बैट्री की लाइट जलाते हुए चालक को रुकने का इशारा किया, लेकिन तेज रफ्तार होने के कारण गाड़ी बैरीगेट के नजदीक आकर रुकी। चालक से उसका डीएल और गाड़ी के कागजात मांगे। एएसआई नरेश ने बताया कि गाड़ी में चालक समेत दो लोग आगे थे तथा पीछे चार विदेशी महिलाएं बैठी हुई थी।

पुराने वकील साथियों के बीच कोर्ट में पहुंचे विधायक सुधीर सिंगला

सभी वकीलों ने विधायक सुधीर सिंगला का किया स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला शुक्रवार को अपने पुराने वकील साथियों के बीच कोर्ट परिसर में पहुंचे। वहां उन्होंने सभी के साथ आत्मीयता से मुलाकात की। सभी की कुशलक्षेम पूछा। विधायक सुधीर सिंगला ने हरियाणा भाजपा लीगल सेल में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर कविता चौहान को बधाई दी। उज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि सभी वकीलों का यह कर्तव्य है कि वे जनता को सही और त्वरित न्याय दिलाएं। हमारी अदालतों में काफी संख्या में केस लंबित हैं। उन्हें जल्द से जल्द निपटाने के लिए सभी वकील साथियों का प्रयास होना चाहिए। जब भी लोक अदालतें लगती हैं, उनमें भी केसों का अधिक से अधिक निपटारा हो। हम अपनी न्याय प्रणाली में गति लाएंगे, तभी न्याय जल्दी मिलेगा। विधायक सुधीर सिंगला ने इस बात पर भी खुशी जताई कि वकील सदा एकजुट होकर रहते हैं। आगामी बार एसोसिएशन के चुनाव में उम्मीदवार बनें वकीलों को उन्होंने भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। साथ ही कहा कि यह एक पारिवारिक चुनाव होता है। इसमें कोई भी वकील साथी एक-दूसरे से किसी तरह की रंजिश ना रखकर आपसी भाइचारे से चुनाव लड़े। हमारी बार एसोसिएशन का यह रिकॉर्ड है कि यहां चुनाव लड़कर, चुनाव जीतकर सभी साथी एक मंच पर नजर आते हैं। ऐसा ही होना चाहिए। एक शिक्षित वर्ग होने के नाते एकता, भाईचारा दिखाना हमारा कर्तव्य भी है। उन्होंने पुरानी जिला अदालत के सामने निर्माणाधीन नई इमारत का जिक्र करते हुए कहा कि इसका काम तेज गति से किया जा रहा है। इसी साल यह इमारत गुरुग्राम अदालत को मिलने की संभावना है। इसके बाद अदालती कार्यों में भी तेजी आएगी।

गुरुग्राम जिला अदालत में विधायक सुधीर सिंगला का स्वागत करते वकील।

इलेक्ट्रिकल व्हीकल एवं एडवांस टेक्नोलॉजी पर हुआ विक्रेता विकास कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारत सरकार (सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय) के एमएसएमई-विकास कार्यालय करनाल द्वारा यहां सेक्टर-44 स्थित अपैरल हाउस में दो दिवसीय इलेक्ट्रिकल व्हीकल एवं एडवांस टेक्नोलॉजी पर विक्रेता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के समान अवसर पर इसकी अध्यक्षता एमएसएमई-विकास कार्यालय करनाल के निदेशक संजीव चावला ने की।

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इकाइयों को इलेक्ट्रिक व्हीकल (दो पहिया, तीन पहिया और चार पहिया वाहनों) के निर्माताओं के लिए विक्रेता विकसित करना है। कार्यक्रम में अतिरिक्त उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कम्पनियों द्वारा लगाई गई स्टॉल पर जाकर कम्पनियों से आये सभी प्रतिनिधियों का उत्साहवर्धन किया। अशोक कोहली, प्रेसिडेंट, चेम्बर आफ इंडस्ट्रीज उद्योग विहार गुरुग्राम ने कार्यक्रम में आये हुए अतिथियों का स्वागत किया।

इस कार्यक्रम में इलेक्ट्रिकल व्हीकल एवं एडवांस टेक्नोलॉजी पर आधारित अलग अलग तरह के सेशन के दौरान विपुल तायल डीजीएम और राकेश अग्रवाल एसोसिएट वाईस प्रेसिडेंट मैसर्ज जेबीएम ऑटो लिमिटेड ने ई-बस के लिए तथा जेनेंदर आनन्द सीओओ एलएलएल इमोशन प्राइवेट लिमिटेड ने दो पहिया वाहन के लिए वेंडर रजिस्ट्रेशन प्रोसीजर तथा प्रोडक्ट रिक्वायरमेंट के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया।

कार्यक्रम के दौरान तोष अग्रवाल स्टेट हेड ईईएसएल-सीईएसएल ने इलेक्ट्रिकल व्हीकल के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और एमएसएमई के लिए विभिन्न अवसरों, संजीव मुयाल उप-महाप्रबंधक आईओसीएल ने ईवी चार्जिंग इफ्रास्ट्रक्चर एवं ग्रीन एनर्जी इनीशिएटिव्स और अमन चौधरी सीनियर डीजीएम बीईएल पंचकूला ने ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और डिफेंस के लिए इंडीजीनस मैन्युफैक्चरिंग के बारे में प्रतिभागियों से चर्चा की।

भारत में डायरेक्ट सेलिंग इंडस्ट्री लगातार बढ़ रही है- आईडीएसए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय डायरेक्ट सेलिंग इंडस्ट्री तेजी से बढ़ते हुए नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। पिछले वर्ष की तुलना में यह इंडस्ट्री 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है। इंडियन डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशन (आईडीएसए) भारत में डायरेक्ट सेलिंग कंपनियों की एक एसोसिएशन है और क्षेत्र में नए बदलाव और बेहतर विकास के लिए यह योगदान दे रही है कोविड 19 के बाद भी पिछले चार वर्षों में भारतीय इंडस्ट्री 15.7त्न की सीएजीआर से बढ़ा है और इसके और भी तेजी से बढ़ने की संभावना है ।

दुनियाभर में डायरेक्ट सेलिंग बिजनेस .180.5 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक होने का अनुमान है। दुनिया भर में डायरेक्ट सेलिंग इंडस्ट्री का प्रतिनिधित्व करने वाला एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। वाशिंगटन डीसी में स्थित डब्ल्यूएफडीएसए की स्थापना 1978 में हुई थी और यह डायरेक्ट सेलिंग इंडस्ट्री के लिए वैश्विक व्यापार संगठन है। आईडीएसए वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशन (डब्ल्यूएफडीएसए) का एक हिस्सा है। डायरेक्ट सेलिंग इंडस्ट्री में नैतिक मूल्यों के साथ ग्राहकों के हितों को ध्यान रखने के लिए प्रतिबद्ध कोड उसके आधार स्तंभ की तरह है। आईडीएसए सदस्यों को सख्त नियमों के साथ डब्ल्यूएफडीएसए आचार संहिता का पालन करना होता है। समय के साथ नियमित रूप से कोड में नए बदलाव किए जाते है। किसी भी सदस्य या आईडीएसए दोनों के पास आचार संहिता के उल्लंघन पर उचित कार्रवाई करने का एक बेहतर सिस्टम बना हुआ है। डायरेक्ट सेलिंग में सीधे दूसरे स्थानों से भी आप ग्राहकों को अपनी सर्विसेस और प्रोडक्ट की मार्केटिंग कर सकते है। आईडीएसए के सदस्यों में 4लाइफ, अल्टोस, एमवे, एवन, ब्लूलाइफ, डीएक्सएन, एनाजिक, ग्लेज, हर्बालाइफ, आईएमसी, ज्यूनेस, के-लिंक, मोदीकेयर, ओरिफ्लेम, पीएम इंटरनेशनल, तियांशी, टपरवेयर और यूनिटी जैसी कंपनियां शामिल हैं। सदस्यों में भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों कंपनियाँ शामिल हैं। भारत में स्वरोजगार के लिए डायरेक्ट सेलिंग सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है। भारत में 80 लाख से अधिक डायरेक्ट सेलर है जिसमें लगभग 50 प्रतिशत महिलाएं शामिल है। आईडीएसए सदस्यों के पास कई कौशल विकास से जुड़े कई कार्यक्रम भी है। आईडीएसए विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से डायरेक्ट सेलर के कौशल विकास और व्यक्तिगत विकास में भी योगदान देता है। आईडीएसए के अध्यक्ष रजत बनर्जी ने कहा कि भारत में डायरेक्ट सेलिंग क्षेत्र विकास की दहलीज पर है। इसने लगभग 80 लाख भारतीयों के लिए स्थायी स्वरोजगार और माइक्रो एंटरप्रिन्योरशिप के मौके दिए है। पिछले चार वित्तीय वर्षों की अवधि में 15.7 प्रतिशत की सीएजीआर के साथ निरंतर विकास किया है।

अध्यक्ष रजत बनर्जी: रजत बनर्जी इंडियन डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशन के वर्तमान अध्यक्ष हैं। वह दो दशकों से अधिक समय से डायरेक्ट सेलिंग इंडस्ट्री का एक अभिन्न हिस्सा रहे हैं। वर्तमान में आईडीएसए की विचार-प्रक्रिया, केंद्र और राज्य सरकारों के साथ बैठकों, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा, मीडिया इंटरैक्शन और सीएसआर आउटरीच का हिस्सा रहे हैं। वह अप्रैल 2000 से एमवे के साथ सीएसआर, कॉर्पोरेट मामलों और कॉर्पोरेट संचार सहित विभिन्न भूमिकाओं में हैं।

द राइजिंग पंजाबी टैलेंट: कबीर ने रिलीज किया डेब्यू एल्बम

पायनियर समाचार सेवा। गुरूग्राम

व्हाट्स गोइंग ऑन और चक मेरा दिल जैसे सिंगल रिलीज करने के बाद, पंजाबी पॉप के नए दौर के टैलेंट-कबीर ने फर्स्ट ड्राफ्ट टाइटल से अपना डेब्यू एल्बम/ईपी रिलीज किया, जो एक लड़की की खूबसूरती की तारीफ करने और उससे प्यार करने को लेकर है। सोनी म्यूजिक के सहयोग से तैयार फर्स्ट ड्राफ्ट में 5 गाने फायरफ्लाइज, फेड, सुरमा, ट्रेलब्लेजर और स्ट्रॉबेरी शामिल हैं। कबीर की वर्सेटाइल आवाज और कंपोजिशन के साथ-साथ अर्शसरपाल व मीर द्वारा रचित पंजाबी गीतों के साथ स्निपर का मॉडर्न प्रॉडक्शन आपके पार्टनर के दिल को पिघलाने के लिए फर्स्ट ड्राफ्ट को आपकी रोमांटिक प्लेलिस्ट का एक आइडियल हिस्सा बनाता है। जुगनुओं (फायरफ्लाइज) की तरह चमकती उसकी आंखें हों, उसके सलवार सूट का फेड कलर का दुपट्टा हो, या वह सुरमा जो वह अपनी आंखों में लगाती है, यह सब एक साथ देखने, सराहने और प्यार करने के लिए है जो कबीर की ताजा आवाज के जरिए सुंदरता को निखरती है।

फायरफ्लाइज: दिलकश हुक लाइन के साथ एक ग्रूवी आर एंड बी जैम

ईपी पर पहले सॉन्ग में कबीर एक लड़की के कमल जैसे चेहरे की तारीफ करते हैं और उसकी खूबसूरत आंखों की तुलना चमकदार जुगनूओं से करते हैं। इसकी ग्रोइंग बीट इसे लेट-नाइट ड्राइव या डिनर डेट के लिए एक आइडियल सॉन्ग बनाती है।

फेड : सॉफ्ट मेलोडी के साथ एक लव सॉन्ग

ईपी के दूसरे ट्रैक में, लड़की के सलवार सूट और उसके फीके रंग के दुपट्टे को बेहद सुंदर डिटेलिंग के साथ बयां किया गया है। यह गाना अपने सिंपल पंजाबी बोल और कमाल के गायन के लिए स्पेशल है।

सुरमा : उसकी आंखों से जो सुंदरता झलकती है वह पूरे गाने में बयां की गई : इस प्लेलिस्ट के तीसरे ट्रैक में सुरमा (कोहल) का वर्णन किया गया है जिसे एक लड़की अपनी आंखों में लगाती है जो उसके आकर्षण को खूबसूरती से बढ़ाता है। एल्बम में काम करने के अपने के बारे में बात करते हुए, कबीर कहते हैं, संगीत हमेशा से मेरा पहला प्यार रहा है और हमेशा रहेगा। म्यूजिक तैयार करना मेरे जीवन जीने का तरीका है और सोनी म्यूजिक के साथ मेरा पहला ईपी/एल्बम-फर्स्ट ड्राफ्ट रिलीज करना, मुझे मेरे सपने के एक कदम और करीब ले जा रहा है।

पार्क+water warriorsofGurugram अभियान ने आवासीय सोसायटीज को 35 लाख लीटर पानी की बचत करने में समर्थ बनाया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कार मालिकों के लिए एक सुपर ऐप, पार्क ने आज गुरुग्राम की 11 सोसायटीज को water warrior स्टेटस हासिल करने के लिए सम्मानित किया, जिन्होंने संचयी रूप से 35 लाख लीटर से ज्यादा पानी की बचत की। वाटर वॉरियर्स ऑफ गुरुग्राम अभियान का लॉन्च पार्कने सन 2022 की शुरुआत में किया था ताकि गुरुग्राम की आवासीय सोसायटीज को अत्याधुनिक कार क्लीनिंग टेक्नॉलॉजी उपलब्ध हो सके।

इसकी मदद से कार क्लीनर 1.5 लीटर से भी कम पानी में एक कार साफ करने में समर्थ बने, जबकि इससे पहले इसमें 14 लीटर से ज्यादा पानी लगा करता था। इस अभियान के बारे में अमित लखोटिया, फाउंडर एवं सीईओ, पार्क ने कहा, ''एक सामाजिक रूप से जागरुक ब्रांड के रूप में हम सर्दव कार के स्वामित्व से संबंधित समस्याओं को पहचानने और उनका समाधान करने के लिए प्रयासरत रहते हैं। हमारा अभियान waterwarriorsof gurugram इसी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है, जिसके अंतर्गत हमने अपनी अत्याधुनिक कार क्लीनिंग टेक्नॉलॉजी प्रदान करने के लिए गुरुग्राम की आवासीय सोसायटीज के साथ साझेदारी की, ताकि पानी के उपयोग में 93 प्रतिशत तक की कमी लाई जा सके। इसके अलावा गुरुग्राम की आवासीय सोसायटीज के साथ हमारे मजबूत संबंध से हमें जल के संरक्षण से संबंधित जागरुकता बढ़ाने में मदद मिली और ये सोसायटीज साल 2022 में 35 लाख लीटर से ज्यादा पानी बचाने में समर्थ बनीं। हमें इस बात पर बहुत गर्व है कि हम गुरुग्राम में पानी बचाने में अपना योगदान देने में सफल हुए।'' waterwarriorsof gurugram के रूप में सम्मानित होने वाली गुरुग्राम की आवासीय सोसायटीज हैं-मालिबु टाउन, वूडस्टॉक निर्वाणा, एमार पाम ड्राईव, ऑर्किड आईलैंड, ऑर्किड पेटल्स, टुडे ब्लॉसम्स 2, वाटिका सिटी, और गार्डन विलाज।

पार्क के बारे में 2019 में अमित लखोटिया द्वारा स्थापित पार्क कार मालिकों के लिए एक सुपर ऐप है, जो कार मालिकों की दैनिक समस्याओं का समाधान करता है। इनमें पार्किंग, फास्टैग मैनेजमेंट, कार इंश्योरेंस, ऑटोमेटेड वैहिकल एक्सेस कट्रोल सिस्टम्स और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन शामिल हैं। सेक्वा कैपिटल और मैट्रिक्स पार्टनर्स की मदद से पार्क ने आज अपने प्लेटफॉर्म पर कार मालिकों का भारत का सबसे बड़ा समुदाय बना लिया है। पार्क दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, और बैंगलोर में 2500 से ज्यादा आवासीय सोसायटीज, 100,000 से ज्यादा पार्किंग क्षेत्रों, 250 से ज्यादा ऑफिसों, और 35 से ज्यादा मॉल्स में मौजूद है। ज्यादा जानकारी के लिए https//parkplus.io पर विजिट करें।

पायनियर
हरियाणा, शनिवार, 10 दिसंबर, 2022

30 लाख रुपये की 245 ग्राम हेरोइन समेत पांच आरोपी गिरफ्तार किए

हरियाणा, पंजाब, दिल्ली समेत कई राज्यों में हेरोइन बेचता था गिरोह

दो विदेशी नाईजीरियन सहित कुल पांच आरोपी हेरोइन बेचने में रहे हैं संलिप्त

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

नूंह पुलिस ने हेरोइन की बड़ी खेप पकड़ी है। हेरोइन की मार्केट वैल्यू 30 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस अब इस पूरे गिरोह का नेटवर्क खंगालने में जुट गई है। नशा तस्करों पर नूंह पुलिस नकेल कसने की पूरी तैयारी कर रही है।

पुलिस अधीक्षक नूंह वरुण सिंगला ने प्रेसवार्ता कर बताया कि गत 07 दिसंबर को स्वयं पुलिस अधीक्षक नूंह के नेतृत्व में ऑपरेशन आक्रमण के तहत सदर तावडू पुलिस ने डिढारा गांव के पास तौफिक पुत्र बसीर निवासी डिढारा को 15 ग्राम हेरोईन व 22 हजार रुपये तथा 01 कार सहित गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने गत 07 दिसंबर को संबंधित धाराओं के तहत अरसद पुत्र मुबीन निवासी मकान नंबर 543 सुभाष कालोनी बल्लभगढ़ व मुमताज उर्फ सिंगम पुत्र उमरद्दीन निवासी रेहना हाल पल्ला को 60 ग्राम हेरोईन के साथ गिरफ्तार किया।

जिस संबंध में अलग मुकदमा गत 07 दिसंबर को धारा एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज किया गया। आरोपी अरसद व मुमताज को अदालत से दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया।

जिस संबंध में आगे जांच एन्टी नारकोटिक्स सैल इंचार्ज निरीक्षक सुरेन्द्र सिद्धू के नेतृत्व में सौंपी गई। जो आज रात को एन्टी नारकोटिक्स सैल की टीम व सदर नूंह पुलिस की टीम के पीएसआई संजीत ने नाईजीरियन चिनासा को तावडू क्षेत्र से गिरफ्तार किया व 170 ग्राम हेरोईन बरामद की गई व दूसरे आरोपी जोनबक्सों को दिल्ली उत्तम नगर से गिरफ्तार किया गया और जो पूछताछ में दोनों ने करोड़ों रुपये की हेरोईन को देश के हरियाणा, पंजाब, यूपी, दिल्ली व अन्य राज्यों में बेचने का खुलासा किया। जो आज दोनों को अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड पर लेने की तैयारी की जा रही है।

नाईजीरिया के दोनों आरोपी लगे थे तस्करी में

एसपी नूंह ने बताया कि यह गिरोह काफी लम्बे समय से सक्रिय था। नाइजीरिया के रहने वाले दोनों आरोपी हेरोइन तस्करी में काफी समय से लगे हुए हैं। रिमांड के दौरान हेरोइन सप्लाई करने वाले गिरोह से काफी राज नूंह पुलिस उगलवा सकती है।

अवैध कट्टा व कारतूस समेत एक आरोपी गिरफ्तार

एसआई बालवीर ने कहा, मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई जारी

पायनियर समाचार सेवा। फिरोजपुर झिरका

पुलिस ने एक आरोपी को अवैध देसी कट्टा व जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उपरोक्त आरोपी से एक देसी कट्टा व जिंदा कारतूस बरामद कर अपने कब्जे में ले लिया। आरोपी के खिलाफ हथियार अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

वही जांच अधिकारी एसआई बालवीर ने जानकारी देते हुए बताया कि मुखबिर द्वारा सूचना मिली की एक आरोपी अवैध देशी कट्टा व जिंदा कारतूस को लेकर किसी वारदात को अंजाम देने के लिए बस स्टैंड पर कहीं जाने की फिराक में खड़ा है। अगर आरोपी को मौके से गिरफ्तार किया जाए तो आरोपी सहित देसी कट्टा व जिंदा कारतूस बरामद किया जा सकता है।

क्राइम सेल फिरोजपुर झिरका की टीम ने मुखबिर की सूचना को ध्यान में रखते हुए पुलिस की एक टीम गठित कर बस स्टैंड अंबेडकर सर्कल के यहां नाकाबंदी कर दी। जैसे ही पुलिस नाकाबंदी करने के बाद अंबेडकर चौक पर पहुंची तो आरोपी पुलिस टीम को देख बस प्वॉइंट की तरफ तेज गति से भागने लगा, लेकिन पुलिस ने आरोपी को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया।

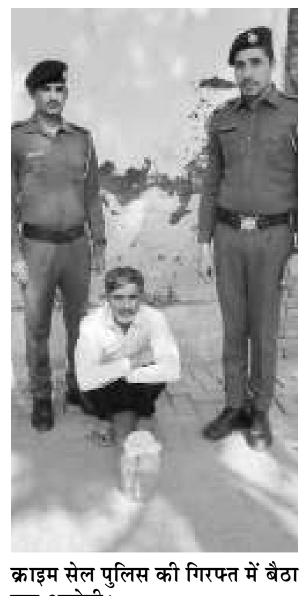

क्राइम सेल पुलिस की गिरफ्त में बैठा एक आरोपी।

आरोपी से पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना नाम असगर पुत्र रुजदार निवासी अगोंन बतलाया। वहीं जांच अधिकारी एसआई बलवीर का कहना है कि आरोपी से एक देसी कट्टा व जिंदा कारतूस को बरामद कर अपने कब्जे में ले लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत नूंह जेल भेज दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

जोनल यूथ फेस्ट में यासीन कॉलेज को मिला स्वर्ण पदक

नूंह। गुड़गांव विश्वविद्यालय द्वारा 2 से 4 दिसंबर तक तृतीय जोनल यूथ फेस्टिवल-2022 का आयोजन निरंकारी बाबा गुरुबचन सिंह मेमोरियल कॉलेज सोहना में आयोजित किया गया। जिसमें यासीन मेव डिग्री कॉलेज नूंह की छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताएं गजल, देशभक्ति गीत, वाद-विवाद प्रतियोगिता, रंगोली, संस्कृत श्लोक उच्चारण, सोलो डांस आदि लगभग 12 प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इसमें एमए द्वितीय वर्ष की छात्रा शबनम ने वाद-विवाद प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इस उपलब्धि के अवसर पर यासीन मेव डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ मोहम्मद इम्तियाज खान द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया तथा स्वर्ण पदक प्राप्त छात्रा शबनम (एमए द्वितीय वर्ष) को प्राचार्य डॉ मोहम्मद इम्तियाज खान एवं यूथ वेलफेयर कमेटी के संयोजक डॉ मोहम्मद उमर द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी शिक्षकगण एवं सभी प्रतिभागी छात्र-छात्रा भी उपस्थित रहे।

बांड पॉलिसी : 39 दिन से धरना दे रहे एमबीबीएस छात्र

मेवात। राजकीय शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज नल्हड में बांड पॉलिसी के विरोध में एमबीबीएस छात्र पिछले 39 दिन से लगातार धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। कुछ दिन तो छात्रों ने भूख हड़ताल भी की। इस दौरान एमबीबीएस छात्रों के प्रतिनिधिमंडल की अधिकारियों व मुख्यमंत्री से भी मुलाकात हुई है, लेकिन उसके बावजूद भी एमबीबीएस छात्रों की सभी मांगों पर सहमति नहीं बन पाने के कारण धरना-प्रदर्शन लगातार जारी है। धरना-प्रदर्शन के चलते छात्रों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है, लेकिन एमबीबीएस छात्रों ने अब इस लड़ाई को आर पार की लड़ाई मान लिया है और साफ तौर पर कहा कि जब तक उनकी मांगों को सरकार लिखित में नहीं मानती तब तक धरना-प्रदर्शन चलता रहेगा। आपको बता दें कि गत 8 दिसंबर को ही एमबीबीएस वर्ष 2018-19 बैच के छात्रों ने अपना समर्थन धरना-प्रदर्शन से वापस ले लिया था और परीक्षाओं को देखते हुए वे धरना प्रदर्शन में शामिल नहीं हो रहे हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि जब भी उनके जूनियर साथियों को उनकी जरूरत पड़ेगी, वो उनके साथ खड़े हैं। इसके अलावा भी धरना-प्रदर्शन कर रहे एमबीबीएस छात्रों को जूनियर रेजिडेंट के अलावा उनके टीचर के साथ-साथ कई छात्र इकाइयों इत्यादि का समर्थन मिला था। लेकिन धरना-प्रदर्शन अब लंबा खींचता जा रहा है और फिलहाल इसका कोई हल निकलता हुआ इसलिए दिखाई नहीं पड़ रहा है कि सरकार की तरफ से अभी छात्र नेताओं को बातचीत के लिए फिलहाल नहीं बुलाया गया है। अब देखना यह है कि कब तक छात्रों की इस मांग का कोई हल निकल पाता है या फिर इस धरना-प्रदर्शन के चलते उनकी पढ़ाई पर इसका बुरा असर पड़ता है। छात्रों के मुताबिक सरकार कुछ नरम तो बातचीत के दौरान दिखी है, लेकिन सभी मांगों को मानने के लिए तैयार नहीं है।

खंड के सभी 35 सरपंचों को 14 तक सौंप देंगे बस्ता

सोहना। खंड की सभी 35 ग्राम पंचायतों के नवनियुक्त सरपंचों को 14 दिसम्बर तक कार्यभार सौंप दिया जाएगा। ग्राम पंचायतों में पिछले करीब डेढ़ साल से ठप विकास कार्य गति पकड़ने लगेंगे। जल्द ही ग्राम सभा की बैठकों का आयोजन होना और पंचायतों में विकास कार्यों को प्रशासनिक स्तर पर मंजूरी मिलने के आसार है। खंड विकास एंव पंचायत अधिकारी कार्यालय में जमा ग्राम पंचायतों के रिकार्ड के बस्ते जल्द ही नवनियुक्त खंड के सभी 35 सरपंचों को सौंप दिए जाएंगे। यह बस्ते 14 दिसम्बर तक प्रत्येक सरपंच को खंड कार्यालय में बुलाकर दिए जाने है। ग्राम पंचायतों को रिकार्ड का बस्ता सौंप देने के बाद ही विकास कार्य गति पकड़ने लगेंगे। करीब डेढ़ साल पहले ग्राम पंचायतों से जमा हुए रिकार्ड बस्तों को नवनियुक्त सरपंचों को सौंप दिए जाएंगे। ग्राम पंचायतों में चुनाव आयोग के निर्देशानुसार पहली बार 50 फीसदी महिला सरपंच बनी है। एक मात्र ग्राम पंचायत बाईखेड़ा में श्यामबीर लगातार दूसरी बार सरपंच बना है। अन्य सभी 34 ग्राम पंचायतों में नये सरपंचों को गांवों का विकास कार्य करने का अवसर मिला है। 14 दिसम्बर तक कार्यभार संभालने के बाद ग्राम पंचायतों में पंचायती जमीन के पट्टे छोड़ने से लेकर तालाबों में मछली पालन के प्रस्ताव पारित करने के बाद खुली बोली में ठेका छोड़ना। गांव की कच्ची गली व आम रास्तों को पक्का करना। गांवों में तालाबों में जल संरक्षण करना महत्वपूर्ण होगा। ग्राम पंचायतों में व्यायामशालाओं का निर्माण करना शामिल होगा। परमेन्द्रा सिंह बीडीपीओ सोहना ने कहा कि अरावली पहाड़ी के साथ-साथ लगती ग्राम पंचायतों में बरसात के मौसम में पहाड़ों से आने वाला बरसाती पानी को भूजल स्तर बढ़ाने के लिए बांध बनाना आदि प्रस्ताव जल्द ही पारित होने के आसार है। खंड के सभी ग्राम पंचायतों को 14 दिसम्बर तक रिकार्ड के बस्ते लेने के लिए पत्र लिख दिए गए हैं। ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों को जल्द से गति दी जाएगी।

भाजपा नेता जिला पार्षद पर मुकदमा दर्ज

मेवात। नूंह जिला के वार्ड नंबर-25 से भाजपा जिला पार्षद तोफीक हिंगनपुर के खिलाफ घर में घुसकर अवैध हथियार के बल पर दुष्कर्म के प्रयास का मामला पिनगवां थाने में दर्ज किया गया है। जिला पार्षद के खिलाफ दुष्कर्म के प्रयास का मामला दर्ज होने से इलाके में हड़कंप मच गया है। दरअसल इस मामले को जिला प्रमुख बनने से पहले इलाके में अलग-अलग नजर से देखा जा रहा है। वरुण सिंगला पुलिस कप्तान ने कहा कि भाजपा जिला पार्षद पर महिला ने आरोप लगाए थे। मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी भाजपा पार्षद की तलाश में नूंह पुलिस जुट गई है।

दरअसल पिनगवां थाने के एक गांव की महिला के पति की शिकायत पर गांव हिंगनपुर निवासी तौफीक पुत्र आस मोहम्मद के खिलाफ घर में घुसकर अवैध हथियार के बल पर दुष्कर्म का प्रयास करने, जान से मारने की धमकी देने सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि महिला के पति द्वारा पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि 6 दिसंबर को वह पिनगवां थाना क्षेत्र में अपने साले से मिलने अपनी पत्नी के साथ गया था। कुछ देर बाद वह अपने साले के साथ किसी काम से बाहर चला गया था। हिंगनपुर निवासी तौफीक जो उसके साले को अच्छी तरह जानते थे।

अपराधी सैद के घर पर चला पीला पंजा

अपराधी सूजा पर है पंचायत की जमीन पर नाजायज कब्जाने का आरोप

बुलडोजर ने अपराध जगत से जुड़े शैद के घर को चंद मिनटों में तब्दील किया

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

उत्तर प्रदेश की तर्ज पर अब हरियाणा में भी अपराध जगत से जुड़े लोगों के घरों पर बुलडोजर चलने लगा है। जिला नूंह में इससे पहले पांच आरोपियों के घर पर बुलडोजर चला था। शुक्रवार को नूंह थाना क्षेत्र अंतर्गत रायपुरी गांव में शेद पुत्र सुजा उर्फ सुजाउद्दीन के घर पर बुलडोजर चला। बुलडोजर ने अपराध जगत से जुड़े शैद के घर को मिट्टी के ढेर में चंद मिनट में तब्दील कर दिया। बुलडोजर कार्रवाई के दौरान पंचायत विभाग के अधिकारियों के साथ भारी सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार सैद पुत्र सुजा उर्फ सुजाउद्दीन पिछले करीब 11 सालों से अपराध की दुनिया में सक्रिय है। सैद ने अपराध जगत से जुड़कर मोटी कमाई की और पंचायत की जमीन पर नाजायज कब्जा का आरोप भी उस पर लग रहा है। पुलिस ने अपराध जगत से जुड़े सैद की कुंडली को टटोलना शुरू किया और उसके अपराध जगत से जुड़े आंकड़े देखे तो वह एक शातिर अपराधी निकला।

वरुण सिंगला एसपी नूंह ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि सैद पुत्र सूजा उर्फ सुजाउद्दीन निवासी रायपुर थाना सदर नूंह का रहने वाला है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2011 से अपराध की दुनिया में सक्रिय हुआ। उसने लूट, डकैती, हत्या का प्रयास सहित अन्य वारदातों को अंजाम दिया। उस पर अलग - अलग थानों में करीब 19 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस कप्तान वरुण सिंगला ने कहा कि आगे भी अपराध जगत से जुड़े लोगों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि या तो अपराध जगत से जुड़े लोग अपराध छोड़ दें वरना पुलिस की कार्रवाई इसी तरह चलती रहेगी।

आप के राष्ट्रीय पार्टी बनने पर मेवात में खुशी की लहर : एड. चंदेनी

नूंह। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय पार्टी बनने पर सभी कार्यकर्ताओं और देशवासियों को बधाई देते हुए मेवात जिले के पार्टी कार्यकर्ताओं ने कहा कि देश में अनेक राजनैतिक दल बने हैं लेकिन गिनी चुनी पार्टी ही राष्ट्रीय पार्टी बन पाई हैं। ये बात आम आदमी पार्टी मेवात के जिलाध्यक्ष जफरूदीन ने पार्टी के जिला कार्यालय पर प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए कही।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एडवोकेट फकरूदीन अली अहमद चंदेनी ने कहा कि आम आदमी पार्टी देशभर में बीजेपी और कांग्रेस का विकल्प बनकर उभरी है। भविष्य में काम की राजनीति के रूप में जनता द्वारा आम आदमी पार्टी को विकल्प के तौर पर देशभर में देखा जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की नीतियों में विश्वास करते हुवे देश के करोडो लोग उनको राष्ट्रीय नेता के रुप में पसंद कर रहे हैं। अब लोग देश में स्कूलों, अस्पतालों और मूलभूत सुविधाओं पर काम होता हुए देखना चाहते हैं। आम आदमी पार्टी सकारात्मक राजनीति करके यहां तक पहुंची हैं और आगे भी सकारात्मक व काम की राजनीति जनहित में करती रहेगी।

आम आदमी पार्टी ने 15 वर्ष से दिल्ली नगर निगम पर कब्जा कर बैठी भाजपा के कुशासन को उखाड़ कर ये सन्देश दिया है कि अहंकारी सत्ता को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनता अब काम की राजनीति में विश्वास व भरोसा रखती है। दिल्ली नगर निगम चुनाव से जनता समझ चुकी है कि अब देश में बीजेपी को हराने का काम सिर्फ आम आदमी पार्टी ही कर सकती है।

संविधान और लोकतंत्र बचाने को निकाल रहे भारत जोड़ो यात्रा : योगेन्द्र यादव

फिरोजपुर झिरका। स्वराज इंडिया पार्टी के संस्थापक योगेन्द्र यादव ने शुक्रवार को फिरोजपुर झिरका बार एसोसिएशन में पहुंचकर स्थानीय वकीलों से राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के लिए समर्थन मांगते हुए कहा कि यह यात्रा भारत के संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए निकाली जा रही है।

फिरोजपुर झिरका स्थानीय प्रशासनिक परिसर में अधिवक्ताओं तथा क्षेत्र के गणमान्य लोगों के साथ बैठक के उपरांत कहा कि संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है। उन्होंने कहा आज देश का संविधान ओर लोकतंत्र प्रणाली खतरे के दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा वर्तमान सरकार लोगों की आवाज को दबा रही है। यदि कोई बोलता है तो उसकी आंखों पर पट्टी बांध दी जाएगी या फिर उसे खरीद लिया जाएगा। उन्होंने कहा केन्द्र में जब से भाजपा की सरकार बनी है तभी से ही अमीर-गरीब का फासला बढ़ गया है। हिंदू मुस्लिम के नाम पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है । उन्होंने कहा यह सरकार देश की जनता को गुमराह कर रही है। जनता मंहगाई, रोजगार और भुखमरी की बात न करें, ऐसे में इस सरकार ने देश को गुमराह कर दिया है। उन्होंने बताया कि 21 दिसंबर को भारत जोड़ो यात्रा मेवात में प्रवेश करेगी। यात्रा के संबंध में मेवात में जनसमर्थन जुटाने के लिए लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है। इस मौके पर एडवोकेट रमजान चौधरी, एडवोकेट अय्यूब खान, एडवोकेट यूसुफ खान, अख्तर हुसैन एडवोकेट, मुसर्रत अली खान, सलामूदीन नोटकी, याकूब खान, साहून खान, मुबीन खान आदि लोग उपस्थित रहे।

हिमाचल: जनता ने जताई कांग्रेस की नीतियों में आस्था

कहा, जनता ने कांग्रेस के वादों पर विश्वास कर प्रचंड बहुमत पक्ष में दिया

बीजेपी सरकार के वादे पूरा नहीं करने के कारण कांग्रेस के ऊपर विश्वास जताया

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

हिमाचल में आए चुनावी नतीजों से कांग्रेस नेता पूरी तरह से गदगद हैं। हिमाचल चुनाव में दो विधानसभा सीटों पर आब्जर्वर के रूप में काम करने वाले सीएलपी उपनेता आफताब अहमद ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि हिमाचल की जनता ने, वहां के मतदाताओं ने, वहां की बीजेपी सरकार की विफलताओं और जो उनकी सरकार ने जनता से वादे किए थे। उनको पूरा नहीं करने के कारण कांग्रेस पार्टी के ऊपर विश्वास किया। कांग्रेस की नीतियों में आस्था जताई। उनके वादों पर विश्वास किया और कांग्रेस को प्रचंड बहुमत पक्ष में दिया। आफताब अहमद ने कहा कि बीजेपी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने, केंद्रीय मंत्रियों ने ताबड़तोड़ चुनाव प्रचार किया था। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर उसी राज्य से संबंध रखते हैं। 11 रैली प्रधानमंत्री ने की, पूरी ताकत झोंकी। उसके बावजूद भी हिमाचल की जनता ने कांग्रेस के पक्ष में मत देकर विश्वास जताया। उन्होंने हिमाचल की जनता को मुबारकबाद देते हुए कहा कि हम उनका शुक्रिया अदा करते हैं और हम यही उम्मीद करते हैं कि जो राजनीति में झूठ बोलकर या नॉन परफॉर्मेंस करके जो सरकार काम करेगी उसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। हिमाचल की जनता ने अपना जनमत देकर भाजपा को रास्ता दिखाया है। विधायक आफताब अहमद ने हॉर्स ट्रेडिंग के मामले पर कहा कि हमें अपने विधायकों पर पूरा भरोसा है। जनता ने 40 सीटें कांग्रेस को जीता दी। इसके बाद अब हमें बिल्कुल भी कोई डर नहीं है।

आफताब अहमद सीएलपी उपनेता विधायक हरियाणा।

उन्होंने कहा कि भाजपा जनादेश को खरीदने की कोशिश जरूर करती है। केंद्रीय एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करती है, लेकिन हिमाचल ने आईना दिखा दिया है। स्पष्ट बहुमत कांग्रेस पार्टी को दिया है। उन्होंने कहा कि आज ही विधायक दल की बैठक होगी और उसमें मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला कर लिया जाएगा। गुजरात चुनाव के बारे में उन्होंने कहा कि कांग्रेस को गुजरात में आंकलन करना पड़ेगा। क्या कमियां रह गई, मजबूत संगठन गुजरात में खड़ा किया जाएगा और पूरी मजबूती के साथ चुनाव में उतरा जाएगा।

सीएम स्वास्थ्य सर्वेक्षण योजना: जनता की रुचि नहीं

नागरिक अस्पताल में ई उपचार सुविधा को करीब 15 दिन पहले शुरू कर दिया

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सर्वेक्षण योजना का लाभ लेने में आम नागरिक रुचि नहीं ले रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से कर्मचारी आशा वर्कर्स के साथ घर-घर जाकर नागरिकों को योजना का लाभ लेने के लिए जागरुक कर रहे हैं।

नागरिक अस्पताल में ई उपचार सुविधा को करीब 15 दिन पहले शुरू कर दिया है। जिसके लिए 29 नवंबर से नागरिकों के स्वास्थ्य जांच का पंजीकरण किया जा रहा है। पंजीकरण के साथ-साथ नागरिकों के स्वास्थ्य की जांच की जा रही है लेकिन पंजीकरण कराने वाला नागरिक अपने स्वास्थ्य की जांच पूरी कराने से पहले ही लाइन से भाग रहे है। बीतें 11 दिन में 325 नागरिकों ने ई उपचार के तहत अपना पंजीकरण तो करा लिया, लेकिन 134 नागरिकों ने योजना के तहत अपने शरीर की सभी जांच पूरी कराई है। शेष नागरिक अस्पताल में जांच कराएं बिना अपने घरों को लौट गए।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सर्वेक्षण के तहत बनने वाले स्वास्थ्य कार्ड को दिखाते सोहना नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉ. दशरथ राव।

छह श्रेणी का होगा स्वास्थ्य कार्ड : मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सर्वेक्षण योजना का लाभ लेने वाले नागरिक को 8 पेज वाला कार्ड बनाया जा रहा है। जिसके 0 से 6 माह, 6 माह से 5 वर्ष, 5 वर्ष से 18, 18 से 40, 40 से 60 और 60 से अधिक उम्र वाले नागरिकों का स्वास्थ्य कार्ड बनाएं जा रहे हैं। सभी छह श्रेणी में बनने वाले कार्ड का रंग अलग-अलग है।

जागरुकता अभियान चला रहे : स्वास्थ्य विभाग ने मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सर्वेक्षण योजना का लाभ अधिक से अधिक लोग उठाएं। इसके लिए नागरिक अस्पताल का एक कर्मचारी आशा के साथ घर-घर जा रहे है। जहां पर 0 से 5 वर्ष की उम्र वाले बच्चों के स्वास्थ्य की जांच कर रहे है। साथ ही परिवार के आम लोगों को अपने स्वास्थ्य की जांच कराने के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचने की सलाह दे रहे हैं।

ऑनलाइन कॉल से भी कर रहे प्रचार : नागरिक अस्पताल से एक दिन में 50 से 60 नागरिकों को मोबाइल व फोन के माध्यम से स्वास्थ्य की जांच कराने की जानकारी दी जा रही है, लेकिन फोन पर दी जा रही जानकारी के बावजूद 8 से 10 नागरिक ही आपने स्वास्थ्य की जांच कराने आ रहे हैं। शेष अन्य नागरिक फोन को सुनने के बाद योजना पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

नई आयुष्मान सूची के आधार पर नागरिक अस्पताल सीमा क्षेत्र में करीब 8 हजार नागरिकों के स्वास्थ्य की जांच होनी है। लेकिन आम नागरिक अपने स्वास्थ्य की जांच कराने के लिए आगे नहीं आ रहे है।

पायनियर क्लासीफाइड

◆ नाम परिवर्तन ◆

I, Gulshan S/o Om Prakash R/o A 1199, Dabua Colony, NIT, Faridabad have changed my name to Gulshan Saini.

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, जिला- गौतमबुद्ध नगर - 201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक : नवीन उपाध्याय, स्थानीय संपादक : प्रवीण मोहंती। दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

एमसीडी नतीजे
केजरीवाल को मौका

दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम-एमसीडी में 'आप' को मौका मिल गया है। अब केजरीवाल के सामने बेहतर प्रदर्शन न कर पाने का कोई बहाना नहीं होगा। हालांकि, कोई राजनीतिक पार्टी चुनाव हारने पर खुश नहीं होती है, पर शायद दिल्ली नगर निगम-एमसीडी में 15 साल से चला आ रहा अपना नियंत्रण खोने के बावजूद कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहत की सांस ली होगी। इसका कारण सरल है। अनेक राजनीतिक विश्लेषकों को उम्मीद थी कि 'आप' को प्रचंड बहुमत मिलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और भाजपा आप की 134 सीटों के मुकाबले 104 सीटें पाने में सफल हुई। यदि हम पिछले 15 साल में तीनों नगर निगमों के कामकाज पर गौर करें तो यह उपलब्धि एक तरह से ठीक कही जा सकती है जिनकों चुनाव घोषणा के ठीक पहले आपस में मिला कर एक निगम बनाया गया था। उन पर अक्षमता और भ्रष्टाचार के आरोप थे जिसमें बरसात में जल भराव तथा कचरे के पहाड़ शामिल हैं। स्थानीय अधिकारी दयनीय रूप से विफल सिद्ध हुए थे। हालांकि, भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने अपने कठोर परिश्रम से बड़ी सीमा तक इस नकारात्मक छवि से मुक्ति पाने में सफलता पाई। उसके आक्रामक प्रचार अभियान में केन्द्रीय मंत्री व सर्वोच्च नेतृत्व शामिल था। यह कांग्रेस के प्रचार के एकदम उलट जिसे केवल 9 सीटें मिली हैं। देश की सबसे पुरानी पार्टी को भाजपा कार्यकर्ताओं से सबक सीखना चाहिए कि वे 'कभी हार नहीं मानने' के रास्ते पर चलते हैं और इसी कारण वे पार्टी के लिए एमसीडी में सम्मानजनक संख्या में सीटें पाने में सफल हुए हैं। भले ही राहुल गांधी की दूरगामी नीति की राजनीति में प्रासांगिकता हो, पर यह किसी प्रकार जमीनी कामकाज का स्थान नहीं ले सकती है। केवल अच्छे-अच्छे बयानों या ट्वीट से राजनीतिक लाभ नहीं मिलता है।

चुनाव परिणामों में 'आप' के लिए भी सबक है। उसका 'नरम हिंदुत्व' वोट जुटाने में विफल रहा है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में फरवरी, 2020 में सांप्रदायिक दंगे हुए थे, पर भाजपा यहां के 41 वार्डों में से 21 पर विजय पाने में सफल हुई है। याद किया जा सकता है कि आमतौर से भाजपा की आलोचना करने वाली 'आप' उस समय खामोश थी। इससे 'आप' के वाम-उदारवादी समर्थकों का दिल टूट गया। भले ही कोई खास लाभ न मिला हो, पर आप हमेशा स्वयं को 'हिंदू पार्टी' के रूप में पेश करती है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 'हनुमान भक्त' हो गए हैं तथा उन्होंने व उनके उप-मुख्यमंत्री ने अपनी दीपावली पूजा का टीवी प्रसारण कराया। केजरीवाल ने समान नागरिक संहिता का समर्थन किया है तथा करेंसी नोटों पर भगवान गणेश व देवी लक्ष्मी के चित्र छापने का सुझाव दिया है। लेकिन आप को धार्मिक ध्रुवीकरण के प्रयास से कोई राजनीतिक लाभ नहीं मिला। हालांकि, आप नेताओं व एक्टिविस्टों के कठोर परिश्रम ने उसे लाभ पहुंचाया। भाजपा ने आप को बदनाम करने तथा नीचा दिखाने की अनेक रणनीतियां अपनाईं जिनमें सत्येन्द्र जैन की वीडियो क्लिपिंग का प्रयोग भी शामिल है। उसने मनीष सिसोदिया पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, लेकिन इन सबके बावजूद केजरीवाल की पार्टी एमसीडी में स्पष्ट बहुमत पाने में सफल हुई। अब राज्य सरकार व एमसीडी, दोनों 'आप' के पास हैं, ऐसे में उसे ठीक प्रदर्शन न करने का कोई बहाना नहीं होगा। लेकिन केजरीवाल एक खोजी व्यक्ति हैं। वे हमेशा उप-राज्यपाल पर आरोप लगा सकते हैं कि वे आप को राजधानी की जनता के लिए अच्छा काम नहीं करने दे रहे हैं। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि अब 'आप' अपनी जिम्मेदारी टालने के बजाय बेहतर प्रदर्शन पर ध्यान देगी।

गंभीर चुनाव सुधार जरूरी

जटिल चुनावी समस्याओं पर गौर न करने तथा उनके समाधान की अक्षमता का नतीजा मामूली परिवर्तन हो सकते हैं, जबकि गंभीर चुनाव सुधार जरूरी हैं।

संग्राम मिश्र
(लेखक, वरिष्ठ आईएएस हैं।)

चुनाव प्रक्रिया को प्रदूषित करने में सर्वाधिक प्रमुख व महत्वपूर्ण मुद्दा 'धन शक्ति' का दुरुपयोग है। यह दुरुपयोग अनेक अन्य आयामों से जुड़ जाता है जिसमें आसानी से प्रभावित हो सकने वाले लोगों को परोक्ष रूप से प्रभावित कर मतदाताओं को ललचाने व बूथ कैप्चरिंग जैसी गतिविधियों के लिए उकसाया जा सकता है। अनेक मामलों में चुनाव-पश्चात हिंसा ऐसी ही घटनाओं में शामिल है जिनको प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से धन शक्ति द्वारा प्रभावित किया जाता है। राजनीति का अपराधीकरण या उम्मीदवारों की आपराधिकता लोकतंत्र के लिए भयानक खतरा है। दबाव तथा बल प्रयोग से चुनाव परिणाम ऐसे अवांछित लोगों की विजय के रूप में सामने आ सकते हैं जो पूरी प्रक्रिया का मजाक उड़ाते लगते हैं।

यदि किसी व्यवस्था में ऐसी अवांछित गतिविधियां शामिल हो जाएं तो देर-सवेर प्रक्रिया का प्रदूषित होना टाला नहीं जा सकता है। समस्या का तार्किक समाधान यही है कि शुरुआत में ही विकृतियों पर लगाम लगाई जाए क्योंकि ऐसा न करने पर नतीजे भयंकर रूप से विनाशकारी सिद्ध हो सकते हैं। इस बात पर व्यापक चर्चा कर पारदर्शी रूप से विश्लेषण किया जाना चाहिए कि इस दुष्चक्र को कैसे तोड़ा जाए। इसके लिए स्पष्ट भाषा में संप्रेषण जरूरी है। लेकिन ऐसा करना कहने की तुलना में ज्यादा कठिन है। अब तक प्रदूषित हो चुकी प्रक्रिया को शुद्ध करने तथा उसकी विपरीत चीजों को स्थान दिलाने के लिए एक व्यापक 'पैराडाइम परिवर्तन' की जरूरत है जिसके लिए उद्देश्य की गंभीरता तथा सटीक क्रियान्वयन जरूरी है।

जैसा कि ऊपर कहा जा चुका है, चुनाव प्रक्रिया को प्रदूषित करने वाले तत्व परस्पर जुड़े होते हैं। इसमें कुछ अन्य आयाम भी काम करते हैं जिनमें जाति, भाषा व धर्म, आदि के आधार पर खेले जाने वाले विभाजनकारी चुनावी कार्ड भी शामिल हैं। मतदाताओं को ललचाने के लिए 'खैरात' या 'रेवड़ियों' का प्रस्ताव तथा अन्य चुनावी गलत व्यवहार भी समस्या समाधान में बाधाओं का काम करते हैं। विभाजक रेखाओं पर आधारित मतदान के आयाम तथा कुछ अन्य मुद्दे भी प्रक्रिया को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। एक सार्थक चुनाव सुधार के लिए इन सभी आयामों पर गौर करना जरूरी है। इन आयामों की गंभीरता और प्रभावों का विस्तृत विश्लेषण किया जाना चाहिए तथा इनको देश के समक्ष मौजूद अन्य महत्वपूर्ण समस्याओं के साथ रख कर देखा जाना चाहिए। अतीत पर नजर डालें तो भारतीय निर्वाचन आयोग ने चुनाव सुधारों की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। इसके साथ ही माननीय सर्वोच्च न्यायालय तथा विधायिका को भी सुधार की दिशा में अपना योगदान करना चाहिए। चुनाव सुधारों के लिए अनेक आयोगों का समय-समय पर गठन किया गया और उन्होंने अपनी विस्तृत रिपोर्टें भी दी हैं। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव प्रक्रिया में सकारात्मक परिवर्तनों के लिए अपना उल्लेखनीय फैसला भारत सरकार बनाम असोसियेशन आफ डेमोक्रेटिक रिफार्म, 2002 मामले में दिया था। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में कहा कि चुनाव लड़ने वाले सभी उम्मीदवारों को अपनी परिसंपत्तियों, दायित्वों व अपराधों के लिए दंड जैसे तथ्यों की घोषणा चुनाव के लिए नामांकन करते समय करनी चाहिए। न्यायालय ने लिली थामस बनाम भारत सरकार, 2013 मामले में आदेश दिया था कि यदि किसी उम्मीदवार को अपराध के लिए सजा हो चुकी है तो उसे अयोग्य ठहराया जाएगा तथा उसकी विधायिका की सदस्यता भी समाप्त हो जाएगी।

2013 में सर्वोच्च न्यायालय ने पीपुल्स यूनियन आफ सिविल लिबर्टीज़ बनाम भारत सरकार मामले में मतदाताओं को चुनाव में अपनी नकारात्मक राय रखने का अवसर दिया था। इस निर्णय में चुनाव प्रक्रिया में नोटा-उपरोक्त में से कोई नहीं, का विकल्प रखने का आदेश दिया था। सर्वोच्च न्यायालय के इन निर्णयों का चुनाव प्रक्रिया पर दूरगामी प्रभाव पड़ा है। इसके साथ ही सरकार द्वारा चुनाव सुधारों की दिशा में गठित अनेक समितियों ने भी महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। 1993 में गठित वोहरा समिति तथा चुनावों की राज्य द्वारा फंडिंग के बारे में इंद्रजीत गुप्ता समिति की संस्तुतियां उल्लेखनीय हैं।

चुनाव सुधारों में विधि आयोग ने 1999 में अपनी रिपोर्ट दी थी। इसके साथ ही प्रस्तावित चुनाव सुधारों के बारे में भारतीय निर्वाचन आयोग ने 2004 में अपनी रिपोर्ट दी थी। निर्वाचन आयोग की इस रिपोर्ट में अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए थे। लेकिन इन रिपोर्टों के क्रियान्वयन के बारे में स्थिति बहुत संतोषजनक नहीं कही जा सकती है। इन रिपोर्टों के क्रियान्वयन के बारे में मुझे प्रख्यात रचनाकार एस.टी. कालरेज की रचना 'द राइम आफ एनसिएंट मैरीनर', यानी प्राचीन समुद्री यात्री की दु:खद स्थिति की यह पंक्ति याद आती है कि 'वाटर, वाटर एवरीव्हेयर, नाट अ ड्राप टु ड्रिंक', यानी पानी तो सभी जगह चारों ओर है, पर उसमें से पीने योग्य एक बूंद पानी भी नहीं है। यह बात लगभग पूरी तरह चुनाव सुधार से संबंधित रिपोर्टों पर भी लागू होती है। हमारे पास चुनाव सुधारों के बारे में अनेकानेक रिपोर्टें व उनकी संस्तुतियां हैं, पर विडंबना है कि राजनीतिक अनिश्चितता या राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण उनके बारे में कोई खास निर्णय नहीं लिये जा सके हैं। वर्तमान समय में माननीय सर्वोच्च न्यायालय इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर विचार कर रहा है कि करदाताओं के पैसे से मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए 'खैरातों' का वितरण कहां तक उचित है। इस पर मीडिया तथा आम जनता व राजनीतिक विश्लेषकों में भी काफी विचार-विमर्श हो रहा है।

हालांकि, चुनाव सुधार संबंधी सभी मामलों व चुनाव में आने वाली समस्याओं की गहन चर्चा से स्पष्ट होता है कि कुछ मुद्दों पर कहीं-कहीं कार्रवाई की गई है ताकि परिवर्तन की ताजी हवा से चुनाव संबंधी समस्यायें समाप्त हों। लेकिन इन प्रयासों से हम समस्याओं के मूल समाधान तक नहीं पहुंच सके हैं। इस कारण हम अत्यन्त जटिल व गंभीर समस्याओं के सटीक समाधान तलाशने में विफल रहे हैं। इसके लिए हमें मुख्य समस्याओं पर सीधे हमला बोलना होगा। जब तक धन शक्ति, राजनीति के अपराधीकरण तथा जाति, धर्म, भाषा व परंपराओं, आदि विभाजक आयामों को सीधे संबोधित नहीं किया जाता है तब तक आमूल चुनाव सुधारों की कल्पना नहीं की जा सकती है। सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुद्दा करदाताओं के पैसे से विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव जीतने के लिए 'खैरातों' के वितरण पर रोक लगाना है। इसके बिना इच्छित चुनाव सुधारों का क्रियान्वयन संभव नहीं हो सकता है। लेकिन यह कहने की तुलना में करना कठिन है क्योंकि इसके लिए जिस राजनीतिक सर्वानुमति की आवश्यकता है, फिलहाल उसका अभाव ही दिख रहा है। चुनाव प्रक्रिया को शुद्ध करने के सर्वाधिक जटिल लक्ष्य को केन्द्रित करते हुए कुछ मुद्दों पर ध्यान देना जरूरी है। ऐसा करना इसलिए जरूरी है कि नतीजे तक पहुंचना चाहे जितना कठिन हो, पर यह व्यावहारिक व प्रभावी उपाय होना चाहिए। हमारे देश का विशाल आकार, जनसंख्या संरचना तथा जनसंख्या संरचना की परिवर्तनशील गत्यात्मकता, गरीबी रेखा के नीचे रहने वाली विशाल जनसंख्या, साक्षरता दर, बढ़ती अपराधों की दर तथा राजनीति का बढ़ता अपराधीकरण इस दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं। इसके साथ ही जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा एवं संस्कृति के आधार पर मौजूद व बढ़ रही विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर रोक लगाना जरूरी है। उपयुक्त, स्वीकार्य व इच्छित चुनाव सुधारों को लागू करने के पहले धन शक्ति के दुरुपयोग तथा इसके विभिन्न आयामों व प्रभावों पर गंभीर अध्ययनों और विश्लेषणों की आवश्यकता है।

चुनाव प्रचार के बजाय राहुल की यात्रा

कल्याणी शंकर
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुजरात व हिमाचल प्रदेश में हुए महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों में प्रचार के बजाय कन्याकुमारी से कश्मीर जाने वाली अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' को ज्यादा महत्व दिया। उन्होंने हिमाचल प्रदेश में प्रचार अभियान को पूरी तरह छोड़ दिया और अपनी भारत जोड़ो यात्रा पर ध्यान केंद्रित करते हुए गुजरात में बमुश्किल प्रचार किया। हिमाचल प्रदेश में चुनाव प्रचार की कमान हालांकि, उनकी बहन प्रियंका गांधी ने संभाली, पर उनका प्रचार कार्यकर्ताओं व जमीनी नेताओं की उम्मीदों के अनुसार गहन व व्यापक नहीं था। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह कांग्रेस की एक दूरगामी रणनीति का हिस्सा था, या यह एक गलत कदम था? क्या राहुल की रणनीति ज्यादा महत्वपूर्ण लड़ाइयों के लिए पार्टी के गोला-बारूद को बचाने की हो सकती है?

जो दिलचस्प है वो यह, कि एक या दोनों राज्यों में हार से उसे कैसे मदद मिल सकती है जब जीत बहुत दूर है। लेकिन इसके उलट राहुल के करीबी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का दावा है कि यह कांग्रेस का एक सचेत निर्णय था। उनका कहना है कि वह आगे देख रहे थे और 2024 के लोकसभा चुनावों की तैयारी कर रहे थे, जिसका नेतृत्व वह करेंगे। वह आरएसएस से मुकाबला करने की एक बहुत बड़ी लड़ाई लड़ रहे थे, जो भविष्य में पार्टी को बहुत जरूरी लाभांश देगा। असली दुश्मन आरएसएस था, भाजपा नहीं। कांग्रेस को लगता है कि वह विधानसभा चुनावों में अपनी शक्ति बेकार करने के बजाय लोकसभा चुनाव की तैयारी करे और जनमत को यथासंभव कांग्रेस के पक्ष में बनाने का प्रयास करे।

हालांकि, भाजपा नेता, मुख्यत: हार के डर और चेहरे को खोने से बचाने के कारण, अभियान छोड़ने के लिए राहुल की आलोचना करते हैं। परंपरागत रूप से, दोनों राज्यों में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी लड़ाई देखी गई थी। हिमाचल में एक ही पार्टी को दोहराने का इतिहास नहीं होने से अब सत्ता छीनने की बारी कांग्रेस की है। लेकिन विधानसभा चुनावों में प्रचार के बजाय 'भारत जोड़ो यात्रा' को राहुल द्वारा वरीयता देना पार्टी के गिरते मनोबल को निश्चित रूप से बढ़ावा देगा और इसे अपनी गति पर खड़ा होने में सक्षम करेगा। दोनों में से, गुजरात में पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लिए भारी दावे की लड़ाई है, क्योंकि दोनों ही गुजरात से हैं। उन्होंने राज्य में चुनाव प्रचार किया है और कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। गुजरात में चुनाव प्रचार से विरत रहने का कारण शायद यह भी है कि राहुल मोदी के व्यक्तित्व को सीधे चुनौती देने से बचना चाहते हैं।

सभी सर्वेक्षणों का अनुमान लगाया था कि कड़े मुकाबले में भाजपा कांग्रेस से काफी आगे है। ऐसे में बीजेपी अगर एक या दोनों राज्यों में जीत हासिल करती है तो रिकॉर्ड बनाएगी। कांग्रेस के लिए, जो 27 साल से गुजरात में सत्ता से बाहर है, एक और हार कैडर को और गिरा देगी और 2024 के लोकसभा चुनावों में इसकी संभावनाओं को प्रभावित करेगी। वैसे कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान था कि भाजपा द्वारा अनुशासनहीनता का सामना करने के बावजूद, कांग्रेस अभी भी जीत सकती थी, नेताओं के कारण नहीं बल्कि कार्यकर्ताओं के कारण। लेकिन राहुल समेत कांग्रेस के अनेक बड़े नेताओं का भाजपा की तरह चुनाव मैदान में न उतरना कांग्रेस कार्यकर्ताओं की हताशा व निराशा का कारण बन गया है।

महत्वाकांक्षी आम आदमी पार्टी भी मैदान में उतर आई है, जिससे कुछ विश्लेषकों के अनुसार अब गुजरात विधानसभा चुनाव त्रिकोणीय मुकाबला बन गया है। पिछले साल पंजाब जीतने के बाद आप उत्साहित है। आप के प्रवेश से कांग्रेस और कमजोर होगी क्योंकि आप केवल कांग्रेस के वोट छीन लेगी। 2014 से, जब से मोदी राष्ट्रीय परिदृश्य पर दिखाई दिए हैं, कांग्रेस को लगातार चुनावी पराजयों का सामना करना पड़ा और राज्य दर राज्य हारती गई। तब से, चुनावों में पार्टी की सफलता या विफलता का श्रेय राहुल गांधी को दिया जाता है, जो 2017 में पार्टी प्रमुख बने। उन्होंने 2019 में इस्तीफा दे दिया लेकिन निर्णय लेना जारी रखा।

कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने 13 राज्यों पर शासन किया, जिसमें 2014 में नौ राज्यों में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार थी। यहां तक कि जिन राज्यों में कांग्रेस वैध रूप से जीती थी, वे भी गिर गए थे, जिससे भाजपा को सरकार बनाने का मौका मिला। कांग्रेस की विडंबना है कि वह अनेक वरिष्ठ व नौजवान नेताओं को अपने साथ जोड़े रखने में विफल रही है। अब, कांग्रेस के शासन में केवल राजस्थान और छत्तीसगढ़ हैं। दोनों राज्यों के नेता पार्टी की अंदरूनी कलह और अनुशासनहीनता से पीड़ित हैं। सत्ता विरोधी लहर के बावजूद, भाजपा सत्ता हासिल करने के लिए मोदी के जादू पर निर्भर है। दोनों दलों को मजबूत राज्य नेताओं का निर्माण करने की आवश्यकता थी। अतीत में, कांग्रेस और भाजपा के पास वीरभद्र सिंह और सुख राम (कांग्रेस) और प्रेम कुमार धूमल (भाजपा) जैसे मजबूत नेता थे।

स्वर्गीय अहमद पटेल की अनुपस्थिति के कारण गुजरात में कांग्रेस कमजोर है। अल्पेश ठाकोर और हार्दिक पटेल जैसे युवा आइकन, जो 2017 कांग्रेस प्रतियोगिता का हिस्सा थे, ने भी पार्टी छोड़ दी है। हालांकि कांग्रेस में 23 बागियों के विद्रोही समूह को खत्म कर दिया गया है, लेकिन समूह के वरिष्ठ कांग्रेस नेता उपेक्षित महसूस करते हैं। पूर्व मंत्री आनंद शरण का रिकॉर्ड है कि वरिष्ठ नेताओं का अभी तक पर्याप्त उपयोग नहीं किया गया था।

राहुल और उनके सलाहकारों को भरोसा है कि भारत जोड़ो यात्रा के प्रभाव से भविष्य में पार्टी के प्रदर्शन में सुधार हो सकता है. हालांकि यात्रा सफल भी होती है तो इसका असर 2024 के चुनाव के बाद ही पता चलेगा। वैसे भी 2024 अभी काफी दूर है और उस समय तक भारत जोड़ो यात्रा का असर अथवा इस यात्रा के परिणामस्वरूप आकर्षित जनता का कांग्रेस के प्रति समर्थन बना रहना निश्चित नहीं कहा जा सकता है।

आश्चर्य होता है कि राहुल को यह क्यों नहीं दिखाई देता कि एक या दोनों राज्यों को जीतने से कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा और पार्टी 2024 के चुनावों के लिए अधिक उत्साह के साथ तैयारी कर सकती है। राहुल गांधी को हिमाचल और गुजरात चुनाव के बाद यात्रा का आयोजन करना चाहिए था। साथ ही, राहुल को 2024 तक गति बनाए रखनी है।

शायद राहुल यह दिखाने के लिए अभियान से दूर रहे कि कांग्रेस को गांधी परिवार की जरूरत है। नए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पकड़ में लाने के लिए और समय चाहिए था। विडंबना यह है कि दोनों राज्यों में से एक या दोनों राज्यों को जीतने का श्रेय गांधी परिवार को मिलेगा, लेकिन हार के लिए खड़गे को दोषी ठहराया जाएगा। 8 दिसंबर को आने वाले चुनाव के नतीजे बताएंगे कि हवा किस तरफ चलती है। पोल पंडितों का कहना है कि कांग्रेस अभी भी हिमाचल जीत सकती है। अगर कांग्रेस ने दोनों राज्यों में जीत की रणनीति पर काम किया होता तो संभावना काफी बेहतर होती। अगर राहुल अपने दांव में जीते तो इसका श्रेय उन्हें ही जाएगा। यदि नहीं, तो वह वहीं रहेंगे, जहां वह थे। यह स्थिति कांग्रेस के लिए घातक हो सकती है।

आप की बात

चुनाव के नतीजे

दिल्ली निगम चुनाव परिणाम आने के बाद आप ने पुराना राग अलापना शुरू कर दिया है। पूर्वानुमान से ग्रसित मनीष सिसोदिया ने भाजपा को बदनाम करना शुरू कर दिया है कि भाजपा उनके जीते पार्षदों को तोड़ने का प्रयास कर रही है। गौरतलब है कि मतदान प्रतिशत कम रहने से आप की जीत की सम्भावना बढ़ गयी थी और हुआ भी ऐसा ही, पहले भी कम मतदान प्रतिशत का सीधा प्रभाव भाजपा पर पड़ता रहा है, मतदाताओं का उदासीन रवैया अक्सर राजनैतिक समीकरण बिगाड़ता रहता है ऐसा ही दिल्ली निगम चुनाव में भी हुआ, सरकार और राजनैतिक लोगों को इस पर चिंतन करना चाहिए, राशन बांटो या फ्लैट बनवाओ.... जनता को ये सब कोई खास प्रभावित नहीं कर पाता। उनकी सोच रोजमर्रा की जरुरत तक सीमित है, रोज फ्री बिजली और पानी का लालच राशन और फ्लैट पर भारी पड़ता दिखाई दिया। जनता को ये संकुचित सोच बदलनी होगी और बड़े लक्ष्य को लेकर चलना होगा अन्यथा देश आंतरिक चुनोतियों से जूझता रहेगा। भाजपा को भी चुनाव परिणामों से सबक लेकर खासकर शहरी मतदाताओं के लिए अपनी रणनीति में परिवर्तन की जरूरत महसूस हो सकती है।

मनोज, मेरठ

बदहाल पंजाब

भारत देश का सबसे समृद्ध राज्य पंजाब है। जो 1979 से 1984 तक फैले आतंकवाद की आग से जल और झुलस चुका था। पुलिस और पंजाब के लोगों के सहयोग से प्रदेश आतंकवाद मुक्त होकर पुन: समृद्धि की ओर बढ़ रहा है। पाकिस्तान का सीमावर्ती राज्य होने के कारण पाकिस्तान से मादक पदार्थो और हथियारों की तस्करी हो रही है। पंजाब के युवाओं को बर्बाद करने के लिये ड्रग्स की सप्लाई हो रही है।शत्रु देश युवाओं को बर्बाद करने के लिये ड्रोनों से मादक पदार्थों को भेज रहा है। जिसे देश के सजग सीमा प्रहरी कई बार पकड़ चुके है। इसके अलावा राज्य में अवैध शराब का निर्माण और वितरण हो रहा है। जिसपर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाने के लिये पंजाब सरकार को निर्देश दिया है। पंजाब में बढ़ते खालिस्तानी समर्थक, कट्टरपंथ, मतांतरण, नशे की समस्या और बढ़ते कैंसर के मरीज पंजाब के लिये खतरे की घण्टी है। इनसे निपटने के लिये सरकार और प्रशासन तन्त्र को मिलकर प्रदेश और समाज हित में कदम उठाना चाहिये, जिससे कट्टरपंथी तत्वो को बढ़ावा न मिले और आतंकवाद पुन: राज्य में न फैलने पाए।

कुलदीप मोहन त्रिवेदी, उन्नाव

इंडोनेशिया में कट्टरता

पिछले दिनों इंडोनेशिया की संसद में ऐसा कानून पास किया गया जिससे वहां के लोगों के लिए राष्ट्रपति की आलोचना करना दंडनीय अपराध बना दिया गया। इतना ही नहीं, नागरिकों के साथ-साथ विदेशियों के लिए विवाह से बाहर यौन संबंध को आपराधिक बना दिया गया है, गर्भनिरोधक के प्रचार पर रोक लगा दिया गया है। राज्य संस्थानों की मानहानि पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। पत्रकारों को अपनी लेखनी पर खुद जवाबदेह बना दिया गया है। धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकार को सिमित कर दिया गया है। मार्क्सवाद एवं लेनिनवादी विचारधारा को प्रतिबंधित कर दिया गया है। कुल मिलाकर यह निजता के अधिकार पर सरकारी पहरेदारी के साथ लोगों के बुनियादी अधिकार को खत्म करने वाला काला कानून है। सन 2019 में भी ऐसे ही कानून के जरिए इंडोनेशिया को धार्मिक कट्टरता के दलदल में धकेलने की कोशिश को उस समय हुए व्यापक विरोध प्रदर्शनों के कारण स्थगित करना पड़ गया था। देखें इस बार वहां के लोग इस काले कानून को कैसे स्वीकार करते हैं।

जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
pioneerhry@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद पिछले नौ महीनों में यूरोपीय खरीद का केवल दसवां हिस्सा है।

– **एस. जयशंकर**
विदेश मंत्री

पिछले कुछ दशकों में चीन पूरी तरह बदल गया है। मेरे विचार से पूरा क्षेत्र इसे देख रहा और इसका अनुभव कर रहा है।

– **अन्नालीना बोयरहाक**
जर्मन विदेश मंत्री

मैं रांकापा में नहीं जा रहा हूं। इस बारे में पी.सी. चाको से बात नहीं हुई है।

– **शशि थरूर**
कांग्रेस नेता

भ्रष्टाचार की बात भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी : सीएम

जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान एडीसी दफ्तर के असिस्टेंट को मुख्यमंत्री ने तत्काल प्रभाव से किया सस्पेंड

रणबीर सिंह रोहिल्ला। सोनीपत

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि भ्रष्टाचार की बात भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भ्रष्टाचार करने वालों पर सरकार लगातार कार्रवाई कर रही है। उन्होंने सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि जनता की समस्या का तत्काल समाधान किया जाए, लापरवाही करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सीएम शुक्रवार को सोनीपत में जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान बोल रहे थे।

जनसंवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर व शीर्ष अधिकारियों ने 400 शिकायतों को सुना और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सोनीपत एडीसी कार्यालय के एक असिस्टेंट को भी सस्पेंड किया। असिस्टेंट के खिलाफ मुख्यमंत्री के समक्ष एक व्यक्ति ने लिखित शिकायत दी थी। इस पर कार्रवाई करते हुए मुख्यमंत्री ने तत्काल असिस्टेंट को सस्पेंड किया और कहा कि इस दौरान इस असिस्टेंट की हाजिरी मुख्यमंत्री कार्यालय में लगेगी।

रामकुमार दहिया को सम्मानित करने के निर्देश : जनसंवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के समक्ष व्हिसल ब्लोअर रामकुमार दहिया ने सहकारी बैंकों से जुड़ी शिकायतें रखी। मुख्यमंत्री ने तत्काल प्रभाव से बैंक अधिकारियों को उन शिकायतों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला उपायुक्त ललित सिवाच को व्हिसल ब्लोअर रामकुमार दहिया को 26 जनवरी, गणतंत्र दिवस समारोह में सम्मानित करने के लिए कहा। इसके साथ-साथ मुख्यमंत्री ने एक विकलांग को 25 हजार रुपये आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी की।

जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान लोगों की शिकायतें सुनते सीएम मनोहर लाल खट्टर।

बिल्डरों के खिलाफ कार्रवाई के दिए निर्देश

जनसंवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के समक्ष लोगों ने बिल्डरों से जुड़ी शिकायत भी रखी। एक शिकायत में 700 मल्टी स्टोरी फ्लैट की एनओसी प्राप्त किए बिना कब्जा दे दिए जाने के मामले में मुख्यमंत्री ने सोनीपत डीटीपी को सात दिन में समस्या का समाधान करने और बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अन्य शिकायतों में बिल्डरों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई किए जाने के लिए डीटीपी को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में बिल्डरों की वजह से आम जनता को कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

एक जनवरी से बनना शुरू होंगे बीपीएल कार्ड

मुख्यमंत्री खट्टर ने कहा कि एक जनवरी से बीपीएल कार्ड बनाने का कार्य फिर से शुरू किया जाएगा। इसके साथ-साथ परिवार पहचान पत्र की त्रुटियों को दूर करने व नए पीपीपी बनाए जाने के लिए कैंप लगाए जाएंगे। परिवाह पहचान पत्र के लिए 10 व 11 दिसंबर और 15, 16 व 17 दिसंबर को प्रदेशभर में अलग-अलग जगह कैंप लगाए जाएंगे।

विकास कार्यों में लाएं तेजी

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए सरकार के पास बजट की कोई कमी नहीं है। आम आदमी भी ग्राम दर्शन व नगर दर्शन पोर्टल के माध्यम से अपने क्षेत्र से जुड़ी मांग डाल सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों में अवैध कब्जों पर भी सरकारी अधिकारी आवश्यक कार्रवाई करें।

चार घंटे से अधिक समय तक सुनीं मनोहर लाल ने लोगों की शिकायतें

203 शिकायतों को सीएम ने स्वयं सुना

सोनीपत। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने जनसाधारण की शिकायतें स्वयं जनसंवाद कार्यक्रम के माध्यम से सुनने की एक नई पहल की है। मुख्यमंत्री की यह सोच सरकार आपके द्वार कार्यक्रम की तरह है। सोनीपत में शुक्रवार को लघु सचिवालय में लगाए गए जनसंवाद कार्यक्रम में लोगों की भीड़ उमड़ रही थी और मुख्यमंत्री को अपने बीच देख स्वयं का धन्य समझ थे कि किसी मुख्यमंत्री ने आम नागरिक की तरह बींच में बैठ कर पंचायती तौर पर लोगों की समस्याएं सुनकर मौके पर ही निर्णय लिया।

लगभग 11 बजे मुख्यमंत्री ने शिकायतों को सुनना आरम्भ किया। पहले से दर्ज 203 शिकायतों को मुख्यमंत्री ने स्वयं सुना तथा चार भागों में शिकायतों को बांटा गया, जिसमें मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी उमाशंकर, मंडलायुक्त संजीव वर्मा व आईजी ममता सिंह ने शिकायतें सुनीं। बाद में मुख्यमंत्री स्वयं लोगों के बीच पहुंचकर व्यक्तिगत रूप से शिकायतें ली। इस प्रकार से मुख्यमंत्री को अपने बीच देखकर लोग स्वयं को गर्वित महसूस कर रहे थे कि उनके जिला में स्वयं मुख्यमंत्री उनकी शिकायतों का निवारण करने के लिए पहुंचे हैं।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में लोगों की शिकायतें सुनते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

अधिकतर शिकायतें बिल्डर्स एवं डेवलेपर्स से संबंधित थी जिसपर मुख्यमंत्री ने नगर एवं ग्राम आयोजन विभाग के निदेशक टीएल सत्यप्रकाश को फोन कर बिल्डर्स के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई करने के आदेश दिए। उनका कहना था कि उपभोक्ता को नुकसान नहीं होना चाहिए। आखिरकार सारी जिंदगी की कमाई फ्लेट खरीदने में लगाई है और बिल्डर्स बगैर यूसी लिए लोगों को फ्लेट्स की बिक्री कर रहे है।

विशलब्लोअर राम कुमार दहिया की मुख्ययमंत्री ने पीठ थपथपाई और जिला प्रशासन को गणतंत्र दिवस के अवसर पर उन्हें सम्मानित करने के आदेश दिए। उल्लेखनीय है कि राम कुमार दहिया ने सोनीपत केन्द्रीय सहकारी बैंक में लगभग 07 करोड़ रुपये के गमन की शिकायत मुख्यमंत्री से की थी।

परिवार पहचान पत्र में त्रूटिया ठीक करने के लिए लगेंगे विशेष शिविर

सुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे परिवार पहचान पत्र अवश्य बनवाए यह एक सरकार की लाभकारी स्कीम है। इस स्कीम के माध्यम से बुजुर्ग व्यक्तियों को अपनी पेंशन बनवाने के लिए सरकारी कार्यालयों में चक्कर नहीं काटने पडेंगे। मुख्यमंत्री ने इस दौरान घोषणा की कि 10 व 11 दिसम्बर तथा 15 से 17 दिसम्बर तक पूरे हरियाणा प्रदेश में परिवार पहचान पत्र में गलतियों ठीक करवाने के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे इन तिथियों में लगाए जाने वाले शिविरों का लाभ उठाएं।

संक्षिप्त-समाचार

वोटरों ने आप की जन हितैषी नीतियों पर लगाई मोहर : डॉ. रंगा

कुरुक्षेत्र। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. रोहताश रंगा एडवोकेट ने कहा कि देश की राजधानी दिल्ली में डबल इंजन की सरकार बना कर वहां की जनता ने जो सूझबूझ का परिचय दिया है, वह काबिले तारीफ है। देश की राजधानी में जो राजनीतिक परिवर्तन होता है, उस की चर्चा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी होती है। बातचीत करते हुए डॉ. रंगा ने कहा कि अब दिल्ली में सरकार खुल कर शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार की नीतियों को सही तरीके से लागू करने मे कामयाब होगी क्योंकि अब दिल्ली में भाजपा सरकार की रोक-टोक पर विराम लग चुका है। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने हाल में हुए दिल्ली, हिमाचल और गुजरात के चुनाव में आम आदमी पार्टी की जनहितैषी नीतियों पर मोहर लगा कर उसे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिलवाने में जो अहम भूमिका निभाई, वह काबिले तारीफ है। देशवासियों ने इस चुनाव में भाजपा के असली चेहरे को उजागर कर आप को आने वाले 2024 के आम चुनाव में विकल्प मान लिया है। एडवोकेट रंगा ने कहा कि आज देश के हर कोने में आम आदमी पार्टी की चर्चा हर नागरिक की जुबान पर है।

यातायात नियमों का पालन करने की ली शपथ

कुरुक्षेत्र। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सड़क सुरक्षा अभियान के तहत शुक्रवार को नागपाल नर्सिंग होम पर आयोजित जागरुकता अभियान के तहत नागपाल नर्सिंग होम के प्रभारी चिकित्सक डॉ. अमीर चंद नागपाल, बाबू राम, सुरेश चौधरी, सचिन अरोड़ा, गुलशन गुलाटी, राकेश गाबा, राधा कृष्ण अरोड़ा, सागर चौहान, जसबीर सिंह दुग्गल, तरुण वधवा व सुधीर कुमार ने यातायात नियमों का पालन करने की शपथ ली। डॉ. एसी नागपाल ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करने का दायित्व प्रत्येक नागरिक का है। शपथ ग्रहण विद्यार्थियों की प्रतिबद्धता को बढ़ाता है। किसी शपथ को लेना हमारी संस्कृति का हिस्सा है। ऐसे कार्यक्रमों से लोगों में जागरुकता आती है। राधाकृष्ण अरोड़ा ने कहा कि सड़क दुर्घटना एक परिवार का नहीं पूरे राष्ट्र के मानव संसाधन का नुकसान करती है। गुलशन गुलाटी ने बाइक चलाते समय हेलमेट लगाने और मोबाइल का प्रयोग न करने का अपील की।

अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों को समझना हमारी जिम्मेदारी

कुरुक्षेत्र। गीता निकेतन विद्या मंदिर में मानव अधिकार दिवस के उपलक्ष में छात्रों के द्वारा अनेक कार्यक्रम किए गए। कार्यक्रम का संचालन दयानंद सदन द्वारा किया गया। विद्यालय आचार्य निधि ने मानव अधिकार दिवस के महत्व एवं इसको मनाने के उद्देश्य के बारे में छात्रों को बताया कि मानव अधिकार दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य जन साधारण को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। कक्षा सप्तम के छात्रों ने लघु नाटिका प्रस्तुत की गई जिसके माध्यम से बालिका शिक्षा पर बल दिया गया। कक्षा पंचम से अष्टम तक के छात्रों ने मानव अधिकार विषय पर पोस्टर बनाएं। विद्यालय प्रधानाचार्य सुमित कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि प्रत्येक मानव के पास कुछ विशेष अधिकार हैं, जो विश्व को एक सूत्र में बांधते हैं। हर मानव की रक्षा करते हैं। किसी के साथ कोई भेदभाव ना हो सब शांति से व खुशी से रहें, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति के कुछ विशेष अधिकार हैं। इसी में देश की प्रगति है। शिक्षा का अधिकार भी एक मानव अधिकार है लेकिन अधिकारों के साथ-साथ हमें अपने कर्तव्य को भी ध्यान में रखते हुए राष्ट्रहित के लिए कार्य करना हमारी जिम्मेदारी है।

सड़क सुरक्षा नियम का पालन करना अति आवश्यक : सुषमा

कुरुक्षेत्र। उदयन शालिनी फैलोशिप कुरुक्षेत्र द्वारा सड़क सुरक्षा के लिए व आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस, सशस्त्र सेना झंडा दिवस, बाबा साहेब की पुण्यतिथि के अवसर पर कार्यशाला आयोजित की।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि डॉ. निर्मला चौधरी, उदयन शालिनी की संयोजक डॉ. सुषमा शर्मा तथा उप संयोजक डॉ. रामनिवास रहे। डॉ. निर्मला चौधरी ने शालिनी को बताया कि डॉ. भीमराव राव अम्बेडकर को सब डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर के नाम से भी जानते हैं। डॉ. सुषमा शर्मा ने बताया कि झंडा दिवस का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना के जवानों का आभार प्रकट करते हुए सेना के लिए धनराशि एकत्र करना है, जिसकी जरूरत आजादी के बाद ही भारतीय सशस्त्र बलों के कर्मियों और सेना के कल्याण के लिए लगी।

डॉ. सुषमा शर्मा ने शालिनियों को अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवी दिवस के बारे में भी बताया कि इस दिवस का उद्देश्य स्वयंसेवकों और संगठनों के प्रयासों का जश्न मनाने और स्वयंसेवी वाद को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करना है। उन्होंने शालिनी को प्रेरित किया कि वे सभी स्वयंसेवी जॉब के निरंतर उनके सपनों को साकार करने के लिए उनसे जुड़े हुए हैं।

शादी के तीसरे दिन गहने और दो लाख कैश लेकर दुल्हन फरार

अम्बाला/शहजादपुर। शादी के तीसरे दिन ही नई नवेली दुल्हन लाखों रुपये के जेवरात और दो लाख रुपये की नकदी लेकर फरार हो गई। शहजादपुर के गांव सलौला निवासी विक्रम सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी चार दिसंबर को जिला यमुनानगर के गांव राजपुर निवासी संगीता के साथ शादी हुई थी, लेकिन सात दिसंबर की रात साढ़े 9 बजे घर से भाग गई। युवक ने बताया कि उसकी पत्नी करीब तीन लाख रुपये के जेवरात और दो लाख कैश भी साथ ले गई। उन्होंने उसकी पत्नी की हर जगह तलाश की। उसने अपनी ससुराल में भी फोन करके पूछा, लेकिन उसका कहीं कोई सुराग नहीं लगा।

वार्ड-15 के संत नगर में कुत्तों का आतंक

एक हफ्ते से कई बच्चों व बड़ों को काटकर घायल कर चुके हैं कुत्ते

पायनियर समाचार सेवा। यमुनानगर

संत नगर निवासी समाजसेवक दीपक बडोला ने कहा हमारे वार्ड नम्बर 15 के संत नगर में कुत्तों का आतंक फैला हुआ है। आवारा कुत्ते मोहल्ले के बच्चों के ये साथ-साथ बड़े आदमी और औरतों को भी काट रहे हैं। एक हफ्ते में पांच से अधिक लोगों को बुरी तरह से काट चुके हैं। इन पांच में से दो बच्चों को तो जान से खाने की नीयत से कुत्तों ने हमला किया था। परंतु मोके पर उपस्थित लोगों ने उन बच्चों को बचाया। कुछ लोग तो बहुत गरीब हैं जिनके पास इंजेक्शन लगवाने के भी पैसे नहीं हैं। लोगों का घर से बाहर निकलना दुश्वार हो चुका है।

संत नगर निवासियों ने बताया कि जब कोई मोटरसाइकिल या साइकिल में गली से गुजरते हैं तो कुत्ते पीछे पड़ जाते हैं जिससे कि बहुत बार तो बहुत बड़े बड़े हादसे होने से बच चुके हैं। मोहल्लेवासियों ने कहा कि ये कुत्ते आदमखोर हो चुके हैं इनके मुंह पर इंसान का खून लग चुका है। अगर इनको पकड़कर जल्दी ही कार्रवाई न की गई तो अंजाम बहुत भयानक भी हो सकता है। मौके पर कमलेश, राजन और महेश आदि उपस्थित थे।

कुत्तों के आंतक का शिकार बच्चे।

बैडमिंटन में छाए लिटल एंजल्स स्कूल के खिलाड़ी

चैंपियनशिप में लगभग 650 खिलाड़ियों ने भाग लिया था

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

फरीदाबाद में आयोजित हरियाणा स्कूल राज्य स्तरीय बैडमिंटन चैंपियनशिप में लिटल एंजल्स स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर अपने विद्यालय का नाम रोशन किया। इस चैंपियनशिप में लगभग 650 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

अंडर-17 बालिका वर्ग में कोमल सरोहा, तान्या खत्री और नैन्सी भारद्वाज ने सैमी फाइनल में रोहतक की टीम को 2-0 के स्कोर से हराकर रजत पदक पर कब्जा किया। अंडर-14 में आरसेली गुलिया, अक्षिता गुलिया और ध्वनि ने फरीदाबाद के खिलाड़ियों को 2-1 स्कोर से हराकर कांस्य पदक प्राप्त किया। अंडर-19 में विनिता, खुशी आंतिल और कनिका ने सैमीफाइनल में गुड़गांव के खिलाड़ियों को 2-0 के स्कोर से हराकर रजत पदक प्राप्त किया। अंडर-19 बालक वर्ग में सृजन, हर्ष त्यागी और आलोक ने हिसार के खिलाड़ियों को 2-1 स्कोर से हराकर कांस्य पदक प्राप्त किया। सभी विजयी खिलाड़ियों का विद्यालय में फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया।

विद्यालय के चेयरमैन तरसेम कुमार गर्ग, सेक्रेटरी डॉ. विशाल गर्ग, प्रधानाचार्य आशा गोयल व उपप्रधानाचार्य गीता अरोड़ा ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी व उनकी खेल-भावना को सराहते हुए भविष्य में भी बेहतर खेल प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य आशा गोयल ने स्पोर्ट्स डायरेक्टर नरेंद्र नेगी, कोच महेश भारद्वाज, लिटल एंजल्स बैडमिंटन अकेडमी के कोच हरदीप सरोहा व फिजिकल एजुकेशन टीचर विम्मी कपूर को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

स्कूल पहुंचने पर बैडमिंटन खिलाड़ियों का स्वागत करते स्कूल स्टाफ।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए आज जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन

शीतकालीन सत्र में ओपीएस बहाल न होने पर 26 फरवरी को मुख्यमंत्री आवास के घेराव की चेतावनी

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

पेंशन बहाली संघर्ष समिति द्वारा आज हरियाणा रोडवेज के डिपो परिसर में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें समिति के राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनूप लाठर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विभाग के कर्मचारियों को 10 दिसंबर के कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि पेंशन बहाली संघर्ष समिति हरियाणा में 2006 के बाद नियुक्त कर्मचारियों, अधिकारियों के लिए 2018 से लगातार पुरानी पेंशन बहाली की मांग कर रही है।

इसके लिए प्रदेश अध्यक्ष विजेन्द्र धारीवाल के नेतृत्व में संघर्ष समिति द्वारा प्रदेश में लगातार पेंशन आंदोलन चलाया का रहा है। कई बार बड़ी रैलियों के साथ-साथ ब्लॉक और जिला स्तर पर प्रदर्शन करती रही है। संघर्ष समिति ने पूर्व की भांति प्रदेश के सभी विभागों के संगठनों से एक मात्र मांग पुरानी पेंशन बहाली के किए पेंशन बहाली संघर्ष समिति को सहयोग की अपील करते हुए संघर्ष समिति के प्रदेश मुख्य सलाहकार प्रमोद ईष्टकान व राज्य उपाध्यक्ष देवराज बाल्यान ने कहा कि पेंशन बहाली संघर्ष समिति सम्बंधित नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम के प्रयास से चार राज्यों राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड और पंजाब में पुरानी पेंशन नीति बहाल हो चुकी है। अब हिमाचल में भी जल्दी ही पुरानी पेंशन बहाल हो जाएगी। संघर्ष समिति की राज्य कार्यकारिणी ने गठबंधन सरकार से प्रदेश में आगामी शीतकालीन सत्र में पुरानी पेंशन नीति को बहाल करने की मांग के लिए 10 दिसंबर शनिवार को सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और नेता विपक्ष को सत्र में पुरानी पेंशन बहाली का प्रस्ताव लाने की मांग की जाएगी।

जिला अध्यक्ष सोमदत्त ने एक कहा कि 2019 के विधानसभा चुनाव में पुरानी पेंशन बहाली का वादा करने के बावजूद गठबंधन सरकार प्रदेश के कर्मचारियों से वादाखिलाफी कर रही है, जिसको लेकर प्रदेश के कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। कई संगठनों के पदाधिकारी कृष्ण कादयान, रामकरण पटवारी, अमरजीत ददरवाल, अशोक कुंडू, सरकरम, संदीप, रामपत आदि उपस्थित रहे।

हरियाणा रोडवेज के डिपो परिसर में बैठक के बाद समिति पदाधिकारी व अन्य।

उदर महाधमनी धमनीविस्फार का इलाज अब न्यूनतम इनवेसिव तरीके से किया जा सकता है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उदर महाधमनी धमनीविस्फार (एएए) 80% -90% पर टूटने की समग्र मृत्यु दर के साथ सबसे आम महाधमनी रोग है। जटिलताओं को रोकने पर समय पर निदान और प्रबंधन का बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। इस विषय में जागरुकता बढ़ाने की आवश्यकता है कि 65 से 75 वर्ष की आयु के व्यक्तियों, विशेष रूप से धूम्रपान के इतिहास वाले लोगों को कम से कम एक बार जांच अवश्य करानी चाहिए। आजकल, एएए का इलाज एक प्रकार की मिनिमली-इनवेसिव एंडोवास्कुलर सर्जरी के साथ किया जाता है, जिसमें महाधमनी के भीतर एक विस्तार योग्य स्टेंट ग्राफ्ट को सीधे ऑपरेशन के बिना बीमारी का इलाज करने के लिए रखा जाता है और यह बड़े सीने/पेट के चीरे से बचा जाता है।

डॉ. (कर्नल) कुमुद राय, प्रधान निदेशक-वास्कुलर सर्जरी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, साकेत ने इस बारे में कहा कि महाधमनी मानव शरीर में सबसे बड़ी वाहिका है और हृदय से अन्य अंगों तक रक्त ले जाती है। यदि किसी व्यक्ति की महाधमनी का विच्छेदन होता है, तो इसका मतलब है कि छेद के कारण रक्त वाहिका की सबसे भीतरी परत से बाहर रिस रहा है। एन्यूरिज्म एक ऐसी स्थिति है जिसमें धमनी की दीवार कमजोर हो जाती है और उसमें उभार आ जाता है। इसका मतलब है कि रक्त कमजोर क्षेत्र में बह रहा है। उदर महाधमनी धमनीविस्फार मौन हत्यारे हैं क्योंकि जब वे बढ़ते हैं, तो वे फट जाते हैं और फिर मृत्यु दर अपरिहार्य है।

डॉ. विनीत आर्य, प्रिंसिपल कंसल्टेंट-वैस्कुलर सर्जरी, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, साकेत इस संबंध में कहते हैं, इस स्थिति का इलाज करने के लिए एंडोवास्कुलर एन्यूरिज्म रिपेयर (ईवीएआर) के रूप में जानी जाने वाली एक न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है। ईवीएआर रुग्णता और मृत्यु दर की संभावना को कम करता है, खासकर जब रोगी बुजुर्ग हो या सर्जरी के लिए अयोग्य हो। ठीक होने की संभावना भी अधिक होती है और व्यक्ति खुली मरम्मत की तुलना में उचित देखभाल और सावधानियों के साथ पहले सामान्य स्थिति में वापस जा सकता है।

ईवीएआर में, एक एंडोवास्कुलर विशेषज्ञ नस के माध्यम से रक्त के प्रवाह में मदद करने के लिए धमनीविस्फार वाले क्षेत्र में एक कवर स्टेंट (फैब्रिक से ढकी एक धातु की जाली ट्यूब) रखता है। रोगी के कमर में एक धमनी के माध्यम से स्टेंट डाला जाता है और एक्स-रे का उपयोग स्टेंट को धमनीविस्फार तक ले जाने के लिए किया जाता है। यह प्रक्रिया कैथ लैब में की जाती है।

परनो रिकार्ड इंडिया ने अपनी समूची मूल्य श्रृंखला में पर्यावरण पर असर कम करने के लिए शुरू की उद्योग में पहली और अनूठी पहल-वनफॉरअवर प्लेनेट

पायनियर समाचार सेवा। पानीपत

वाइन एवं मदिरा उद्योग में वैश्विक रूप से अग्रणी कंपनी परनो रिकार्ड इंडिया (पीआरआई) ने अपनी पैकेजिंग से परमानेंट मोनो कार्टन खत्म करने का अभियान आगे बढ़ाते हुए उद्योग में पहली बार एक अनूठी पहल-वनफॉरअवर प्लेनेट शुरू की है। पर्यावरण संरक्षण की ऐतिहासिक पहल के साथ कंपनी जून 2023 तक चरणबद्ध तरीके से अपनी पैकेजिंग से परमानेंट मोनो कार्टन पूरी तरह हटा देगी।

वनफॉरअवर प्लेनेट ग्रेन से गिलास तक मूल्य श्रंखला के प्रत्येक चरण में पैकेजिंग से पर्यावरण पर पड़ने वाला असर कम करने के कंपनी के संकल्प को दोहराती है। इसका लक्ष्य यह भी है कि उद्देश्य के साथ चलने वाले आज के उपभोक्ताओं को खरीदारी के समय पर्यावरण हितेषी फैसले करने के लिए प्रेरित किया जाए। बेहतर पर्यावरण वाले कल की ओर बढ़ते हुए परनो रिकार्ड इंडिया इस पहल के साथ हर वर्ष 7310 टर्न कार्बन उत्सर्जन कम कर, 2.5 लाख पेड़ बचाकर और जमीन के भीतर दफन होने वाला 18745 टन कचरा हटाकर समग्र प्रभाव डालना चाहती है। इस पहल के साथ कंपनी का उद्देश्य पैकेजिंग से होने वाले कुल उत्सर्जन में 2030 तक 75000 टन से ज्यादा कमी लाना है। इस पहल के बारे में परनो रिकार्ड इंडिया के चीफ कमर्शियल ऑफिसर रणजीत ओक ने कहा, परनो रिकार्ड इंडिया में हमारा लक्ष्य इस ग्रह को बेहतर बनाना है। ज्यादा प्रभाव डालने के लिए पर्यावरण संरक्षण का अपना एजेंडा आगे बढ़ाते हुए इस पहल का मकसद ग्रेन से गिलास तक मूल्य श्रृंखला के हरेक चरण में कार्बन उत्सर्जन कम करना है।

खानपुर कोलियां में निःशुल्क मेडिकल चेकअप कैंप 11 को

कुरुक्षेत्र। स्टालवार्ट फाउंडेशन के चेयरमैन संदीप गर्ग ने कहा कि उनका सपना है कि लाडवा हल्के का कोई भी व्यक्ति न तो बीमार हो और न ही किसी को किसी प्रकार की कोई भी दिक्कत हो। उनका सपना है कि स्वस्थ बनेगा हल्का लाडवा अभियान उसी के तहत अब वह मेडिकल वैन, एंबुलेंस सेवा के साथ-साथ जर्नल मेडिकल का फ्री हेल्थ चेकअप कैम्प भी शुरू किए गए हैं। समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा कि जर्नल मेडिकल का फ्री हेल्थ चैकअप कैम्प की शुरुआत लाडवा हल्के के गांव खैरी से 27 नवंबर दिन रविवार से शुरू की गई थी। उन्होंने कहा कि अब यह तीसरा कैम्प 11 दिसम्बर दिन रविवार को पिपली के गांव खानपुर कोलियां में आयोजित किया जाएगा। कैम्प में ग्रामीणों का निःशुल्क चेकअप किया जाएगा और यदि किसी मरीज को कोई सी दवाई आदि की आवश्यकता होगी वह भी निःशुल्क दी जाएगी।

Aavas FINANCIERS LTD
SAPNE AAPKE, SAATH HAMAARA

आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड

(पूर्व में ''ए यू हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड'' के नाम से ज्ञात) (CIN: L65922RJ2011PLC034297)
पंजीकृत एवं निगमित कार्या.: 201-202, द्वितीय मंजिल, साउथ एंड स्क्वायर, मानसरोवर इंडस्ट्रीयल एरिया, जयपुर-302020

सिक्युरिटाईजेशन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) के अन्तर्गत मांग सूचना पत्र

कम्पनी के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा निम्न सूची के अनुसार ऋणी का खाता एन.पी.ए. होने के कारण निम्न तालिका के अनुसार ''वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूमिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 ''की धारा 13(2) के अन्तर्गत 60 दिन का नोटिस दिया गया था। नोटिस के अनुसार यदि ऋणी/गारण्टर 60 दिवस के अंदर बकाया ऋण राशी जमा नहीं कराते हैं तो ऋण की वसूली बंधक सम्पत्ति को नीलाम करके की जायेगी। डिमाण्ड नोटिस की तामील ना होने के कारण नोटिस की छायाप्रति बंधक सम्पत्ति पर चस्पा की जा चुकी है। अतः आपको यह सूचित किया जाता है कि नोटिस प्रकाशित दिनांक से 60 दिन के अन्दर-अन्दर निम्न तालिका के अनुसार रुपया तथा भविष्य का ब्याज, वसूली में होने वाला खर्चा जमा कराये अन्यथा एक्ट की धारा 13(4) एवं 14 के प्रावधानों के अन्तर्गत निम्न सूचि के अनुसार साम्यिक बंधक सम्पत्ति का भौतिक कब्जा लेने एवं इसे नीलामी कर ऋण राशि की वसूली कराने के लिए प्राधिकृत अधिकारी स्वतंत्र होंगे।

ऋणी का नाम	धारा 13(2) के अन्तर्गत नोटिस की दिनांक व राशि	बंधक सम्पत्ति का विवरण
राम गोपाल, श्रीमती सतीश देवी जमानतदार : राम अवतार, राहुल खाता सं. LNREW07020-210162091	7 दिसम्बर 2022 ₹ 750000/- 6 दिसम्बर 2022	आवासीय सम्पत्ति खेवत नं. 260, खतौनी नं. 266, मुस्तैल नं. 97, किला नं. 6 (8-00) स्थित विशाल कॉलोनी, बास रोड के पास, वार्ड नं. 11, धरूहेरा, रेवारी, हरियाणा **क्षेत्रफल 150 वर्ग गज**
सोहन लाल, श्याम लाल, श्रीमती देबो देवी खाता सं. LNAMB02119-200133113	7 दिसम्बर 2022 ₹ 395000/- 6 दिसम्बर 2022	एच.नं. 39/2, राजेन्द्र नगर, श्याम नगर, गांव, बाबयाल, तह व जिला अम्बाला, हरियाणा **क्षेत्रफल 88 वर्ग गज**
श्रीमती राजपती, गोपाल दास वर्मा, श्रीमती अनीता वर्मा जमानतदार : हरिश चन्देर खाता सं. LNKNL06819-200136571 व LNKNL11721-220180891	7 दिसम्बर 2022 ₹ 612236/- व ₹ 120000/- 6 दिसम्बर 2022	मकान स्थित गांव हाबरी लाल डोरा के भीतर तह. पुनडरी व जिला कैथल, हरियाणा **क्षेत्रफल 90 वर्ग गज**
श्रीमती कृष्णा देवी, सरजीत खाता सं. LNBHT02920-210150662	7 दिसम्बर 2022 ₹ 340000/- 6 दिसम्बर 2022	सम्पत्ति स्थित वाइड ट्रांसफर डीड नं. 7920 गांव-गोलपरा, आंगनवाड़ी के पास, भीवानी, हरियाणा **क्षेत्रफल 135 वर्ग गज**

स्थान : जयपुर दिनांक 10.12.2022 प्राधिकृत अधिकारी आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड

निगम की बड़ी कार्रवाई, बिना नक्शा पास कराए बनी आठ दुकानें सील

जिमखाना क्लब के पास बनी हैं दुकानें, नोटिस देने के बाद भी नहीं पास कराया था नक्शा

पायनियर समाचार सेवा। यमुनानगर

ट्विन सिटी में अवैध निर्माण पर नगर निगम ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ दुकानें सील कर दीं। ये दुकानें नियमों को ताक पर रखकर बनाई गई थीं। न तो इन दुकानें के नक्शे पास नहीं थे और न ही अन्य दस्तावेज। नगर निगम द्वारा इन दुकानों के संचालकों को कई बार नोटिस जारी किए, लेकिन इनके संचालकों द्वारा इन नोटिसों का कोई जवाब नहीं दिया। जिसके बाद निगम ने कार्रवाई अमल में लाई।

निगम अधिकारियों के मुताबिक नगर निगम एरिया में जितने भी दुकान व मकान नियमों को ताक पर रखकर बनाए हुए हैं, उन सभी चिह्नित किया जा रहा है। जल्दी ही उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एटीपी लखमी सिंह तेवतिया ने बताया कि शहर में नियमों को ताक पर रखकर दुकानों व मकानों का निर्माण करने वालों के खिलाफ निगम द्वारा कार्रवाई की जा रही है। कुछ माह पहले उन्होंने जिमखाना क्लब के पास बनाई जा रही आठ दुकानों के मालिकों व मॉडल टाउन में दो स्थानों पर बनाए जा रही दुकानों के मालिकों को नोटिस दिए थे।

जिमखाना क्लब के पास बिना नक्शा पास कराए बनाई दुकानों को सील करती निगम की टीम, दुकान सील करने की कार्रवाई करती निगम की टीम।

निर्माण के लिए नक्शा पास कराना जरूरी

एटीपी लखमी सिंह तेवतियां ने कहा कि शहर में हर नए निर्माण के लिए नगर निगम से नक्शा पास कराना जरूरी है। यहां तक कि यदि पुराने मकान या दुकान को तुड़वाकर नया बनवाना हो तो उसके लिए भी नक्शा पास कराना जरूरी होता है। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि वे नगर निगम से अपना नक्शा पास कराने के बाद ही निर्माण कराएं। यदि कोई व्यक्ति नक्शा पास कराए बिना कोई निर्माण कार्य करेगा, उनके भवन का ध्वस्त कर दिया जाएगा।

इनके द्वारा नक्शा पास कराए व अन्य दस्तावेजों को पूरा किए बिना निर्माण कराया जा रहा था, लेकिन नोटिस के बावजूद इनके द्वारा न तो निगम से नक्शा पास कराया और न ही अन्य दस्तावेज पूरे कराए। कई नोटिस देने के बाद भी इनके द्वारा न तो नक्शा पास कराया और न ही अन्य दस्तावेज जमा कराए। उन नियमों का पालना नहीं किया, जो निर्माण के दौरान करना चाहिए था। इन दुकानों को सील करने के लिए नगर निगम आयुक्त आयुष सिन्हा के निर्देशों पर एमई मुनेश्वर भारद्वाज को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया और सील करने के लिए टीम गठित की गई। टीम में उनके साथ बिल्डिंग इंस्पेक्टर नरेश, रामपाल माण, शहर थाना पुलिस कर्मी व होमगार्ड के जवानों को शामिल किया गया। शुक्रवार सुबह इन टीम ने कार्रवाई करते हुए जिमखाना क्लब के पास एक के बाद एक आठ दुकानों को सील कर दिया। इस दौरान निगम की टीम द्वारा दुकानों पर नोटिस चस्पाया गया कि निगम की अनुमति के बिना दुकान की सील तोड़ने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा निगम की टीम मॉडल टाउन में भी पहुंची। लेकिन यहां दोनों दुकानदारों द्वारा स्टे आर्डर दिखाया। जिस पर सीलिंग की कार्रवाई नहीं की गई।

रोडवेज कर्मियों ने डिपो महाप्रबंधक के नाम सौंपा ज्ञापन

यातायात प्रबंधक को ज्ञापन सौंपते यूनियन के सदस्य।

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र डिपो प्रांगण में हरियाणा रोडवेज जागृति मंच डिपो कमेटी द्वारा एक गेट मीटिंग का आयोजन किया गया। संचालन डिपो प्रधान राजिन्द्र कुमार व सचिव नरेश सैनी ने संयुक्त रूप से किया और अध्यक्षता संगठन सचिव प्रदीप कुमार व विक्रम सिंह तथा गुरमीत सिंह ने सयुंक्त रूप से की।

मीटिंग के दौरान डिपो प्रधान राजिन्द्र कुमार ने बताया कि चालक-परिचालक का हाजिरी रजिस्टर सार्वजनिक किया जाए, बस स्टैंड पर अवैध वाहनों के आने-जाने पर रोकथाम लगाई जाये, कर्मचारियों के लम्बित केसों का निपटारा किया जाए और ब्लॉक वर्ष 2020-23 की एलटीसी दी जाए। डिपो सचिव नरेश सैनी ने बताया कि 2016 में नियुक्त चालकों के रात्रि भत्ते तथा वेतन का भुगतान भी अन्य कर्मचारियों की तरह किया जाए और डेपूटेशन पर अन्य डिपो में कर्मचारियों के रात्रि भत्ते का भुगतान किया जाए। संगठन सचिव प्रदीप कुमार ने बताया कि मुख्यालय द्वारा जारी आदेशानुसार चालक-परिचालक का ट्रेनिंग पीरियड उनकी सर्विस में जोड़कर एसीपी का लाभ दिया जाय, डिपो में खुला दरबार लगाया जाये, कार्यशाखा द्वारा सभी चालक-परिचालक कर्मचारियों से एक समान ड्यूटी ली जाये, मुख्यालय द्वारा जारी आदेशानुसार जूनियर कर्मचारियों से उनके मूल पद अनुसार मार्ग ड्यूटी ली जाए। राज्य उप-प्रधान राजबीर सैनी ने बताया कि मुख्यालय द्वारा जारी आदेशानुसार सभी यूनियनों के पदाधिकारियों से उनके मूल पद पर ड्यूटी ली जाये, डिपो प्रशासन द्वारा सभी यूनियन पदाधिकारियों के मार्ग ड्यूटी के आदेश तो जारी कर दिए हैं, परन्तु अपने चहेतों को ब्रांच इंचार्ज द्वारा रिलीव नहीं कराया है और विभाग द्वारा सीईटी पेपर और कपालमोचन मेले में ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों को उनके देय लाभ दिए जाए। राजीव शर्मा ने भी कहा कि ड्यूटी सैक्शन में लम्बे समय से कार्य कर रहे कर्मचारियों को बदला जाये, सभी चालक-परिचालकों को कन्फर्म किया जाये।

संक्षिप्त समाचार

आर्य कन्या महाविद्यालय में करियर मेले का आयोजन

आर्य कन्या महाविद्यालय में मुख्य अतिथियों का स्वागत करते प्राचार्य डॉ. आरती त्रेहन व अन्य।

कुरुक्षेत्र/शाहाबाद। आर्य कन्या महाविद्यालय में करियर गाइडेंस एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा करियर मेले का आयोजन किया गया। आयोजन में जिला रोजगार अधिकारी सीमा सैनी, जिओ स्मार्ट एसोसिएट ट्रेनी विक्रम वर्मा, इमीग्रेशन लॉयर ऑस्ट्रेलिया वरुण आइल्स कोऑर्डिनेटर पूजा ने रिसोर्स पर्सन की भूमिका निभाई। मेले का शुभारंभ मेहमानों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. आरती त्रेहन ने सभी मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। प्राचार्य ने छात्राओं को संबोधित करते हुए इस तरह के कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। जिओ स्मार्ट ट्रेनी के अधिकारी विक्रम वर्मा व उनकी टीम ने बताया कि किस प्रकार पढ़ाई के साथ-साथ घर पर बैठकर कमाई कर सकते हैं। जिला रोजगार अधिकारी सीमा सैनी ने प्रतिस्पर्धा व योग्यता परीक्षा एवं इंटरव्यू के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर शैली, हिमानी, रोजी, सुरभि, अंकिता, एकता और शिवानी शर्मा मौजूद रहे।

रसायन विज्ञान का दैनिक जीवन में मूल्यवान महत्व

मारकंडा नेशनल कॉलेज में आयोजित राज्य स्तरीय रसायन विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते मेहमान।

कुरुक्षेत्र/शाहाबाद। मारकंडा नेशनल कॉलेज में रसायन विज्ञान विभाग द्वारा राज्य स्तरीय रसायन विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। यह प्रतियोगिता रसायन विज्ञान विभाग कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र, इंदिरा गांधी नेशनल कॉलेज लाडवा व राजीव गांधी गवर्नमेंट कॉलेज साहा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ इंदिरा गांधी नेशनल कॉलेज लाडवा के प्राचार्य डॉ. रवीश कुमार चौहान ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। एमएन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार ने मेहमानों का स्वागत किया। मुख्यातिथि डॉ. रवीश कुमार चौहान ने कहा कि रसायन विज्ञान बहुत ही सरल व गुणकारी विषय है जिसके माध्यम से विभिन्न प्रकार की दवाइयों, संसाधनों आदि के बारे में जानकारी मिलती है। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में 10 महाविद्यालय की टीमों ने भाग लिया। इस मौके ईशान, शशिकांत, मनोज, विनोद और अश्वनी मौजूद रहे।

किडजी स्कूल में वार्षिक प्रतियोगिताओं का किया आयोजन

विजेताओं को पुरस्कृत करते स्कूल के प्रबंधक परमिंदर बाठ व अन्य।

कुरुक्षेत्र। किडजी स्कूल सेक्टर-3 के विद्यालय में वार्षिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। नर्सरी कक्षा के बच्चों ने पेपर बॉल में भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान पर अद्वित, विहान, विहान भाटिया, विहान, शानवी ओजस, सिद्धार्थ, एवलीन रहे और द्वितीय स्थान पर हार्दिक, तनिष, दक्षिता, दिव्यांश, रचिता, इवान, दक्ष, निरवी रहे और तृतीय स्थान पर अक्षज, कनुप्रिया, मायरा, देवांश, इनाक्षी, हिताशी, जिद्धार्थ, काव्या रहे। कक्षा जूनियर केजी के बच्चों ने होप एंड जंप रेस, फ्रॉग रेस, बोल एंड इन बकेट रेस में भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान पर काव्यांश, निशांत, ध्वनि, अयान, जोहान, मानवी रहे और द्वितीय स्थान पर जयंत, वीर, तेगवीर, काव्या, ऋषभ, दीपांशु रहे और तृतीय स्थान पर कायरा, अरमान, ध्रुवी, गुरुशरण, प्रगुण, लवित रहे। कक्षा सीनियर केजी के बच्चों ने हर्डल रेस, पैक द बैग गेम में भाग लिया। जिसमें प्रथम स्थान पर एलन, समर, अर्णव गुरनूर, वाणी अरविंन रहे और द्वितीय स्थान पर सिद्धांत अनिका रवनीक रमनजोत काव्या रक्षिका रहे और तृतीय स्थान पर अगम, मानविक, दिव्यांश चौधरी, गरव छाबड़ा, युवराज, भूवेश रहे। स्कूल के प्रबंधक परमिंदर बाठ ने बच्चों को खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया और बच्चों को खेलकूद के लाभ से अवगत कराया।

फसल अवशेष योजना के तहत प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि वितरण का कार्य शुरू : शर्मा

अधिकारियों को संबोधित करते हुए एसडीएम कपिल शर्मा।

शाहाबाद। बीडीपीओ कार्यालय शाहाबाद में एसडीएम कपिल शर्मा की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कृषि विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, पटवारी एवं पंचायत विभाग के सचिवों ने भाग लिया। एसडीएम कपिल शर्मा ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिन किसानों ने अपनी फसल के फानों में आग न लगाकर अपनी पराली का प्रबंधन किया है, उन सभी किसानों को एक हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि उन किसानों के फार्म जल्दी से जल्दी वेरीफाई करके उपनिदेशक कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में जमा करवाएं। एसडीएम कपिल शर्मा ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि अगर किसी कर्मचारी के काम करने में कोई कोताही बरती, तो उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने सभी किसानों को आह्वान किया कि वह अपने फार्म खंड कृषि अधिकारी कार्यालय शाहाबाद में दो दिन के अंदर जमा करवाएं। इसके साथ उन्होंने कहा कि जिन किसानों के पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत 2000 रुपये तिमाही किस्त नहीं आई है वह किसान संबंधित बैंक में जाकर अपनी बैंक की केवाईसी व डीबीटी करवाएं ताकि उन किसानों को यह राशि प्राप्त हो सके।

जयराम कन्या महाविद्यालय में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन दी

कुरुक्षेत्र। श्री जयराम शिक्षण संस्थान के अंतर्गत संचालित सेठ नवरंग राय लोहिया जयराम कन्या महाविद्यालय लोहार माजरा में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन रेडक्रॉस सोसाइटी कुरुक्षेत्र के सहयोग से स्थापित की गई। इसका उद्देश्य छात्राओं को बहुत कम दाम पर सेनेटरी पैड उपलब्ध कराना है। इसमें साथ ही उचित तरीके से पैड को नष्ट करने की भी सुविधा होगी। इस मशीन का संचालन रेडक्रॉस प्रकोष्ठ द्वारा किया जाएगा, इसके लिए बकायदा एक महिला कर्मचारी को ट्रेनिंग भी दी जाएगी। मशीन में 500 पैड की व्यवस्था है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुदेश रावल ने रेडक्रॉस सोसाइटी कुरुक्षेत्र के सचिव रणदीप श्योकंद व सहायक सचिव रमेश चौधरी को इस मशीन को उपलब्ध करवाने के लिए धन्यवाद किया व उनसे भविष्य में इसी तरह के सामाजिक कार्यों में सहयोग की अपेक्षा की है। डॉ. सुदेश रावल ने कहा कि छात्राओं व महिलाओं को स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए जिससे कि हमारा आने वाला भविष्य सुरक्षित हो सके।

रविवार को होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलन को अभूतपूर्व बनाने में जुटी भाजपा

बेदी ने लगाई संगठन अध्यक्षों की ड्यूटियां

पायनियर समाचार सेवा। शाहाबाद।

भाजपा के सभी कार्यकर्ता एवं सभी पदाधिकारियों, नवनिर्वाचित भाजपा समर्थित जिला परिषद सदस्यों, पंचायत समिति सदस्यों और सरपंचों-पंचों के लिए भाजपा का एक विशाल सम्मेलन लाडवा रोड स्थित एक निजी पैलेस में रविवार को होगा। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य पार्टी संगठन को मजबूत करना और 2024 में होने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनाव पर विचार-विमर्श करना है। इस कार्यकर्ता सम्मेलन को अभूतपूर्व बनाने में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव एवं पूर्व राज्य मंत्री कृष्ण बेदी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

शुक्रवार को बेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को दोपहर दो बजे यह सम्मेलन आरम्भ होगा, जिसमें उनके साथ कुरुक्षेत्र के सांसद नायब सैनी, जिला अध्यक्ष रवि बतान भी पधारेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन को अभूतपूर्व बनाने के लिए विधानसभा क्षेत्र शाहाबाद के मंडल अध्यक्ष मुलखराज गुम्बर, धुराला मण्डल अध्यक्ष विक्रम अटवान और नलवी मंडल अध्यक्ष सरबजीत के साथ बैठक करके ड्यूटियां लगा दी गई हैं। उन्होंने सक्रिय सदस्यों से आह्वान किया कि सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर सम्मेलन को सफल बनाए।

अपने निवास स्थान पर मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक करते कृष्ण बेदी।

गुजरात के परिणाम, 2024 की पटकथा : कृष्ण बेदी

बेदी ने कहा कि गुजरात विधान सभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की 182 में से 158 सीटों के बाद एकतरफा जीत ने 2024 के चुनावों की पटकथा लिख दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस तरह का जनादेश गुजरात की जनता ने भारतीय जनता पार्टी को दिया है, उसी तरह 2024 के लोकसभा चुनावों और विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी पहले से भी अधिक सीटें जीत कर केंद्र और प्रदेश में सरकार बनाएगी।

कठिन परिश्रम से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

जोनल स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में अग्रसेन पब्लिक स्कूल कुरुक्षेत्र ने प्रथम तथा विजडम वर्ल्ड स्कूल कुरुक्षेत्र ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर कुरुक्षेत्र जिले का नाम रोशन किया।

जिला शिक्षा अधिकारी बलजीत सिंह मलिक ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों तथा विद्यालय मुखियाओं को बधाई देते हुए कहा कि कठिन परिश्रम से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों से जीवन में कठिन परिश्रम करने का आह्वान किया। जिला विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. तरसेम कौशिक ने बताया कि जोनल स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल जगाधरी में हो रहा है। इस प्रतियोगिता में पाँच जिलों कुरुक्षेत्र, कैथल, यमुनानगर, अम्बाला तथा पंचकूला से कुल पच्चीस टीमों ने सहभागिता की। जिला कुरुक्षेत्र से 5 टीमों, राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुरुक्षेत्र, अग्रसेन पब्लिक स्कूल कुरुक्षेत्र, महाराणा प्रताप पब्लिक स्कूल कुरुक्षेत्र, श्रीमहावीर जैन पब्लिक स्कूल कुरुक्षेत्र तथा विजडम वर्ल्ड स्कूल कुरुक्षेत्र ने सहभागिता की। जिला विज्ञान विशेषज्ञ डॉक्टर तरसेम कौशिक ने भी विजेता टीमों को बधाई दी तथा राज्य स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी।

विजेताओं को पुरस्कृत करते अतिथिगण।

महिला से चेन छीनने के आरोपियों को पांच साल कारावास की सजा

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. अमित कुमार गर्ग की अदालत ने महिला से चेन छीनने के आरोपी विशाल उर्फ शालु पुत्र विजय शर्मा, राकेश उर्फ तोता पुत्र रामफल वासीयान मटोर थाना कलायत जिला कैथल को पांच साल कारावास व 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जिला उप न्यायावादी संदीप सिंगला ने बताया कि 16 अगस्त 2020 को थाना शहर थानेसर निवासी एक महिला ने थाना शहर थानेसर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने पति के साथ सेक्टर 13 में सड़क पर सैर कर रही थी। समय करीब आठ बजे शाम को एक युवक उसके गले से सोने की चेन छीन कर बाइक पर बैठकर फरार हो गया। शिकायत पर थाना शहर थानेसर में मामला दर्ज करके आरोपी विशाल, राकेश निवासी जिला कैथल को गिरफ्तार किया था। नियमित सुनवाई करते हुए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. अमित कुमार गर्ग की अदालत ने गवाहों व सबूतों के आधार पर चेन छीनने के आरोपी विशाल व राकेश को पांच साल कारावास व 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

सड़क सुरक्षा के प्रति छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

पायनियर समाचार सेवा। शाहाबाद

गांव जंधेड़ी के राष्ट्रीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा व यातायात के नियमों के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। इस दौरान विद्यालय के छात्र व शिक्षक उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सड़क सुरक्षा, यातायात नियम, हेलमेट सीट बेल्ट का उपयोग, इमरजेंसी सेवाएं, साइनेज, ट्रैफिक लाइट, हैंड साइन, इमरजेंसी सेवा सहित अन्य संबंधित तथ्यों के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। छात्रों को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य शिवचरण गर्ग ने कहा कि प्रतिवर्ष देश में व राज्य में हजारों की संख्या में सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। जिससे काफी लोगों की मृत्यु हो जाती है। इन सब को देखते हुए हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है कि सड़क दुर्घटना के नियंत्रण के लिए सड़क सुरक्षा से संबंधित नियमों का पालन करें तथा अपने घर परिवार के सदस्यों, मित्रों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करें।

आचार्य लक्ष्मी प्रसाद शास्त्री ने भी छात्रों को जागरूक करते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन सभी के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सड़क दुर्घटनाएं किसी व्यक्ति विशेष कि नहीं होती सड़क दुर्घटना किसी के साथ भी हो सकती है। जिसके कारण परिवार को बहुत बड़ी क्षति पहुंचती है। हरजीत सिंह, सुखविंदर सिंह, मुकेश शर्मा, मुनीश जिंदल, मनीषा भारती, रविंदर कौर व विरेंद्र कौर सहित स्कूल स्टाफ मौजूद था।

गांव जंधेड़ी के राष्ट्रीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सड़क सुरक्षा पर छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए प्राचार्य।

ग्रामीणों क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर सरकार का है पूरा फोकस : संदीप

ग्रामीणों को संबोधित करते खेल मंत्री संदीप सिंह।

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के खेल एवं युवा मामले मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में युवा रोजगार पर सरकार पूरा ध्यान दे रही है। इसके लिए कौशल रोजगार पोर्टल पर सभी युवा अपना आवेदन करें। जिसकी जैसी योग्यता होगी। उसे वैसा ही रोजगार बिना किसी भेदभाव के उपलब्ध कराया जाएगा।

खेल मंत्री गांव असमानपुर में सरपंच अमनजीत कौर एवं प्रवीण कुमार की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी। खेल मंत्री ने मौके पर ही एक्सईएन पब्लिक हेल्थ को गांव में पीने के पानी की क्वालिटी में सुधार लाने के निर्देश दिए। ग्रामीणों की तरफ से खेल मंत्री के संज्ञान में लाया गया था कि गांव में पीने का पानी स्वच्छ नहीं है। जिसके बाद उन्होंने अधिकारियों को मौके का मुआयना कर समस्या तुरंत दूर करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही गांव की पानी निकासी को लेकर भी खेल मंत्री ने अधिकारियों को कहा। उन्होंने बाजीगर समाज की चौपाल के लिए दो लाख का अनुदान देने की घोषणा भी की। युवाओं की मांग पर खेल मंत्री ने उन्हें क्रिकेट और वॉलीबॉल की किट के लिए 50 हजार की राशि देने की घोषणा की।

टेक्नो ने लॉन्च किया पोवा 4: एक अल्टीमेट परफॉर्मेंस स्मार्टफोन 6 एनएम हीलियो जी99 प्रोसेसर के साथ केवल 11,999 रुपये में

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम /नोएडा

ग्लोबल प्रीमियम स्मार्टफोन ब्रैंड टेक्नो मोबाइल ने परफॉर्मेंस ओरिएंटेड पोवा सीरीज में पोवा 4 को पेश किया है, जो कंपीटीटिव प्राइस पर उपयोगकर्ता को जबरदस्त पावर और स्पीड देने के लिए जानी जाती है। मल्टीटास्कर और गेमर्स इस फोन से जबरदस्त परफॉर्मेंस की उम्मीद कर सकते हैं, क्योंकि पोवा 4 में अभूतपूर्व फीचर्स जैसे 6एनएम हीलियो जी99 प्रोसेसर, एक इनबिल्ट डुअल गेमिंग इंजन जिसमें हाईपर इंजन 2.0 लाइट और पैंथर इंजन दिया गया है।

स्मार्टफोन डिजिटली तौर पर समझदार जेनरेशन जेड के उपयोगकर्ता को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जो अपने स्मार्टफोन पर कई सारे एप्लिकेशंस एक साथ चलाते हैं, बड़ा डेटा फोन में रखते हैं, और जो हमेशा ऐसा स्मार्टफोन ढूंढते हैं जो जबरदस्त परफॉर्मेंस और बड़ी मैमोरी के साथ आता है। टेक्नो पोवा 4 उपयोगकर्ता की इन सभी तरह की आवश्यकताओं को पूरा करता है। नया लॉन्च हुआ

टेक्नो पोवा 4 अमेजन और जियो मार्ट पर 13 से उपलब्ध होगा

पोवा4 मैमोरी फ्यूजन टेक्नोलॉजी के साथ 13 जीबी रैम से लोडेड है, इसके साथ इसमें 128जीबी स्टोरेज और एक 6000एमएएच की विशाल बैटरी के साथ 18डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट है। फोन में 6.8 इंच साइज का 90एच5 रिफ्रेश रेट वाला डिस्प्ले कवर्ड क्रेटर डिजाइन बॉडी में दिया गया है। स्मार्टफोन तीन शानदार कलर्स क्रायोलाइट ब्लू, यूरानॉलिथ ग्रे और मैग्मा ओरेंज में आता है।

टेक्नो मोबाइल इंडिया के सीईओ अरिजीत तालपात्रा ने नई लॉन्च हुई पोवा सीरीज के बारे में कहा, जैसा की कंज्यूमर्स विकास के साथ-साथ डिजिटल तौर पर भी समझदार हो रहे हैं, स्मार्टफोन से उनकी उम्मीदें भी बढ़ रही हैं, और इसमें कई तरह के इस्तेमाल जैसे काम-काज, सीखना और मनोरंजन भी शामिल है। लोग एक दूसरे से जुड़े रहने के लिए स्मार्टफोन पर अधिकतर समय व्यतीत करते हैं, तो गेमिंग कम्यूनिटी भी तेजी से विकास कर रही है और इसीलिए हाई परफॉर्मेंस अफॉर्डेबल गेमिंग स्मार्टफोन की मांग बढ़ती जा रही है। पोवा प्रोडक्ट लाइन के साथ हम उपयोगकर्ताओं को एक अल्टीमेट पावरहाउस सीरीज उपलब्ध करवा रहे हैं जो की स्पीड, परफॉर्मेंस और एक्सिलेंस तीनों चीजें देने का वादा करती है। सेगमेंट फर्स्ट इनोवेशन के साथ हम पोवा 4 सीरीज को पेश करते हुए बहुत आनंदित महसूस कर रहे हैं जो कि इकलौता स्मार्टफोन है जो हीलियो जी99 प्रोसेसर और 13 जीबी रैम के साथ 15 हजार रुपये के नीचे के सेग्मेंट में आता है। हमें विश्वास है कि यह बहुत सफल होगा और मार्केट में एक मानक तय करेगा जिसे दूसरे भी फॉलो करेंगे।

आश्चर्यजनक रूप से फीचर्स से भरपूर टेक्नो पोवा 4 की कीमत 11,999 भारतीय रुपये है।

कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने सरकार पर साधा निशाना, कहा

नोटबंदी के समय 18 लाख करोड़ रुपये की नगदी थी, अब हुई 30 लाख करोड़

चौधरी ने कहा, देश के आर्थिक हालात जर्जर हो चुके हैं

सांसद निशिकांत दुबे बोले, कांग्रेस के कारण बढ़ रहा देश में काला धन

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने नोटबंदी के संदर्भ में शुक्रवार को सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस कदम के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिन उद्देश्यों का उल्लेख किया था, उनमें से एक भी पूरा नहीं हुआ।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद निशिकांत दुबे ने इस पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस के कारण काला धन बढ़ा है और वह काला धन रखने वालों का समर्थन करती है।

चौधरी ने सदन में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए दावा किया, देश के आर्थिक हालात जर्जर हो चुके हैं। इसका मुख्य कारण बिना सोचे-समझे नोटबंदी लागू करना है। आज साबित हो गया है कि नोटबंदी का एक भी मकसद पूरा नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि काला धन वापस आएगा, जाली नोट नहीं बचेंगे, आतंकवाद खत्म हो जाएगा। एक भी बात पूरी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि नोटबंदी के समय देश में 18 लाख करोड़ रुपये नकदी चलन में थी। जो अब 30 लाख करोड़ रुपए हो चुकी है। इसके बाद निशिकांत दुबे ने कहा कि नोटबंदी के बारे में रिजर्व बैंक ने बताया कि यह कदम सोच-समझकर उठाया गया था। उन्होंने दावा किया, कांग्रेस के कारण काला धन बढ़ गया।

कांग्रेस भ्रष्टाचारियों, बांग्लादेशियों के साथ है। यह टुकड़े-टुकड़े गैंग का समर्थन करती है। शून्यकाल के दौरान बीजू जनता दल के भर्तृहरि महताब ने कहा कि जितने भी स्वतंत्रता सेनानी जीवित हैं, उनका सम्मान तो अमृतकाल में होना ही चाहिए, साथ ही स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को देशभक्तों के परिवार के रूप में पहचान पत्र दिया जाना चाहिए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के हसनैन मसूदी ने सरकार से सेबों की पैकेजिंग से जीएसटी हटाने की मांग की और कहा कि सेब बागबानों और व्यापारियों को राहत दी जानी चाहिए। कांग्रेस के कोडिकुनिल सुरेश ने प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति से जुड़ा विषय उठाते हुए कहा कि अनुसूचित जाति, जनजाति और अल्पसंख्यकों वर्गों के कक्षा आठ तक के बच्चों को छात्रवृत्ति से उपेक्षित किया गया है जो भेदभाव वाला फैसला है।

कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय अपने फैसले पर पुनर्विचार करे और इन वर्गों के बच्चों के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति को बहाल किया जाए। भाजपा के सुशील कुमार सिंह, कनक मल कटारा, कांग्रेस के मनीष तिवारी और कुछ अन्य सदस्यों ने लोक महत्व के अलग-अलग मुद्दे शून्यकाल में उठाए।

मुरलीधरन बोले पासपोर्ट सेवाओं में आया बड़ा सुधार

नई दिल्ली। विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद से देश में पासपोर्ट सेवाओं में 500 प्रतिशत सुधार दर्ज किया गया है। लोकसभा में मोहनभाई कुंडारिया के प्रश्न के लिखित उत्तर में मुरलीधरन ने बताया कि विदेश मंत्रालय पासपोर्ट जारी करने की गति को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयत्नशील है।

उन्होंने कहा, पिछले आठ वर्षों में पासपोर्ट सेवाओं में काफी सुधार हुआ है। मैं कहूंगा कि 500 प्रतिशत हुआ है। विदेश राज्य मंत्री ने कहा कि 2014 से पहले पासपोर्ट आवेदनों की जांच करने वाले कार्यालयों की संख्या 110 थी जो अब बढ़कर 550 हो गई है। उन्होंने कहा कि सभी तरह के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि कोई पासपोर्ट से वंचित न रहे।

यूपीएससी, केंद्र व नगालैंड 19 दिसंबर तक डीजीपी की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करें : कोर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने संघ लोक सेवा आयोग को 60 दिनों की मोहलत देने से किया इनकार

न्यायालय ने कहा आदेश के अनुपालन में नाकामी पर कानून के तहत दंडात्मक कदम उठाएंगे

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को नगालैंड सरकार, केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) और यूपीएससी को 19 दिसंबर तक राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की नियुक्ति की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ ने नागालैंड पुलिस प्रमुख की नियुक्ति से संबंधित प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा मांगी गई 60 दिनों की मोहलत देने से इनकार कर दिया।

न्यायालय ने कहा कि उसके आदेश के अनुपालन में नाकामी पर कानून के तहत दंडात्मक कदम उठाए जा सकते हैं। शीर्ष अदालत ने जुलाई 2018 में देश में पुलिस सुधारों पर कई निर्देश पारित किए थे और सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को किसी भी पुलिस अधिकारी को कार्यवाहक डीजीपी के रूप में नियुक्त करने से रोक दिया था, ताकि ऐसी उच्च-स्तरीय नियुक्तियों में पक्षपात और भाई-भतीजावाद से बचा जा सके। प्रक्रिया के अनुसार यूपीएससी को राज्य सरकार और अन्य हितधारकों के परामर्श से तीन वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की एक सूची तैयार करनी है और उनमें से राज्य किसी एक को डीजीपी के रूप में नियुक्त कर सकता है।

वर्तमान में, 1991 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी टीजे लोंगकुमेर नगालैंड डीजीपी के रूप में कार्यरत हैं। लोंगकुमेर को 27 जून 2018 को डीजीपी के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें पिछले साल 31 अगस्त, 2022 तक एक साल का विस्तार दिया गया था। इसके बाद उन्हें अगले साल फरवरी तक छह महीने का विस्तार दिया गया। शीर्ष अदालत डीजीपी की नियुक्ति पर शीर्ष अदालत के पहले के निर्देशों को लागू करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही है।

दिल्ली सरकार की राशन की योजना को अदालत ने नामंजूर किया था : केंद्र

नई दिल्ली। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि घर-घर राशन पहुंचाने की दिल्ली सरकार की योजना को अदालत ने नामंजूर किया था।

गोयल ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि घर-घर राशन पहुंचाने की योजना को केंद्र ने नहीं बल्कि अदालत ने नामंजूर किया था। उन्होंने कहा कि देश में कानून है और उसी के अनुसार देश चलता है और कानून के जरिए ही गड़बड़ी पर रोक लगाई जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार इस योजना के जरिए गड़बड़ी करना चाहती है और वह गड़बड़ी को संस्थागत रूप देना चाहती है। इससे पहले आम आदमी पार्टी (आप) सदस्य संजय सिंह ने सवाल किया था कि अरविंद केजरीवाल सरकार की इस योजना को क्यों नहीं मंजूरी देना चाहती है, जो गरीबों को लाभ पहुंचाने वाली है। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि सार्वजनिक वितरण की दुकानों में गड़बड़ी होती है।

चीन की अंतरिक्ष गतिविधियों पर नजर रख रहा अमेरिका

एजेंसी। बीजिंग

पृथ्वी की निचली कक्षा में एकत्रित होते मलबे पर अमेरिका की नजर

पृथ्वी की निचली कक्षा में तेजी से इकट्ठे होते मलबे के बीच अमेरिका चीन की उन गतिविधियों पर करीबी नजर रख रहा है, जो अंतरिक्ष में अमेरिकी संपत्ति को संभावित रूप से खतरे में डाल सकती हैं। अंतरिक्ष में अमेरिका के सैन्य अभियान के प्रमुख ने शुक्रवार को यह बात कही।

यूएस स्पेस कमांड आर्मी के कमांडर जनरल जेम्स डिकिंसन ने संयुक्त राष्ट्र में उस प्रस्ताव के भारी मतों से पारित होने का स्वागत किया, जिसमें यह प्रावधान किया गया है कि देश सीधी उड़ान भरने वाली उपग्रह रोधी प्रणाली का परीक्षण नहीं करेंगे, जो बड़े पैमाने पर अंतरिक्ष मलबा पैदा कर उपग्रहों और अंतरिक्ष स्टेशन के अस्तित्व को खतरे में डालती हैं। जिन चार देशों ने इस तरह की उपग्रह रोधी प्रणाली का परीक्षण किया है, उनमें से सिर्फ अमेरिका ने इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। चीन और रूस ने जहां प्रस्ताव का विरोध किया, वहीं भारत मतदान से दूर रहा। एशिया के संवाददाताओं से टेलीफोन पर हुई बातचीत में जनरल डिकिंसन ने कहा, हम अंतरिक्ष में मौजूद मलबे को बढ़ाना जारी नहीं रख सकते। ज्यादातर मलबा पृथ्वी की अहम निचली कक्षा में मौजूद है, जो बहुत भरा हुआ और प्रतिस्पर्धा एवं संघर्ष का केंद्र बन गया है। अंतरिक्ष में वस्तुओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है और धातु के छोटे टुकड़े भी खतरा पैदा कर सकते है। बताया कि अमेरिकी स्पेस कमांड पृथ्वी की कक्षा के पास अभी 48 हजार से अधिक वस्तुओं की निगरानी कर रहा है।

विधानसभा में कश्मीरी पंडितों के लिए जम्मू कश्मीर हो आरक्षित सीट : सुशील मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

कहा, जम्मू कश्मीर विस में कश्मीरी पंडितों के वास्ते दो सीटें और पाक विस्थापितों के लिए एक सीट आरक्षित हो

राज्यसभा के भाजपा के एक सदस्य ने शुक्रवार को परिसीमन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप जम्मू कश्मीर विधानसभा में कश्मीरी पंडितों के वास्ते दो सीटें और पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्र के विस्थापितों के लिए एक सीट आरक्षित करने के लिए जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में संशोधन की मांग उठाई।

भारतीय जनता पार्टी के सुशील कुमार मोदी ने शून्यकाल के तहत उच्च सदन में यह मामला उठाया। उन्होंने कहा कि 1989 में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के कारण कश्मीर से लाखों कश्मीरी हिंदुओं को, खासकर कश्मीरी पंडितों को पलायन करना पड़ा। उन्होंने कहा कि नरसंहार और बलात्कार के दौर से गुजरने के बाद वह तीन दशक से ज्यादा समय से देश के अलग-अलग हिस्सों में बसे हुए हैं। मोदी ने कहा कि परिसीमन आयोग ने ऐसे कश्मीरी पंडितों के लिए राज्य विधानसभा में कम से कम दो सीटों का प्रावधान किए जाने की सिफारिश की है। साथ ही आयोग ने कहा कि उन्हें वैसे ही अधिकार दिए जाएं जो पुडुचेरी विधानसभा में मनोनीत होने वाले सदस्यों को दिया गया है।

भाजपा सदस्य ने कहा कि परिसीमन आयोग ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के विस्थापितों के लिए भी एक सीट आरक्षित करने का प्रावधान किए जाने की सिफारिश की है। उन्होंने कहा, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से आग्रह करूंगा की परिसीमन आयोग ने कश्मीरी पंडितों और विस्थापितों को विधानसभा में मनोनीत करने की जो सिफारिश की है, वह उसे लागू करने का प्रयास करें। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में संशोधन कर आरक्षण के प्रावधानों को लागू करें ताकि जब भी वहां विधानसभा का गठन हो, कश्मीरी पंडितों और विस्थापितों को इसका लाभ मिल सके।

पाकिस्तान पीएम शहबाज शरीफ ने कहा

दक्षेस में नई जान फूंकने को भूमिका निभाने के लिए तैयार है पाकिस्तान

एजेंसी। इस्लामाबाद

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि पाकिस्तान क्षेत्र की व्यापक क्षमताओं के इस्तेमाल के वास्ते दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) को पुनर्जीवित करने में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

उनकी टिप्पणी गुरुवार को दक्षेस घोषणा-पत्र दिवस के मौके पर आई। शरीफ ने ट्वीट किया, दक्षेस घोषणा-पत्र दिवस आज दक्षिण एशिया के देशों के बीच क्षेत्रीय विकास, संपर्क और सहयोग की विशाल क्षमता का दोहन न किए जाने की याद दिलाता है। उन्होंने यह भी कहा कि दक्षेस देशों के लोग इन अवसरों का लाभ न उठा पाने के शिकार थे और कहा, पाकिस्तान दक्षेस को पुनर्जीवित करने के लिए अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

दक्षेस के सदस्य देशों में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं। आठ सदस्यीय समूह ने अपनी स्थापना के बाद ढाई दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद कोई बहुत विशेष प्रगति नहीं की है।

भारतीय अमेरिकियों ने दान किया पांच लाख पाउंड से अधिक भोजन

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी संगठनों ने दिवाली के दौरान एक अभियान के तहत अमेरिका में गरीब व जरूरतमंद समुदायों को पांच लाख पाउंड से अधिक का भोजन दान किया। एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अमेरिका में धार्मिक समुदायों द्वारा आयोजित सेवा दिवाली अभियान ने इस वर्ष अमेरिका में 6,30,000 पाउंड से अधिक का भोजन दान किया, जिससे 32 राज्यों के 200 से अधिक संगठनों को मदद मिली जिसमें फूड पैंट्री, आश्रय स्थल, धार्मिक स्थल और स्कूल शामिल हैं। सेवा दिवाली के राष्ट्रीय समन्वयक अनिल कोठारी ने कहा, इस साल पांचवी बार सेवा दिवाली के जरिए सभी की भलाई के लिए लोगों को साथ लाने के मकसद से काम किया गया। पूरे देश में हमारे भागीदारों, समुदायों और अन्य लोगों की वजह से दिवाली की मूल भावना के तहत जरूरतमंदों के जीवन में रोशनी लाने का काम किया गया। प्लानो टेक्सास पुलिस विभाग ने फेसबुक पर सेवा दिवाली अभियान की सराहना की है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्लानो पुलिस विभाग ने 27,892 पाउंड भोजन को नोर्थ टेक्सास खाद्य बैंक तक पहुंचाने में मदद की।

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न ने कहा

चीन का रवैया निसंदेह पहले से अधिक आक्रामक हुआ

एजेंसी। वेलिंगटन

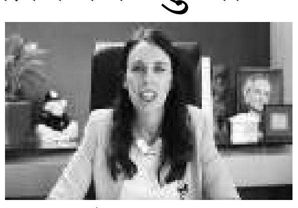

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री के रूप में अपने पिछले पांच के कार्यकाल पर गौर करते हुए जैसिंडा अर्डर्न ने कहा कि इस दौरान क्षेत्र में चीन का रवैया निस्संदेह पहले से अधिक आक्रामक हुआ है।

उन्होंने साथ ही सचेत किया कि छोटे प्रशांत देशों के साथ संबंध बनाना, दूसरे पर हावी होने की कोशिश करने का खेल नहीं बनना चाहिए। अर्डर्न ने द एसोसिएटेड प्रेस और ऑस्ट्रेलियन एसोसिएटेड प्रेस के साथ बृहस्पतिवार को एक संयुक्त साक्षात्कार में कहा कि राष्ट्रपति शी चिनफिंग के नेतृत्व में चीन हाल के वर्षों में बदल गया है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यदि मैं थोड़ा दूर से क्षेत्र को देखूं तो हमारे क्षेत्र में हमने जो कुछ बदलाव देखे हैं, उनमें से एक यह है कि हम अधिक आक्रामक चीन को देखते हैं। अर्डर्न ने कहा, इसके कई कारण होंगे। क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में उसका एकीकरण, चीन का विकास, उसके मध्यम वर्ग का विकास.. ऐसे कारणों की एक पूरी श्रृंखला है। उन्होंने कहा, आपने कई अलग-अलग मुद्दों और संबंधों पर अधिक मुखर दृष्टिकोण देखा है।

उसने सोलोमन द्वीप समूह के साथ एक सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किया और फिर सुरक्षा से लेकर मत्स्य पालन तक सभी क्षेत्रों को समेटने वाले व्यापक समझौते पर 10 प्रशांत देशों से हस्ताक्षर कराने का असफल प्रयास किया।

बीते आठ सालों में मेडिकल कॉलेजों में सीट बढ़ीं : मांडविया

2014 में 44 हजार एमबीबीएस सीटें थीं जो अब बढ़कर 96 हजार पहुंचीं

एजेंसी। नई दिल्ली

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को बताया कि देश में 2014 की तुलना में मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस सीटों की संख्या में अभी दोगुनी से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है और स्नातकोत्तर सीटों की संख्या 105 प्रतिशत बढ़ी है।

लोकसभा में गणेश सिंह के पूरक प्रश्न के उत्तर में मांडविया ने कहा कि सरकार देश में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा एवं शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। जिसमें मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, सीटों की संख्या में वृद्धि और आधारभूत ढांचे एवं सुविधाओं के बेहतर बनाना शामिल है। उन्होंने बताया कि हमारा प्रयास है कि देश में ऐसी मेडिकल शिक्षा मिल सके ताकि युवाओं को एमबीबीएस करने के लिए विदेशों में नहीं जाना पड़े। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने कहा कि इन प्रयासों के तहत ही वर्ष 2014 की तुलना में आज मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस सीटों की संख्या में दोगुनी वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2014 में 44 हजार एमबीबीएस सीटें थीं, जो अब बढ़कर 96 हजार हो गई हैं जबकि स्नातकोत्तर सीटों की संख्या 32 हजार से बढ़कर अभी 64 हजार हो गई है।

उन्होंने बताया कि जिलारेफरल अस्पतालों को उन्नत करते हुए नए मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लिए केंद्रीय प्रायोजित योजना के तहत 157 नए मेडिकल कॉलेज स्वीकृत किए गए जिनमें से 94 पहले से ही चालू हैं। मांडविया ने बताया कि एमबीबीएस और पीजी सीटों की संख्या में वृद्धि करके मौजूदा राज्य सरकारी/केंद्रीय सरकारी मेडिकल कॉलेजों को सुदृढ़ करने की योजना है।

हथियारों पर अधिक खर्च कर रहे लोग: दलाई लामा

धर्मशाला। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने एक शांतिपूर्ण दुनिया की स्थापना पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि लोग हथियारों पर बहुत पैसे खर्च कर रहे हैं, जो पूरी तरह से गलत है।

धर्मशाला में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन 'एसईई लर्निंग ए वर्ल्डवाइड इनिशिएटिव फॉर एजुकेटिंग द हार्ट एंड माइंड' के उद्घाटन सत्र में दलाई लामा ने कहा कि सच्ची करुणा खुद की रक्षा करने का सर्वश्रेष्ठ हथियार है। द दलाई लामा ट्रस्ट और एमोरी विश्वविद्यालय स्थित सेंटर फॉर कंटेम्प्लेटिव साइंस एंड कंपैशन बेस्ड एथिक्स संयुक्त रूप से इस सम्मेलन का आयोजन कर रहे हैं। दलाई लामा ने सम्मेलन में एकत्रित लोगों से कहा, लोग हथियारों पर बहुत पैसे खर्च कर रहे हैं और यह पूरी तरह से गलत है। हमें एक शांतिपूर्ण दुनिया, एक करुणामय दुनिया की स्थापना के बारे में सोचना होगा।

अमेरिकी सरकार भारत में वीजा संबंधी विलंब से अवगत है: व्हाइट हाउस

एजेंसी। वाशिंगटन

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन ज्यां-पियरे ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन भारत में वीजा आवेदन प्रक्रिया में हो रही देरी से वाकिफ है और वह इन वीजा सेवाओं संबंधी मांग को पूरा करने के लिए काम कर रहा है।

व्हाइट हाउस का बयान ऐसे समय में आया है, जब भारत में अमेरिकी मिशन में वीजा आवेदन प्रक्रिया पूरी होने में 1000 से अधिक दिन तक का समय लग रहा है। गैर-आप्रवासी वीजा, आगंतुक वीजा (बी-1, बी-2), छात्र वीजा (एफ-1, एफ-2) और अस्थाई कर्मचारी वीजा (एच, एल, ओ, पी, क्यू) के आवेदन भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल सहित कई एशियाई देशों व प्रशांत द्वीपों के दूतावासों में काफी समय से लंबित हैं। भारत में तो वीजा आवेदन प्रक्रिया पूरी होने में 1000 से अधिक दिन तक का समय लग रहा है, जिससे अमेरिका और विदेशों में एशियाई अमेरिकी व प्रशांत द्वीप वासी (एएपीआई) के परिवारों के साथ ही छात्रों, उद्योगपतियों और आगंतुकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रेस सचिव कैरिन ज्यां-पियरे ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैं कहना चाहूंगी कि बाइडन प्रशासन इससे अवगत है। ज्यां-पियरे ने कहा, हालांकि इसमें काफी सुधार हुआ है, जैसा कि आप जानते हैं क्योंकि आप इस पर काफी खबरें देख रहे हैं।

बाइडन के भाषणों का हिंदी, एशियाई भाषाओं में अनुवाद का अनुरोध

वाशिंगटन। अमेरिका की घरेलू राजनीति में एशियाई-अमेरिकियों की बढ़ती प्रभावशाली भूमिका को देखते हुए राष्ट्रपति द्वारा गठित एक आयोग ने व्हाइट हाउस से आग्रह किया है कि राष्ट्रपति जो बाइडन के सभी भाषणों का हिंदी और क्षेत्र की कई अन्य भाषाओं में अनुवाद किया जाए जो अधिक से अधिक अमेरिकियों द्वारा बोली जाती हैं। राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति द्वारा दिए गए भाषण केवल अंग्रेजी में उपलब्ध हैं और इस प्रकार 2.51 करोड़ से अधिक सीमित अंग्रेजी जानने वाली आबादी के लिए दुर्गम हैं। वर्तमान में बाइडन के भाषणों का अनुवाद उनकी भाषाओं में नहीं किया जा रहा है। एशियाई-अमेरिकियों, मूल निवासी हवाई और प्रशांत द्वीप समूह (एनएचपीआई) पर राष्ट्रपति के सलाहकार आयोग ने इस सप्ताह अपनी बैठक के दौरान यह सिफारिश की। बैठक के दौरान भारतीय-अमेरिकी समुदाय के नेता अजय जैन भूटोरिया द्वारा एक प्रस्ताव रखा गया था।

सिविल सेवा अधिकारी वंचितों के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाएं : राष्ट्रपति

मसूरी स्थित राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी के 97वें समापन समारोह में प्रशिक्षु से कहा

एजेंसी। देहरादून

कहा, एकेडमी में प्राप्त सैद्धांतिक मूल्यों का अनुसरण करते हुए पूरे आत्मविश्वास के साथ करें काम

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय सिविल सेवा के अधिकारियों से उपेक्षित और वंचित वर्गों के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाने, लड़कियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने और जलवायु परिवर्तन की समस्या के समाधान के लिए काम करने का शुक्रवार को आग्रह किया। मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी के 97वें आधारिक पाठयक्रम के समापन समारोह में प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, आप अपने प्रशिक्षण के दौरान जिन मूल्यों से अवगत हुए हैं, वे सिर्फ सैद्धांतिक दायरे तक ही सीमित नहीं रहने चाहिए। आप देश की जनता के लिए काम करते समय सामने आने वाली चुनौतियों और कठिनाइयों के दौरान भी इन मूल्यों का अनुसरण करते हुए पूरे आत्मविश्वास के साथ काम करें।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आपको समाज के वंचित वर्ग के लोगों के लिए संवेदनशील रवैया रखना होगा और यह गुण आपको पूरी सेवा अवधि में आत्मबल देगा। उन्होंने किसी भी कार्य की सफलता में पूरे समाज की भागीदारी को जरूरी बताते हुए कहा, मेरा मानना है कि अगर आप समाज के उपेक्षित और वंचित वर्ग के लोगों को ध्यान में रखते हुए अपने निर्णय लेंगे तो आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में अवश्य सफल होंगे। मैं आप सबसे अपील करती हूं कि भारत सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए जो भी जरूरी कदम उठा रही है, उन्हें आप पूरी तरह से लागू करें, ताकि हमारा आने वाला कल सुरक्षित हो सके। प्रशिक्षण के दौरान आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के तहत सिविल सेवा प्रशिक्षुओं के पूरे देश में स्वतंत्रता सेनानियों के 75 गांवों में समय बिताए जाने का जिक्र करते हुए मुर्मू ने कहा कि उन्हें इन महान आत्माओं से प्रेरणा लेते हुए आम आदमी बनकर देश की सेवा करनी चाहिए। उन्होंने सुशासन को समय की मांग बताते हुए कहा कि लोगों की समस्याओं को समझने के लिए आम लोगों से जुड़ना जरूरी है और इसके लिए उन्हें विनम्र बनना होगा ताकि वे उनकी भलाई के लिए काम कर सकेंगे।

मुर्मू ने अधिकारियों के बैच में 133 लड़की होने पर जताई खुशी

मुर्मू ने अधिकारियों के बैच में 133 लड़कियों के होने पर खुशी जताई और कहा कि देश के सर्वांगीण विकास के लिए पुरुषों और महिलाओं दोनों का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, इसलिए मैं आप सबसे, विशेषकर बेटियों से अपील करूंगी कि आप अपनी सेवा के दौरान जहां भी रहें, लड़कियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

ग्लोबल वॉर्मिंग के समाधान पर करें योगदान

राष्ट्रपति ने भूमंडलीय उष्मीकरण (ग्लोबल वॉर्मिंग) और जलवायु परिवर्तन की समस्याओं का भी जिक्र किया तथा अधिकारियों से इसके समाधान में योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, इस समस्या के समाधान के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है।

नए साल से नोएडा में गंगाजल की आपूर्ति बढ़ेगी

सिद्धार्थ विहार में यूपी जल निगम 50 क्यूसेक क्षमता का गंगाजल प्लांट बन रहा, निर्माण पर 304 करोड़ खर्च

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा शहर के आवासीय इलाकों में शुद्ध पेयजल मुहैया करवाने के लिए गंगाजल की आपूर्ति बढ़ने वाली है। गाजियाबाद के नोएडा से सटे इलाकों को भी यह लाभ मिलेगा। दरअसल, सिद्धार्थ विहार और नोएडा में 50 क्यूसेक गंगाजल की आपूर्ति बढ़ाने के लिए नया ट्रीटमेंट प्लांट बन रहा है।

इस प्रोजेक्ट की बाधा दूर हो गई है। एक व्यक्ति की प्राइवेट प्रॉपर्टी पाइप लाइन के रस्ते में बाधा बन रही थी। उत्तर प्रदेश जल निगम और जमीन मालिक के बीच सहमति बन गई है। जल निगम के अफसरों ने बताया कि नए साल की शुरुआत में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट गंगाजल की आपूर्ति शुरू कर देगा।

सिद्धार्थ विहार में उत्तर प्रदेश जल निगम 50 क्यूसेक क्षमता का गंगाजल प्लांट बना जा रहा है। इसके निर्माण पर 304 करोड़ खर्च किए जा रहे हैं। इस वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में नोएडा अथॉरिटी और आवास विकास परिषद की गाजियाबाद शाखा साझेदार हैं। इस प्लांट से 37.5 क्यूसेक गंगाजल नोएडा के आवासीय इलाकों में जाएगा। बाकी 12.5 क्यूसेक पानी की आपूर्ति आवास विकास परिषद की सिद्धार्थ विहार कॉलोनी में की जाएगी। जल निगम के अधिकारियों ने यूपी विधानसभा चुनाव से पहले इस प्लांट का निर्माण पूरा करने का वादा किया था। लेकिन अभी तक प्लांट का निर्माण पूरा नहीं हो पाया है। जल निगम से मिली जानकारी के मुताबिक अब इस प्लांट का निर्माण जल्दी पूरा हो जाएगा। मशीनें लगा ली गई हैं।

15 जनवरी के बाद मशीनों का ट्रायल शुरू होगा। जल निगम के अधीक्षण अभियंता वाईपी शर्मा का कहना है, इस प्लांट का निर्माण पूरा हो गया है। गंगाजल आपूर्ति में सबसे बड़ी बाधा नोएडा और गाजियाबाद के बीच डाली गई पाइप लाइन को जोड़ने में आ रही थी।

रास्ते में एक प्राइवेट प्लॉट है। उसके नीचे से पाइप लाइन डाली जानी है लेकिन प्लॉट मालिक ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर दी। यह मामला अब सुलझ गया है। नोएडा अथॉरिटी प्लॉट की कीमत मालिक को चुकाएगी। इसके बाद पूरी पाइप लाइन बिछाने का काम भी पूरा करेंगे। सिद्धार्थ विहार में 50 क्यूसेक गंगाजल प्लांट का निर्माण वर्ष 2018 में शुरू हुआ था। गाजियाबाद में मसूरी के पास गंगनहर से सिद्धार्थ विहार तक बिना शोधित गंगाजल प्लांट तक लाने के लिए 1500 एमएम व्यास की 20 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन डाली गई है।

एनएच-9 का निर्माण पूरा होने से पहले यह काम पूरा कर लिया गया था। इसके बाद प्लांट का निर्माण पूरा किया गया है। यह गंगाजल प्लांट चालू होने के बाद सिद्धार्थ विहार में आवास विकास परिषद की कॉलोनी में पेयजल संकट दूर होगा। यहां करीब एक लाख आबादी रह रही है। गाजियाबाद नगर निगम यहां पानी की आपूर्ति नहीं करता है।

आवास विकास परिषद फिलहाल नलकूप लगाकर पानी की आपूर्ति कर रहा है। आने वाले समय में यहां आबादी और बढ़ेगी। गंगाजल आपूर्ति शुरू होने से पानी का संकट नहीं होगा। विजय नगर क्षेत्र में तीन गंगाजल प्लांट बनकर तैयार हो गए हैं। सबसे पहले 50 क्यूसेक क्षमता का एक प्लांट बनाया गया।

अब मीटर यूनिट से आएगा पानी का बिल

नोएडा। नोएडा में जल्द ही यूनिट के हिसाब से पानी का बिल शहरवासियों को देना होगा। इसकी तैयारी की जा रही है। इसके लिए शहर में बड़े वाटर मीटर लगाए जा रहे है। पहले फेज में 370 वाटर मीटर लगाने का काम दिसंबर 31 तक पूरा कर लिया जाएगा। अब तक 70 वाटर मीटर लगाए जा चुके है। ये नोएडा की बड़ी सोसायटी में लगाए गए है।

प्राधिकरण ने बताया बड़े वाटर मीटर करीब 80 प्रतिशत आबादी को कवर करेगा। इसके अलावा औद्योगिक सेक्टरों में इन मीटर को लगाया जाएगा। प्राधिकरण ने बताया कि इसके बाद जनवरी से बल्क में छोटे वाटर मीटर लगाए जाएंगे।

ये मीटर आवासीय सेक्टरों में अलग से लगाए जाएंगे। इन मीटरों को टर्की से मंगवाया जा रहा है। इनकी संख्या करीब 22 हजार है। एक दिन में करीब 250 मीटर लगाने का लक्ष्य है।

इनके लगने के बाद वाटर मीटर की यूनिट के हिसाब से बिल जनरेट किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

अवैध शराब परोस रहे आरोपी पुलिस गिरफ्त में

अवैध बार पर छापेमारी, कोरियन समेत तीन गिरफ्तार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित एक मॉल में अवैध रूप से शराब परोसे जाने के मामले में एक दक्षिण कोरियाई नागरिक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आबकारी विभाग के एक दल ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर बृहस्पतिवार शाम नॉलेज पार्क इलाके में स्थित एक गेमिंग सेंटर पर छापा मारा। उन्होंने बताया कि विभाग ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान राहुल पाल, गौरव सिंह और कोरियाई नागरिक यांग जिन को के रूप में की गई है। जिला आबकारी अधिकारी आर बी सिंह ने बताया कि मौके से 17 केन बीयर और पांच बोतल कोरियन वाइन बरामद की गई। उन्होंने बताया कि तीनों आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

किशोरी से बलात्कार के मामले में पड़ोसी धरा

नोएडा। नोएडा में सातवीं कक्षा की एक छात्रा के साथ कथित रूप से बलात्कार करने के मामले में उसके पड़ोसी को गिरफ्तार किया गया है। थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में रहने वाले अशोक नाम के युवक ने उसके पड़ोस में रहने वाली 14 वर्षीय किशोरी से कथित रूप से किया। उन्होंने बताया कि पीड़िता सातवीं कक्षा की छात्रा है। उन्होंने बताया कि किशोरी की चिल्लाने की आवाज सुनकर उसकी मां मौके पर पहुंच गई। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है तथा किशोरी को चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जिसने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

भारत–तिब्बत समन्वय संघ ने निकाला मार्च

गाजियाबाद। भारत.तिब्बत समन्वय संघ ने गाजियाबाद के घंटाघर स्थित रामलीला मैदान में पैदल मार्च किया। रामलीला मैदान में तिब्बती मार्केट लगती है, यहां से मार्च निकाला गया। तिब्बती नागरिकों के मानवाधिकार की रक्षा के लिए लोग भारत के राष्ट्रीय ध्वज और तिब्बती ध्वज को एकसाथ लेकर चले। इस दौरान वे दलाई लामा का चित्र हाथ में लेकर विश्व शांति का संदेश भी दे रहे थे। इस मौके पर समन्वय संघ के क्षेत्रीय अध्यक्ष संदीप त्यागी ने कहा, चीन तिब्बती महिलाओं के मानवाधिकारों को कुचलना बंद करे। तिब्बत में अगली पीढ़ी को जबरन मंदारिन भाषा पढ़ाना बंद होना चाहिए। ये तिब्बती साहित्य संस्कृति को समाप्त करने वाला षड्यंत्र रचा गया है। सम्पूर्ण विश्व को इसका विरोध करना चाहिए।

मलेरिया कर्मियों का आंदोलन शुरू

गाजियाबाद। समय से वेतन न मिलने से नाराज मलेरिया फाइलेरिया कर्मचारी संघ ने पूर्व घोषणा के तहत सीएमओ कार्यालय पर प्रदर्शन किया। मलेरिया कर्मियों ने आरोप लगाया कि पिछले कई महीनों से उनका वेतन समय से जारी नहीं किया जा रहा है। हर माह की सात तारीख को वेतन जारी किया जाना चाहिए, लेकिन अब कई-कई दिन अधिक हो जाते हैं। कर्मचारियों को समय से वेतन न मिलने से मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। कई बार कर्मचारी इसकी शिकायत कर चुके हैं तो वहीं सात तारीख को भी इस सम्बंध में नोटिस जारी किया था कि समय से वेतन नहीं दिया गया जो प्रदर्शन किया जाएगा। बावजूद इसके विभागीय स्तर से कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया गया जिससे नाराज कर्मचारियों ने आज सीएमओ कार्यालय पर प्रदर्शन शुरू कर दिया और अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। कर्मचारियों ने कहा कि सोमवार से अनिश्चित कालीन प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। प्रदर्शन करने वालों में संघ सरंक्षक अशोक चांदीवाल, अनिल कुमार शर्मा, वीरेन्द्र सिंह, नेत्रपाल सिंह, दीवान सिंह चौहान, मेघराज सिंह, वीरेन्द्र सिंह भारती, रामौतार शर्मा आदि कर्मचारी शामिल रहे।

डीएम सुहास एलवाई को मिला नोएडा और ग्रेनो सीईओ का चार्ज, यमुना संभालेंगी मोनिका रानी

- यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का प्रचार करने विदेश जा रहे हैं ऋतु और अरुणवीर

पायनियर समचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर के तीनों विकास प्राधिकरण नोएडाए ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी का कार्यभार बदला गया है।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ का चार्ज गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी सुहास एलवाई को सौंपा गया है। इसी तरह यमुना अथॉरिटी का चार्ज वहां की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी मोनिका रानी को दिया गया है। दरअसल, नोएडा व ग्रेटर नोएडा की सीईओ ऋतु महेश्वरी और यमुना अथॉरिटी के सीईओ अरुणवीर सिंह यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का प्रचार-प्रसार करने के लिए विदेश जा रहे हैं। यह दोनों अफसर 18 दिसंबर तक विदेश यात्रा पर रहेंगे।

इस दौरान प्राधिकरण की जिम्मेदारी सुहास एलवाई और मोनिका रानी संभालेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वर्ष 2027 तक राज्य को श्वन ट्रिलियन यूएस डॉलर इकोनामी बनाना चाहते हैं। इसके लिए पूरी सरकार दिन.रात काम कर रही है। अगले साल 10 से 12 फरवरी तक लखनऊ में यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जाएगा।

उस समिट के जरिए यूपी में 10 लाख करोड़ रुपए का निवेश हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना अथॉरिटी को 1.20 लाख करोड़ रुपए निवेश लाने का टारगेट मिला है। इसी टारगेट को पूरा करने के लिए ऋतु महेश्वरी और अरुणवीर सिंह विदेश दौरे पर निकले हैं।

इन लोगों का प्रतिनिधिमंडल 18 नवंबर तक जापान, कोरिया और सिंगापुर समेत कई देशों का दौरा करेगा। सुहास एलवाई उत्तर प्रदेश कैडर में वर्ष 2007 बैच के आईएएस अफसर हैं।

ग्रेप का उल्लंघन करने पर बिल्डर पर लगा जुर्माना

नोएडा। यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के नियमों का उल्लंघन करने पर ग्रेटर नोएडा में गोदरेज गोल्फ लिंक बिल्डर पर 10 लाख जुर्माना लगाया है।

प्रदूषण विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी राधेश्याम ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 27 में गोदरेज गोल्फ लिंक्स बिल्डर का एक निर्माण कार्य जारी है, लेकिन निरीक्षण के दौरान पता चलगा कि निर्माण कार्य में एंटी स्मॉग गन का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि इसके अलावा निर्माण सामग्री खुले में पड़ी थी और पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा था। राधेश्याम ने बताया कि ग्रेप के उल्लंघन के कारण बिल्डर पर 10 लाख का जुर्माना लगाया गया है।

औद्योगिक विकास राजयमंत्री ने विकास कार्यों की समीझा की

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

औद्योगिक विकास विभाग के राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी शुक्रवार को यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण पहुंचे। उन्होंने मुख्य कार्यपालक अधिकारी समेत तमाम अफसरों के साथ विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा की।

प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर अरुणवीर सिंह ने मंत्री का स्वागत किया। उन्हें प्राधिकरण की योजनाओं और उनकी प्रगति से अवगत कराया। मंत्री को बताया गया कि प्राधिकरण कलस्टर के रूप में औद्योगिक क्षेत्रों का विकास कर रहा है। प्राधिकरण अपैरल पार्क, हेंडीक्राफ्ट पार्क, खिलौना पार्क, एमएसएमई पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क, डेटा सेंटर पार्क और इलेक्ट्रॉनिक मैनुफैक्चरिंग पार्क विकसित कर रहा है। इन योजनाओं में भूखंडों का आवंटन चल रहा है। विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। सीईओ ने मंत्री को बताया कि प्राधिकरण ने कई औद्योगिक विकास योजनाएं शुरू की हैं। प्राधिकरण मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाली महत्वपूर्ण परियोजनाओं जैसे मेडिकल डिवाइस पार्क और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म सिटी परियोजना को तेजी से काम कर रहा है।

कार डिवाइडर से टकराई, छात्र की मौत, चार घायल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में बीटा-2 थाना क्षेत्र के अल्फा सेक्टर के पास एक कार शुक्रवार तड़के अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे दिल्ली विश्वविद्यालय के एक छात्र की मौत हो गई और कार में सवार चार अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए।

क्षतिग्रस्त कार।

बीटा-2 थाना प्रभारी अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय का छात्र अंश स्वरूप (20 वर्ष) और उसके चार अन्य दोस्त कार में सवार होकर तड़के चार बजे के करीब अल्फा सेक्टर के पास से गुजर रहे थे, तभी उनकी कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में अंश की मौत हो गई और उसके चारों दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए।

ट्रक और कार की टक्कर

नोएडा। ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर एक ट्रक और कार की टक्कर होने से एक ही परिवार के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दीपक अपनी पत्नी और तीन वर्षीय बेटी के साथ कार में सवार होकर एक्सप्रेसवे से गुजर रहा थे, तभी ट्रक के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नियुक्ति मामले में फंसीं महिला आयोग की अध्यक्ष मालीवाल

- भाजपा का आरोप 90 लोगों को नौकरी देने में किया भ्रष्टाचार एलजी से आयोग भंग करने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल की नियुक्ति को लेकर भाजपा ने आप सरकार पर तीखी हमला किया है।

भाजपा ने दिल्ली के उपराज्यपाल से मांग की है कि सभी नियुक्तियों की जांच की जाए। एक दिन पहले ही विशेष अदालत ने महिला आयोग द्वारा बिना किसी इंटरव्यू के और बिना कोई विज्ञापन निकाले 90 नियुक्तियों पर सवाल खड़े किए थे, साथ ही नियुक्तियों को लेकर स्वाति मालीवाल और तीन अन्य पर आरोप तय करने का आदेश दिए थे। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने उपराज्यपाल कहा है कि अदालत द्वारा जिस तरह महिला आयोग में नियुक्तियों पर आरोप तय किए गए हैं, उससे इन नियुक्तियों की जांच कराना जरूरी हो गया है। वहीं भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को एक पत्र लिखा है। उन्होंने मांग की है कि उपराज्यपाल अविलंब दिल्ली महिला आयोग को भंग करें।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा है मालिवाल ने दिल्ली महिला आयोग मे ना सिर्फ सभी पदों पर आम आदमी पार्टी महिला वॉलेंटियी की भर्ती की हुई है बल्कि स्वीकृत पदों से अधिक कर्मियों की नियुक्ति की हुई है।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर विजेताओं का सम्मान

नई दिल्ली। सशस्त्र सेना झंडा दिवस को मनाने के लिए, भारतीय सशस्त्र बलों की सभी तीन शाखाएं- भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना आम लोगों के लिए अलग-अलग तरह के शो, कार्निवाल, नाटक और अन्य मनोरंजन के कार्यक्रमों का आयोजन करती हैं। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और एमसीडी में विशेष अधिकारी अश्वनी कुमार ने वीरता पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर उन्होंने पूर्व सैनिकों, वीर नारी, विकलांग कर्मियों और उनके आश्रितों को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। हर साल 7 दिसंबर को भारतीय सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया जाता है।

ग्रेटर नोएडा ने आवारा कुत्तों के झुंड ने महिला पर किया हमला

नोएडा। आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा के बीटा.2 में फिजियोथेरेपी करवाने आई महिला को आवारा कुत्तों ने काट लिया। इस घटना में महिला काफी ज्यादा घायल हुई है। आवारा कुत्तों ने महिले के पैर में काफी जोर से काटा। इस घटना के बाद महिला काफी डरी हुई है। लोगों ने बताया कि फिजियोथेरेपी केंद्र और बीटा.2 थाने के सामने काफी ज्यादा संख्या में आवारा कुत्ते घूमते रहते हैं। कुछ लोगों का कहना है कि ये आवारा कुत्ते रोजाना किसी ना किसी को काट लेते है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में इसकी काफी बार शिकायत भी की गई, लेकिन प्राधिकरण की टीम ने अभी तक कोई एक्शन नहीं लिया है। एक्टिव सिटीजन टीम के सदस्य हरेंद्र भाटी का कहना है कि जिले में आवारा कुत्तों की संख्या काफी तेजी के साथ बढ़ती जा रही है, जो एक बड़ी समस्या है। यह आवारा कुत्ते सड़क पर चलने वाले लोगों को अचानक काट लेते है। ऐसे में सेक्टर में रहने वाले लोगों के भीतर काफी भय का माहौल है।

पशु आश्रय स्थल के प्रबंधक के खिलाफ मामला दर्ज

नोएडा। पुलिस द्वारा एक आश्रय स्थल में रखवाए गए पशुओं को नहीं लौटाने के आरोप में आश्रय स्थल के प्रबंधक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

थाना सेक्टर 20 के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि जून 2021 में थाना पुलिस ने एक पिक- अप वाहन में भरकर ले जाए जा रहे 110 बकरे-बकरियों को बरामद किया था और इस मामले में कुछ लोगों को पशु क्रूरता के आरोप में गिरफ्तार किया था। इन पशुओं को सेक्टर 94 स्थित एक पशु आश्रय स्थल में रखा गया था। उन्होंने बताया कि इस आश्रय स्थल का प्रबंधक योगेंद्र कुमार एवं अन्य कर्मी पुलिस द्वारा वहां पर रखे गए बकरे- बकरियों को अब वापस नहीं कर रहे हैं।

अलग-अलग स्थानों पर दो महिलाओं समेत तीन लोगों ने की आत्महत्या

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में विभिन्न जगहों पर दो महिलाओं समेत तीन लोगों के कथित रूप से आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना दनकौर क्षेत्र में रहने वाली प्रीति नाम की महिला ने कथित रूप से मानसिक तनाव के चलते कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे अत्यंत गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इसके अलावा बंदना नाम की एक अन्य महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया, जिसके बाद उसे थाना सेक्टर 142 क्षेत्र में स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि थाना सेक्टर 142 पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस बीच, रोबिन नामक युवक को जहरीला पदार्थ खाने के कारण थाना सेक्टर 63 स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उसने भी उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। प्रवक्ता ने बताया कि रोबिन दिल्ली के मयूर विहार का रहने वाला है।

थाना सेक्टर 63 पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में आगे की कार्वाई दिल्ली की मयूर विहार पुलिस करेगी।

रिजल्ट के दो दिन बाद कांग्रेस के दो पार्षद आप में पहुंचे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस के दो नवनिर्वाचित पाषर्दों को आप में शामिल कराते विधायक दुर्गेश पाठक व अन्य नेता।

दिल्ली नगर निगम चुनाव के परिणाम आने के बाद भी रोमांच अब भी बरकरार है। एमसीडी के नतीजे आने के बाद कांग्रेस को एक और झटका लगा है। शुक्रवार को उसके दो पार्षद आम आदमी पार्टी में शामिल हो गईं।

इसके साथ आम आदमी पार्टी के पार्षदों की संख्या 136 हो गई है। झाड़ू पकड़ने वाली पार्षदों के नाम सबिला बेगम और नाजिया खातून हैं। सबिला ब्रजपुरी और नाजिया मुस्तफाबाद से पार्षद हैं। आप विधायक दुर्गेश पाठक ने नवनिर्वाचित पार्षदों को टोपी-पटका पहनाकर सभी का पार्टी में स्वागत किया।

इस बीच प्रदेश भाजपा को प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है की दिल्ली के लोग यह देख कर हैरान हैं कि जो कल तक अपने पार्षदों को ऑपरेशन लोटस का भय दिखाते थे वह आज खुद लुटी पिटी कांग्रेस में ऑपरेशन लूट चला रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है की जो खुद ऑपरेशन लूट चला रहे हैं वह भाजपा पर झूठे आरोप लगाते हैं। दुर्गेश पाठक ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पिछले 15 सालों में भाजपा ने दिल्ली में कोई काम नहीं किया। निगम चुनाव में दिल्ली वालों ने भाजपा को वोट ना देकर एमसीडी में आम आदमी पार्टी की पूर्ण बहुमत से सरकार बनाई। हमें दिल्ली को पूरी दुनिया का सबसे सुंदर और साफ शहर बनाना है। इसके लिए सबको मिलकर भाजपा, कांग्रेस, आरडब्ल्यूएस आदि सभी का सहयोग चाहिए। जब सब साथ आएंगे तभी दिल्ली को दुनिया का सबसे सुंदर और साफ शहर बनाना संभव होगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवाहन पर दिल्ली की जानी-मानी शख्सियत और कांग्रेस नेता अली महदी आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया है। इसके अलावा एमसीडी चुनाव के बाद कांग्रेस की नवनिर्वाचित पार्षद सबीला बेगम और नाजिया खातून भी आम आदमी पार्टी में शामिल हो गई हैं। सबीला बेगम मुस्तफाबाद वॉर्ड से और नाजिया खातून बृजपुरी वॉर्ड की पार्षद चुनी गई हैं। उनके साथ नेहरू विहार के ब्लॉक अध्यक्ष अलीम अंसारी, प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी सदस्य हाजी खुशनूद, मुस्तफाबाद के ब्लॉक अध्यक्ष जावेद चौधरी और शिव विहार के ब्लॉक अध्यक्ष अशोक बघेल सैंकड़ों कांग्रेस नेताओं के साथ आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। वह सभी का आम आदमी पार्टी में स्वागत करते है। इन सभी की हिस्सेदारी के साथ दिल्ली नगर निगम में और मजबूती से काम कर सकेंगे।

अली महदी आम आदमी पार्टी में शामिल होने से पहले तक दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष थे। इससे पहले वह माइनॉरिटी विभाग के चेयरमैन रह चुके हैं। इनके पूरे परिवार का लंबा राजनीतिक अनुभव रहा है। दिल्ली की राजनीति में इनका और इनके पिता का एक बड़ा योगदान रहा है। कांग्रेस छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल होने का कारण बताते हुए अली ने कहा कि उन्हें अच्छा लग रहा है कि आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल गया है। ऐसी पार्टी का हिस्सा बनने पर खुशी हो रही है।

सभी केजरीवाल के नेतृत्व में हो रहे कामों से प्रभावित होकर आप का दामन थाम रहे हैं। भाजपा की लाख कोशिशों के बावजूद लोगों ने एमसीडी में आप सरकार को पूर्ण बहुमत से जिताया। कांग्रेस पार्टी में काफी लंबे समय से हिस्सेदारी रही है। मुस्तफाबाद उनके लिए हमेशा से सर्वोपरि रहा है। उनके पिता 2 बार विधायक रहे।

टप्पल में चला प्राधिकरण का बुलडोजर

- अधिसूचित इलाके में बनाई गई अवैध कॉलोनियों को ढहाया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने अपने अधिसूचित इलाके में शुक्रवार की सुबह बड़ी कार्यवाही की है। प्राधिकरण का अमला बुलडोजर लेकर अलीगढ़ जिले में टप्पल कस्बे के पास पहुंचा। यहां अधिसूचित इलाके में बनाई गई अवैध कॉलोनियों को ढहाया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक बिल्डरों और कॉलोनाइजर के कब्जे से करीब 10 करोड़ रुपये की जमीन अतिक्रमण मुक्त करवाई गई है। आपको बता दें कि पिछले महीने उत्तर प्रदेश सरकार ने टप्पल नगर पंचायत को समाप्त कर दिया है।

उसका पूरा इलाका यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में दोबारा समाहित किया गया है। यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे अलीगढ़ जिले के तमाम गांव यमुना अथॉरिटी के अधिसूचित इलाके में हैं। बिल्डरों, भूमाफियाओं और कॉलोनाइजरों ने गठजोड़ करके टप्पल ग्राम पंचायत को नगर पंचायत घोषित करवा दिया। यह फैसला लेने से पहले यमुना अथॉरिटी से जरूरी अनापत्ति नहीं ली गई। दरअसल, टप्पल ग्राम पंचायत का पूरा इलाका यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में है। राज्य सरकार ने यमुना प्राधिकरण को इस इलाके में विकास योजनाएं संचालित करने का अधिकार दिया है।

टप्पल नगर पंचायत घोषित होते ही बिल्डरों और कॉलोनाइजरों ने वहां बड़ी.बड़ी कॉलोनी बसानी शुरू कर दीं। नगर पंचायत से नक्शे पास करवाने लगे। टप्पल नगर पंचायत के अस्तित्व में आते ही यमुना प्राधिकरण ने शासन में विरोध किया है। पिछले महीने राज्य सरकार ने टप्पल नगर पंचायत को खत्म करने का फैसला लिया। सरकार ने टप्पल को दोबारा ग्राम पंचायत घोषित कर दिया है और उसका पूरा क्षेत्रफल यमुना प्राधिकरण में समाहित किया है।

अब प्राधिकरण ने तमाम कॉलोनियों को अवैध घोषित करते हुए एक्शन लेना शुरू किया है। शुक्रवार की सुबह यमुना प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी शैलेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस और अफसरों की टीम टप्पल पहुंची। वहां यमुना एक्सप्रेसवे के आसपास के इलाके में बनाई गई कॉलोनियों को ध्वस्त किया जा रहा है। प्राधिकरण से मिली जानकारी के मुताबिक शुक्रवार की शाम तक अतिक्रमण विरोधी दस्ता काम करेगा। करीब 100 करोड रुपए की जमीन अतिक्रमण मुक्त करवाई जा चुकी है।

आर्थिक स्थिरता कैसे प्राप्त करें?

बैंक में यदि संभव हो तो धन गुरुवार के दिन जमा कराएं इससे अति शीघ्र दोबारा धन जमा कराने के अवसर प्राप्त होते हैं। नौकरी पेशाओ को जब भी वेतन मिले या व्यवसायियों की जब भी आय हो तो यथासंभव उसे उसी दिन खर्च ना होने दें। पूरी रात्रि मां लक्ष्मी के चरणों में रखे रहने दें अगले दिन से उसका उपयोग कर सकते हैं। ऐसा करने से फिजूलखर्च में नियंत्रण आएगा।

प्रत्येक व्यक्ति चाहता है कि उस पर लक्ष्मी की विशेष कृपा हो और उसके पास खूब पैसा आए। इसके साथ-साथ वह यह भी चाहता है कि उसके पास जो पैसा आए वह उसके पास बना भी रहे अर्थात किसी अनावश्यक कार्य में उसका पैसा खर्च नहीं हो। इसलिए यहां हम आपको कुछ ऐसे सरल उपाय बता रहे हैं जिनके करने से आप माता लक्ष्मी की स्थाई कृपा प्राप्त कर सकते हैं। ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया कि माता लक्ष्मी की कृपा से आपको आर्थिक स्थिरता प्राप्त होगी वैसे तो यह उपाय सभी के लिए लाभदायक हैं परंतु विशेषकर उनके लिए अधिक लाभदायक हैं जिन्हें यह अनुभव होता है कि उनके खर्चे अधिक हैं अथवा उनके पास धन अधिक रुकता नहीं है। आप निम्न उपायों में से किसी भी उपाय को कर लाभान्वित हो सकते हैं।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि यदि आप सदैव के लिए आर्थिक स्थिरता चाहते हैं तो अपने जीवन में एक नियम बना लें आप नौकरी पेशा हों अथवा कोई व्यवसाय करते हों आपकी जब भी आय हो तो उस आय को सर्वप्रथम माता लक्ष्मी के चरणों से स्पर्श अवश्य कराएं। स्पर्श के बाद जहां भी आप धन रखना चाहते हो वहां रख सकते हैं। यह उपाय आपको बहुत छोटा लगेगा परंतु लाभदायक बहुत है।

आप अपनी आय में से कुछ हिस्सा प्रभु के नाम पर अवश्य खर्च करें यह राशि एक रुपये से लेकर आपकी सामर्थ के अनुसार अधिक भी हो सकता है जितना अधिक होगा उन्नति भी उतनी ही अधिक समझें।

आप जब भी बैंक में धन जमा कराने जाएं तो कोशिश करें कि दोपहर में 11:30 से 12:45 के मध्य ही कराएं यह आपके लिए बहुत अधिक लाभदायक होगा और आपको बार-बार धन जमा कराने का सौभाग्य प्राप्त होगा। बैंक संबंधित कोई भी कार्य करते समय आप मानसिक रूप से महालक्ष्मी का स्मरण अवश्य करते रहें अथवा महालक्ष्मी का कोई मंत्र जाप करते रहें। आप जब बैंक में धन जमा कराने जाएं तो भी आप धन को मां लक्ष्मी के चरणों से स्पर्श कराकर ही जमा कराएं। कभी भी आप अपना धन किसी को भी घर अथवा व्यवसाय स्थल के द्वार पर ना दें।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि जो नौकरी पेशा लोग हमेशा ही किसी ना किसी अनावश्यक खर्चों से परेशान रहते हैं यह उपाय उनके लिए है। आप जब भी अपना वेतन लेने जाएं अथवा जिस दिन आपको वेतन दिया जाता है उस दिन आप अपनी जेब में लाल रुमाल अथवा लाल गुलाब का फूल रखकर जाएं। लाल फूल अगर जेब में रखना है तो प्रात: स्नान कर मां लक्ष्मी को पुष्प अर्पित करें और नौकरी पर जाते समय जेब में डाल ले लौटकर जब आप आएं तो सारा वेतन मां के चरणों में रखकर कुछ समय बाद पुन: उठा ले और अपने काम में लगाएं। ऐसा करने से आप पर जो अनावश्यक खर्चे आते हैं उनमें कमी आएगी।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि महीने में कम से कम एक बार किसी कन्या को कोई उपहार अथवा कोई भोज्य सामग्री अवश्य दें कन्या की आयु नौ वर्ष से कम होनी चाहिए।

बैंक में यदि संभव हो तो धन गुरुवार के दिन जमा कराएं इससे अति शीघ्र दोबारा धन जमा कराने के अवसर प्राप्त होते हैं। नौकरी पेशाओ को जब भी वेतन मिले या व्यवसायियों की जब भी आय हो तो यथासंभव उसे उसी दिन खर्च ना होने दें। पूरी रात्रि मां लक्ष्मी के चरणों में रखे रहने दें अगले दिन से उसका उपयोग कर सकते हैं। ऐसा करने से फिजूलखर्च में नियंत्रण आएगा। कभी भी राहु काल में धन का लेन-देन ना करें।

करें ये उपाय होगा धन लाभ

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि यदि आप व्यवसाय करते हैं और आपको धन का लेन-देन करते रहना होता है अथवा अपने कर्मचारी वर्ग को कोई भुगतान करना है तो प्रयास करें कि धन का लेन-देन संध्याकाल में न करें। यदि आप यह नियम बना लेंगे तो फिर सारी परिस्थिति आपके इस नियम के अनुकूल ही होने लगेगी।

- ऐसा माना जाता है कि संध्या के समय दिया गया धन अधिकाधिक व्यर्थ के खर्चों लेकर आता है। इसलिए जो इस बारे में जानते हैं वे कभी संध्याकाल में धन का लेन-देन नहीं करते।
- ज्योतिषाचार्य ने बताया कि आप जब भी धन लेकर आएं तो कभी भी हाथ-पैर धोकर घर में प्रवेश ना करें। यदि आप किसी को धन देकर आए हैं तो फिर अवश्य अपना हाथ-पैर धोकर ही घर में प्रवेश करें।
- यदि आप कहीं से आ रहे हैं और आपको कोई बहुत अच्छी सुगंध अनुभव हो तो आप उस सुगंधित सामग्री को अवश्य अपने निवास में लेकर आएं। यह संकेत आपके लिए माता लक्ष्मी के आपके निवास में प्रवेश होने का है।
- आपको कभी किसी निर्जन स्थान पर बिल्ली दिखाई दे तो जिस स्थान पर बिल्ली बैठी है उस स्थान की थोड़ी सी धूल अवश्य लाएं। उस धूल को लाल रंग के वस्त्र में बांधकर घर में किसी सुरक्षित स्थान पर रख दें।
- यदि आप अनुभव करते हैं कि किसी विशेष व्यक्ति की नजर आपके धन के लिए अशुभ है और उसके कारण ही आपके निवास में धन रुकता नहीं है तो आप यह उपाय अवश्य करें।
- माह के प्रथम बुधवार को किसी ऐसे स्थान पर जाएं जहां पर बकरी रहती है। जिस स्थान पर बकरी बैठी हो उस स्थान की थोड़ी सी धूल लाकर हरे रंग के वस्त्र में बांधकर घर में किसी सुरक्षित स्थान पर रख दें।
- यदि आप का खर्च अधिक होता है तो आप प्रथम बुधवार को बकरी के बैठने के स्थान की मिट्टी का प्रयोग तो ऊपर बताये अनुसार ही करें। साथ ही बकरी की थोड़ी सी मल (मींगनी) लाकर अपने निवास में ही किसी कच्चे स्थान में दबा दें।

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि यदि आपकी पत्नी यह उपाय करें तो बहुत ही अधिक शुभ होगा आप जिस स्थान पर अपना धन अथवा स्वर्ण सामग्री रखते हैं। उसी स्थान पर सांध्य काल में तीन अगरबत्ती अवश्य अर्पित करें।

मेडिटेशन : क्यों, कब और कैसे

मनुष्य का जीवन व्याधि और उपाधि इन दो दिशाओं में चलता है। व्याधि का तात्पर्य शारीरिक कष्ट और उपाधि का भावनात्मक कष्ट है और यह तीनों कभी-कभी एक साथ होते हैं। इन्हीं का तो है भावातीत ध्यान।

ध्यान की प्रक्रिया

सबसे पहले शांत चित्त होकर शरीर ढीला करके बिल्कुल सीधे होकर बैठें। अपनी एक मुट्ठी में कोई पुष्प ले लें। जिस भगवान में आपकी आस्था है, उस परम प्रभु का जाप करते रहें। मंत्र का उच्चारण आप अपनी क्षमता के अनुसार करें। जिस नाम का उच्चारण पहली बार किया था उसे याद रखें। हर बार उसी मंत्र का जाप करें। किसी-किसी को शुरू में अहसास होगा कि उनका सिर घूम रहा है ऐसा पहली बार होता है।

आंख बंद करते ही आपके मन में कई प्रकार के विचारों का सैलाब उमड़ेगा। उन विचारों को रोके नहीं, उन्हें आने दें। धीरे-धीरे आपका मन अपने आप शांत हो जाएगा। मन की इस अवस्था को ही ध्यान कहते हैं। घर के कामों से थो?ा समय निकालकर पहली बार में एक घंटे बैठना मुश्किल है तो आप पहले 15 मिनट बैठें। धीरे-धीरे समय ब?ाते चले जाएं। जिस कमरे में आप ध्यान करने बैठें, वहां कोई दीप प्रज्वलित करें।

किन विकारों में उपयोगी

मन अशांत रहने पर उसके निष्क्रिय प? हुए भागों को उपयोग में लाने योग्य बनाता है।

- अनुभव की क्षमता को सूक्ष्म करने की एक प्रक्रिया है ध्यान।
- यदि आपको भूलने की आदत है तो ध्यान आपके लिए बहुत उपयोगी है।
- गुस्सैल प्रवृत्ति के लोगों का मन शांत करने में कारगर है भावातीत ध्यान।
- निर्णय न ले पाने वाले भी इसे अपनी जिंदगी में शामिल कर सकते हैं।
- हृदयरोग की रोकथाम के लिए उत्तम औषधि के समान है।
- मन की चंचलता को नियंत्रित करता है।
- दीर्घायु बनाने में इसकी अहम उपयोगिता है।
- शांति, सामर्थ्य, संतोष, शांति, विद्वत्ता और सभी आवश्यकताओं को पूरा करता है भावातीत ध्यान।

नोट: ध्यान के समय कुछ फूल आस-पास रखें, कोई सुगंधित वस्तु का छिड़काव कर दें, अगरबत्ती जला दें। रात्रि के भोजन से पहले ही ध्यान के लिए बैठें। प्रात:काल सूर्योदय से पहले ध्यान करें।

ढीले वस्त्र पहनकर ध्यान करें।

महिलाएं यदि चाहें तो भावातीत ध्यान किसी शिक्षक के द्वारा भी सीख सकती हैं। चाहें तो मेडिटेशन सेंटर में भी आप इसे सीख सकती हैं।

जिंदगी को जहर बना देता है जन्म कुंडली में मौजूद चंद्र शनि का 'विष योग'

जन्म कुंडली में विष योग का निर्माण शनि और चंद्रमा की युति से होता है। यह योग जातक के लिए बेहद कष्टकारी माना जाता है। नवग्रहों में शनि को सबसे मंद गति के लिए जाना जाता है और चंद्र अपनी तीव्रता के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन शनि अधिक पॉवरफुल होने के कारण चंद्र को दबाता है।

ज्योतिष शास्त्र में अनेक योगों का वर्णन मिलता है। ये योग दो या दो से अधिक ग्रहों के आपस में संबंध से बनते हैं। यदि शुभ ग्रहों की युति हो तो शुभ योग का निर्माण होता है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति का जीवन सुखों से भर जाता है। लेकिन यदि अशुभ ग्रहों के कारण योग बन रहा है, तो व्यक्ति का जीवन नर्क के समान हो जाता है। ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया कि ऐसा ही एक अशुभ योग है विष योग। जन्म कुंडली में विष योग का निर्माण शनि और चंद्रमा की युति से होता है। यह योग जातक के लिए बेहद कष्टकारी माना जाता है। नवग्रहों में शनि को सबसे मंद गति के लिए जाना जाता है और चंद्र अपनी तीव्रता के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन शनि अधिक पॉवरफुल होने के कारण चंद्र को दबाता है। इस तरह यदि किसी व्यक्ति की जन्म कुंडली के किसी स्थान में शनि और चंद्र साथ में आ जाए तो विष योग बन जाता है। इसका दुष्प्रभाव तब अधिक होता है जब आपस में इन ग्रहों की दशा-अंतर्दशा चल रही हो। विष योग के प्रभाव से व्यक्ति जीवनभर अशक्तता में रहता है। मानसिक रोगों, भ्रम, भय, अनेक प्रकार के रोगों और दुखी दांपत्य जीवन से जूझता रहता है। यह योग कुंडली के जिस भाव में होता है उसके अनुसार अशुभ फल जातक को मिलते हैं।

किस भाव में विष योग का क्या प्रभाव

यदि किसी जातक के लग्न स्थान में शनि-चंद्र का विष योग बन रहा हो, तो ऐसा व्यक्ति शारीरिक तौर पर बेहद अक्षम रहता है। उसे पूरा जीवन तंगहाली में गुजारना पड़ता है। लग्न में शनि-चंद्र होने पर उसका प्रभाव सीधे तौर पर सप्तम भाव पर भी होता है। इससे दांपत्य जीवन दुखपूर्ण हो जाता है। लग्न स्थान शरीर का भी प्रतिनिधित्व करता है इसलिए व्यक्ति शारीरिक रूप से कमजोर और रोगों से घिरा रहता है।

- ज्योतिषाचार्य ने बताया कि दूसरे भाव में शनि-चंद्र की युति होने पर जातक जीवनभर धन के अभाव से जूझता रहता है।
- तीसरे भाव में बना विष योग व्यक्ति का पराक्रम कमजोर कर देता है और वह अपने भाई-बहनों से कष्ट पाता है।
- चौथे भाव सुख स्थान में शनि-चंद्र की युति होने पर सुखों में कमी आती है और मातृ सुख नहीं मिल पाता है।
- पांचवें भाव में यह दुर्योग होने पर संतान सुख नहीं मिलता और व्यक्ति की विवेकशीलता समाप्त होती है।
- छठे भाव में विष योग बना हुआ है तो व्यक्ति के अनेक शत्रु होते हैं और जीवनभर कर्ज में डूबा रहता है।
- सातवें स्थान में होने पर पति-पत्नी में तलाक होने की नौबत तक आ जाती है।
- आठवें भाव में बना विष योग व्यक्ति को मृत्यु तुल्य कष्ट देता है। दुर्घटनाएं बहुत होती हैं।
- नौवें भाव में विष योग व्यक्ति को भाग्यहीन बनाता है। ऐसा व्यक्ति नास्तिक होता है।
- दसवें स्थान में शनि-चंद्र की युति होने पर व्यक्ति के पद-प्रतिष्ठा में कमी आती है। पिता से विवाद रहता है।
- ग्यारहवें भाव में विष योग व्यक्ति के बार-बार एक्सीडेंट करवाता है। आय के साधन न्यूनतम होते हैं।
- बारहवें भाव में यह योग है तो आय से अधिक खर्च होता है।

गोचर चक्र में हर महीने कम से कम एक बार विष योग जरूर बनता है। क्योंकि चंद्रमा गोचर करते हुए महीने में एक बार शनि के साथ जरूर आता है। उस समय वह जिस स्थान में शनि के साथ युति करता है, उसके अनुसार व्यक्ति को कष्ट मिलता है।

कौनसा ग्रह देता है कौनसी बीमारी

सूर्य के बाद धरती के उपग्रह चन्द्र का प्रभाव धरती पर पूर्णिमा के दिन सबसे ज्यादा रहता है। जिस तरह मंगल के प्रभाव से समुद्र में मूंगे की पहाड़ियां बन जाती हैं और लोगों का खून दौड़ने लगता है उसी तरह चन्द्र से समुद्र में ज्वार-भाटा उत्पन्न होने लगता है और लोगों के मन-मस्तिष्क में बेचैनी दौड़ने लगती है। ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया कि जितने भी दूध वाले वृक्ष हैं सभी चन्द्र के कारण उत्पन्न हैं। चन्द्रमा बीज, औषधि, जल, मोती, दूध, अश्व और मन पर राज करता है। लोगों की बेचैनी और शांति का कारण भी चन्द्रमा है।

इसी तरह प्रत्येक ग्रह का हमारी धरती और हमारे शरीर सहित मन-मस्तिष्क पर प्रभाव पड़ता है जिसके चलते हमें सामान्य या गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ता है। यदि वक्त के पहले हम सतर्क हो जाएं तो हम कई सारी बीमारियों से कुद को बचा सकते हैं। आओ जानते हैं कि कौन सा ग्रह देता है कौन सी बीमारी..

सूर्य ग्रह से होती हैं कौन-सी बीमारी

- सूर्य जनित बीमारी में व्यक्ति अपना विवेक खो बैठता है।
- दिमाग समेत शरीर का दायां भाग सूर्य से प्रभावित होता है। सूर्य के अशुभ होने पर शरीर में अकड़न आ जाती है। मुंह में थूक बना रहता है।
- दिल का रोग हो जाता है, जैसे धड़कन का कम-ज्यादा होना। मुंह और दांतों में तकलीफ हो जाती है।
- बेहोशी का रोग हो जाता है। सिरदर्द बना रहता है।

चन्द्र ग्रह से होती हैं कौन-सी बीमारी

ज्योतिषाचार्य पंडित कृष्ण मेहता ने बताया कि चन्द्र की रूष्टता से मुख्य रूप से दिल, बायां भाग से संबंध रखता है। मिर्गी का रोग, पागलपन, बेहोशी, फेफड़े संबंधी रोग, मासिक धर्म गड़बड़ाना, स्मरण शक्ति कमजोर हो जाती है। मानसिक तनाव और मन में घबराहट, तरह-तरह की शंका और अनिश्चित भय। सर्दी-जुकाम बना रहता है। व्यक्ति के मन में आत्महत्या करने के विचार बार-बार आते रहते हैं।

मंगल ग्रह से होती है कौन-सी बीमारी

- मंगल से नेत्र रोग, उच्च रक्तचाप, वात रोग, गठिया रोग।
- फोड़े-फुंसी होते हैं। जख्मी या चोट।
- बार-बार बुखार आता रहता है। शरीर में कंपन होता रहता है। गुर्दे में पथरी हो जाती है। आदमी की शारीरिक ताकत कम हो जाती है। एक आंख से दिखना बंद हो सकता है। शरीर के जोड़ काम नहीं करते हैं। मंगल से रक्त संबंधी बीमारी होती है। रक्त की कमी या अशुद्धि हो जाती है। बच्चे पैदा करने में तकलीफ। हो भी जाते हैं तो बच्चे जन्म होकर मर जाते हैं।

बुध ग्रह से होती हैं कौन-सी बीमारी

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि बुध ग्रह के कारण तुतलाहट, सूंघने की शक्ति क्षीण हो जाती है। समय पूर्व ही दांतों का खराब होना। मित्र से संबंधों का बिगड़ना। अशुभ हो तो बहन, बुआ और मौसी पर विपत्ति आना। नौकरी या व्यापार में नुकसान होना। संभोग की शक्ति क्षीण होना। व्यर्थ की बदनामी होती है। हमेशा घूमते रहना, ज्यादातर पहाड़ी इलाकों में। कोने का अकेला मकान जिसके आसपास किसी का मकान न हो।

बृहस्पति ग्रह से होती हैं कौन-सी बीमारी

गुरु की बीमारी में मुख्यत गुरु के बुरे प्रभाव से धरती की आबोहवा बदल जाती है। उसी प्रकार व्यक्ति के शरीर की हवा भी बुरा प्रभाव देने लगती है। इससे श्वास रोग, वायु विकार, फेफड़ों में दर्द आदि होने लगता है। कुंडली में गुरु-शनि, गुरु-राहु और गुरु-बुध जब मिलते हैं तो अस्थमा, दमा, श्वास आदि के रोग, गर्दन, नाक या सिर में दर्द भी होने लगता है। इसके अलावा गुरु की राहु, शनि और बुध के साथ युति अनुसार भी बीमारियां होती हैं, जैसे- पेचिश, रीढ़ की हड्डी में दर्द, कब्ज, रक्त विकार, कानदर्द, पेट फूलना, जिगर में खराबी आदि।

शुक्र ग्रह से होती हैं कौन-सी बीमारी

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि शुक्र कई बीमारी देता। घर की दक्षिण-पूर्व दिशा को वास्तु अनुसार ठीक करवाएं। शरीर में गाल, ठुड्डी और नसों से शुक्र का संबंध माना जाता है। शुक्र के खराब होने से वीर्य की कमी भी हो जाती है। इससे किसी भी प्रकार का यौन रोग हो सकता है या व्यक्ति में कामेच्छा समाप्त हो जाती है। लगातार अंगूठे में दर्द का रहना या बिना रोग के ही अंगूठे का बेकार हो जाना शुक्र के खराब होने की निशानी है। शुक्र के खराब होने से शरीर में त्वचा संबंधी रोग उत्पन्न होने लगते हैं। अंतड़ियों के रोग, गुर्दे का दर्द, पांव में तकलीफ आदि।

शनि ग्रह से होती हैं कौन-सी बीमारी

शनि जब बीमारी देता है तो उनका संबंध मुख्य रूप से दृष्टि, बाल, भवें और कनपटी से होता है। समय पूर्व आंखें कमजोर होने लगती हैं और भवों के बाल झड़ जाते हैं। कनपटी की नसों में दर्द बना रहता है। समय पूर्व ही सिर के बाल झड़ जाते हैं। फेफड़े सिकुड़ने लगते हैं और तब सांस लेने में तकलीफ होती है। हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, तब जोड़ों का दर्द भी पैदा हो जाता है। रक्त की कमी और रक्त में बदबू बढ़ जाती है। पेट संबंधी रोग या पेट का फूलना। सिर की नसों में तनाव। अनावश्यक चिंता और घबराहट बढ़ जाती है।

राहु ग्रह से होती हैं कौन-सी बीमारी

राहु कई बीमारी देता है जिनमें से प्रमुख गैस प्रॉब्लम, बाल झड़ना, उदर रोग, बवासीर, पागलपन, राजयक्ष्मा रोग, निरंतर मानसिक तनाव बना रहेगा। नाखून अपने आप ही टूटने लगते हैं। मस्तिष्क में पीड़ा और दर्द बना रहता है। राहु व्यक्ति को पागलखाने, दवाखाने या जेलखाने भेज सकता है। राहु अचानक से भी कोई बड़ी बीमारी पैदा कर देता है और व्यक्ति मृत्यु को प्राप्त हो जाता है।

केतु ग्रह से होती हैं कौन-सी बीमारी

केतु की बीमारी में मुख्यत पेशाब की बीमारी, संतान उत्पति में रुकावट, सिर के बाल झड़ जाते हैं। शरीर की नसों में कमजोरी आ जाती है। केतु के अशुभ प्रभाव से चर्म रोग होता है। कान खराब हो जाता है या सुनने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है। कान, रीढ़, घुटने, लिंग, जोड़ आदि में समस्या उत्पन्न हो जाती है।

भारत का लक्ष्य आज बांग्लादेश को क्लीन स्वीप से रोकना

शानदार प्रदर्शन के दम पर बांग्लादेश ने पहले दो मैच जीते लिए

एजेंसी। चटगांव

खिलाड़ियों की चोटों और फिटनेस समस्याओं से परेशान भारतीय टीम शनिवार को बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे में उतरेगी तो उसका लक्ष्य मेजबान टीम को क्लीन स्वीप से रोकने का होगा। मेहदी हसन मिराज की दो शानदार पारियों के दम पर बांग्लादेश पहले दो मैच और श्रृंखला जीत चुका है, लेकिन अब उसका इरादा भारत का सूपड़ा साफ करने का होगा और अगर ऐसा होता है तो बांग्लादेश क्रिकेट के लिए यह ऐतिहासिक होगा।

इससे 14 दिसंबर से शुरू होने वाली टेस्ट श्रृंखला से पहले बांग्लादेश का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। भारत के लिए इस श्रृंखला में 20 क्रिकेटर उपलब्ध थे क्योंकि बांग्लादेश में पहले वनडे और न्यूजीलैंड में आखिरी मैच के बीच कम समय था क्योंकि दोनों टीमों में कुछ खिलाड़ी समान थे। एक सप्ताह के भीतर हालांकि हालात बद से बदतर हो गए और आखिरी मैच के लिए सिर्फ 14 फिट खिलाड़ी उपलब्ध हैं। हालात यह है कि कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को तुरंत यहां बुलाना पड़ा क्योंकि भारतीय गेंदबाजी आक्रमण अनुभवहीन लग रहा था। कुलदीप ने 72 वनडे में 118 विकेट लिए हैं और वह इस टीम के सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। नियमित कप्तान रोहित शर्मा के बाएं हाथ के अंगूठे की हड्डी खिसक गई है और उदीयमान तेज गेंदबाज कुलदीप सेन को पहला मैच खेलने के बाद चोट लग गई। तेज गेंदबाज दीपक चाहर एक बार फिर अनफिट हो गए हैं। अक्षर पटेल की पसली में चोट लग गई है और वह पहला मैच नहीं खेल सके जबकि ऋषभ पंत भी चोटिल हैं और उन्हें आराम देना पड़ा था। अब देखना यह है कि कार्यवाहक कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल पारी की शुरूआत करते हैं या ईशान किशन को अंतिम एकादश में सलामी बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया जाता है।

दूसरा विकल्प विराट कोहली और शिखर धवन से पारी की शुरूआत कराना और हरफनमौला राहुल त्रिपाठी को अंतिम एकादश में शामिल करना होगा। टीम प्रबंधन अगर सिर्फ बल्लेबाज को चुनता है तो रजत पाटीदार को पदार्पण का मौका मिल सकता है। भारत की गेंदबाजी की कमान मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर, उमरान मलिक, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल के हाथ में थी। पहले मैच में खराब गेंदबाजी के चलते भारत को पराजय का सामना करना पड़ा जब बांग्लादेश को 51 रन बनाने थे और उसका एक ही विकेट बाकी था जो भारतीय टीम नहीं ले सकी।

दूसरे मैच में बांग्लादेश ने छह विकेट 69 रन पर गिरने के बाद 200 से अधिक रन बना डाले। आखिरी मैच में बांग्लादेश के हौसले बुलंद होंगे। जिम्बाब्वे के खिलाफ श्रृंखला में मिली जीत को छोड़कर केएल राहुल का बतौर कप्तान रिकॉर्ड खराब रहा है और ऐसे में वह क्लीन स्वीप की शर्मिंदगी से बचना चाहेंगे।

दोनों टीम इस प्रकार

भारत : केएल राहुल (कप्तान), शिखर धवन, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन, मोहम्मद सिराज, रजत पाटीदार, राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, उमरान मलिक, कुलदीप यादव।

बांग्लादेश : लिटन दास (कप्तान), अनामुल हक बिजय, शाकिब अल हसन, मुशफिकुर रहीम, अफीफ हुसैन, यासिर अली चौधरी, मेहदी हसन मिराज, मुस्ताफिजूर रहमान, तस्कीन अहमद, हसन महमूद, इबादत हुसैन चौधरी, नासुम अहमद, महमूदुल्लाह, नजमुल हुसैन शांतो, काजी नुरूल हसन सोहन, शरीफुल इस्लाम।

मैच दोपहर 11:30 बजे शुरू होगा।

राष्ट्रीय स्क्वाश चैम्पियनशिप जोशना चिनप्पा फाइनल में

चेन्नई। शीर्ष वरीय जोशना चिनप्पा ने शुक्रवार को यहां 78वीं राष्ट्रीय स्क्वाश चैम्पियनशिप के महिला एकल वर्ग में आकांक्षा सौलंके को सीधे गेम में पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। अब 36 वर्षीय जोशना का सामना शनिवार को होने वाले फाइनल में प्रतिभाशाली युवा अनाहत सिंह से होगा जिसमें उनकी निगाहें 19वां राष्ट्रीय खिताब हासिल करने पर लगी होंगी। चौदह वर्षीय अनाहत ने दूसरे सेमीफाइनल में तनिष्का जैन को पराजित किया। विश्व रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर काबिज भारतीय खिलाड़ी जोशना ने आकांक्षा को 11-9,11-9,11-8 से शिकस्त दी। पुरूष वर्ग में भी शीर्ष वरीय अभय सिंह ने संदीप जांगड़ा को 11-2,11-4,11-4 से हराकर फाइनल में जगह बनाई जिसमें उनका सामना वेलावन सेंतिलकुमार से होगा जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में हरिंदर पाल सिंह संधू को शिकस्त दी।

सात विकेट से पाकिस्तान का इंग्लैंड पर दबदबा बनाया

एजेंसी। मुल्तान

युवा स्पिनर अबरार अहमद ने शुक्रवार को यहां 114 रन देकर सात विकेट हासिल कर स्वप्निल पदार्पण किया जिससे पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट के पहले दिन दो सत्र में इंग्लैंड की टीम को 281 रन पर समेटकर स्टंप तक दो विकेट गंवाकर 107 रन बना लिए।

मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम की सूखी पिच पर 24 साल के इस गेंदबाज को काफी मदद मिली जिन्होंने अपनी फिरकी से इंग्लैंड को पस्त कर दिया। इंग्लैंड ने हालांकि तीसरे सत्र के शुरू में पाकिस्तान के दोनों सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक (शून्य) और अब्दुल्ला शफीक (14) के विकेट झटक लिए। खराब रोशनी के कारण खेल 10 ओवर पहले ही रोक दिया गया। स्टंप तक कप्तान बाबर आजम 61 और सउद शकील 32 रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं। हैरानी की बात है कि अहमद को रावलपिंडी में पहले टेस्ट की टीम में नहीं चुना गया था जिसमें पाकिस्तान को 74 रन से हार मिली थी। लेग स्पिनर जाहिद महमूद ने चाय से तुरंत पहले इंग्लैंड के पुछल्ले बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर उसकी पारी खत्म की। अहमद के शीर्ष क्रम के झकझोरने के बाद महमूद ने 63 रन देकर तीन विकेट झटके। इंग्लैंड की टीम को आक्रामक बल्लेबाजी का खामियाजा भुगतना पड़ा। बेन डकेट (63 रन) और ओली पोप (60 रन) दोनों ने तेजी से अर्धशतक जमाए। दोनों पहले सत्र में अहमद को विकेट दे बैठे। पाकिस्तान का यह लेग स्पिनर टेस्ट इतिहास मे अपने पदार्पण टेस्ट में लंच से पहले पांच विकेट झटकने वाला दूसरा गेंदबाज बना।

टेस्ट श्रृंखला को रोहित की उपलब्धता पर बाद में होगा फैसला : जय शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह ने शुक्रवार को कहा कि चोटिल कप्तान रोहित शर्मा के बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में खेलने को लेकर फैसला बाद में लिया जाएगा। रोहित को सात दिसंबर को मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे वनडे में स्लिप में क्षेत्ररक्षण के दौरान अंगूठे में चोट लगी थी।

शाह ने एक विज्ञप्ति में कहा, बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उनकी जांच की है और ढाका में स्थानीय अस्पताल में उनका स्कैन कराया गया। वह विशेषज्ञ को दिखाने मुंबई रवाना हो गए हैं और आखिरी वनडे नहीं खेलेंगे। टेस्ट श्रृंखला में उनके खेलने को लेकर फैसला बाद में लिया जाएगा। बीसीसीआई ने चोटिल तेज गेंदबाज दीपक चाहर और कुलदीप सेन को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में जाने के लिए कहा है। दोनों को चोट लगी है। शाह ने कहा, तेज गेंदबाज कुलदीप सेन ने पहले वनडे के बाद कमर में जकड़न की शिकायत की थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उन्हें आराम की सलाह दी है। वह श्रृंखला में आगे नहीं खेल सकेंगे। तेज गेंदबाज दीपक चाहर को दूसरे वनडे के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट लगी और वह भी श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। दोनों अब एनसीए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

ऐश बार्टी ने दूसरी बार आस्ट्रेलिया का शीर्ष खेल पुरस्कार जीता

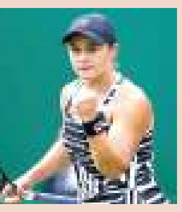

मेलबर्न। इस साल आस्ट्रेलियाई ओपन एकल खिताब जीतने के दो महीने बाद टेनिस को अलविदा कहने वाली ऐश बार्टी ने लगातार दूसरी बार आस्ट्रेलिया का शीर्ष खेल पुरस्कार जीता। बार्टी को द डॉन पुरस्कार दिया गया है जो मशहूर क्रिकेटर डॉन ब्रेडमैन के नाम पर है। बार्टी ने मार्च में 25 वर्ष की उम्र में टेनिस को अलविदा कह दिया। तीन बार की ग्रैंड स्लैम विजेता बार्टी उस समय दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी थी। बार्टी के अलावा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता सैली पीयरसन (2012, 2014) और ओलंपिक चैम्पियन बांसकूद खिलाड़ी स्टीव हूकर (2008 और 2009) यह पुरस्कार दो बार जीत चुके हैं।

विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में बिंदियारानी 25वें स्थान पर

बोगोटा। राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता भारोत्तोलक एस बिंदियारानी देवी विश्व चैम्पियनशिप में महिलाओं के 59 किलो वर्ग में 25वें स्थान पर रही। मणिपुर की इस भारोत्तोलक ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 55 किलोवर्ग में रजत पदक जीता था। उन्होंने 200 किलो (86 और 114) वजन उठाया।

बिंदियारानी ने ग्रुप डी में भाग लिया था। उन्होंने स्नैच में पहले प्रयास में 83 और दूसरे में 86 किलो वजन उठाया लेकिन तीसरे प्रयास में 88 किलो वजन नहीं उठा सकी। इसी तरह क्लीन एंड जर्क में 112 किलो का पहला प्रयास नाकाम रहा क्योंकि उनका लिफ्ट क्लीन नहीं था। उन्होंने दूसरे प्रयास में 114 किलो वजन उठाया। मीराबाई चानू ने कल 49 किलो वर्ग में रजत पदक जीता था। यह टूर्नामेंट 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए पहला क्वालीफाइंग टूर्नामेंट है। ओलंपिक क्वालीफिकेशन के नए नियमों के तहत भारोत्तोलक को 2023 विश्व चैम्पियनशिप और 2024 विश्व कप खेलना होगा। इसके अलावा 2022 विश्व चैम्पियनशिप, 2023 उपमहाद्वीपीय चैम्पियनशिप, 2023 ग्रां प्री वन और टू और 2024 उपमहाद्वीपीय चैम्पियनशिप खेलनी होगी।

एआईएफएफ में जल्द होगा महिला विभाग : प्रभाकरण

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के महासचिव शाजी प्रभाकरण ने कहा कि महासंघ अपने ढांचागत सुधार के अंतर्गत महिलाओं के लिए विशेष विभाग बनाने की प्रक्रिया में है। प्रभाकरण ने वलांका अलेमाओ की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय संस्था की महिलाओं की उप समिति की पहली बैठक के दौरान यह बात कही। इस बैठक में उप महासचिव सुनंदो धर, पूर्व भारतीय खिलाड़ी थोंगम तबाबी देवी और सुजाता कर भी शामिल थे। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच थॉमस डेनेरबी ने भी वीडियो कांफ्रेस के जरिए बैठक में हिस्सा लिया जिन्हें विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था।प्रभाकरण ने एआईएफएफ विज्ञप्ति में कहा, अब हम महिलाओं का अलग विभाग बनाने की प्रक्रिया में हैं। बालिकाओं के लिए फेस्टिव फॉर फुटबॉल एक जनवरी से राज्य संघों द्वारा आयोजित किया जाएगा जो देश भर में महिलाओं की फुटबॉल को प्रोमोट करने के लिए होगा। समिति ने सिफारिश की कि राष्ट्रीय टीम की और अधिक पूर्व खिलाड़ियों को एआईएफएफ की स्काउटिंग विंग में शामिल किया जाना चाहिए ताकिवे पूरे देश से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तलाश सकें।समिति को लगता है कि भारत को 13 साल की उम्र से ही प्रतिभाओं को तलाशना शुरू कर देना चाहिए और फिर उन्हें तराशना चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए मिला 173 रन का लक्ष्य

मुंबई। भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के शुरुआती टी-20 अंतरराष्ट्रीय में शुक्रवार को यहां पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर पांच विकेट पर 172 रन बनाए। भारत के लिए दीप्ति शर्मा ने नाबाद 36 जबकि ऋचा घोष ने 20 गेंद में 36 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए एलीसा पैरी ने दो विकेट चटकाए। खबर लिखे जाने तक विरोधी टीम मैदान में खेलने पहुंच चुकी थी।

हॉकी विश्व कप की ट्रॉफी गुवाहाटी पहुंची

गुवाहाटी। हॉकी विश्व कप की ट्रॉफी अपने देशव्यापी दौरे के तहत असम के सबसे बड़े शहर गुवाहाटी पहुंची। ट्रॉफी की यात्रा मेजबान ओडिशा से शुरू होकर वहीं खत्म होगी। ट्रॉफी यहां मणिपुर की राजधानी इम्फाल से पहुंची और इसे शहर में घुमाया गया।एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार शीर्ष सरकारी अधिकारियों और असम हॉकी के महासचिव तपन कुमार दास ने ट्रॉफी का स्वागत किया। ट्रॉफी का काफिला जैसे ही गुवाहाटी यूनिवर्सिटी के पास से गुजरा, छात्रों और शिक्षकों ने उसका स्वागत किया। इसके बाद ट्रॉफी भेटापारा स्थित हॉकी स्टेडियम पहुंची जहां खिलाड़ियों और अधिकारियों ने इसकी अगवानी की। बाद में कामख्या मंदिर परिसर में ट्रॉफी को झारखंड हॉकी अधिकारियों को सौपा गया जो इसे झारखंड ले जाएंगे। ओडिशा में पुरुष हॉकी विश्व कप 13 से 29 जनवरी तक होना है। ट्रॉफी 21 दिन के सफर में 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश से गुजरेगी।

सौरभ के छह विकेट से भारत ए ने बांग्लादेश ए को हराया

टीम में रविंद्र जडेजा की जगह लेने का दावा भी पुख्ता हुआ

एजेंसी। सिलहट

बाएं हाथ के स्पिनर सौरभ कुमार के छह विकेट की मदद से भारत ए ने दूसरे और आखिरी टेस्ट में बांग्लादेश ए को एक पारी और 123 रन से हरा दिया। इस प्रदर्शन के साथ ही सौरभ ने बांग्लादेश के खिलाफ 14 दिसंबर से शुरू हो रही श्रृंखला के लिए भारतीय टेस्ट टीम में रविंद्र जडेजा की जगह लेने का दावा भी पुख्ता कर लिया।

पहली पारी में 310 रन से पिछड़ने वाली बांग्लादेश ए टीम दूसरी पारी में 79.5 ओवर में 187 रन पर आउट हो गई। पहली पारी में बांग्लादेश के 252 रन के जवाब में भारत ए ने 562 रन बनाए थे जिसमें अभिमन्यु ईश्वरन के 157 रन शामिल हैं। ड्रॉ रहे पहले टेस्ट में पांच विकेट लेने वाले सौरभ ने 30 ओवर में 74 रन देकर छह विकेट चटकाए। बांग्लादेश ए को तीसरे सत्र में विकेट गंवाए बिना ड्रॉ की उम्मीद थी क्योंकि पूर्व कप्तान मोमिनुल हक क्रीज पर थे। वह हालांकि छह रन बनाकर विकेटकीपर कोना भरत की कुशल स्टम्पिंग का शिकार हो गए। सलामी बल्लेबाज शादमान इस्लाम (नाबाद 93) अकेले किला लड़ाते रहे और शहादत हुसैन (29) के साथ 54 रन की साझेदारी भी की। सौरभ ने इस साझेदारी को तोड़ा और यश धुल ने कैच लपका। नवदीप सैनी ने 16 ओवर में 54 रन देकर दो विकेट लिए। वहीं उमेश यादव ने 15.5 ओवर में 34 रन देकर दो विकेट चटकाए।

आधिकारिक रूप से पहली महिला अध्यक्ष बनेंगी पीटी उषा

95 साल में अध्यक्ष बनने वाली पहली ओलंपियन और अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता

एजेंसी। नई दिल्ली

महान धाविका पीटी उषा शनिवार को भारतीय ओलंपिक संघ के चुनाव में आधिकारिक रूप से पहली महिला अध्यक्ष बन जाएंगी जिससे देश में खेल प्रशासन में नए अध्याय की शुरूआत होगी। वह आईओए के 95 वर्ष के इतिहास में अध्यक्ष पद पर काबिज होने वाली पहली ओलंपियन और अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता होंगी। बाईस साल पहले खेल को अलविदा कहने से पहले वह ट्रैक और फील्ड में भारत के लिए अनगिनत पदक जीत चुकी हैं।

एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और लॉस एंजिलिस ओलंपिक 1984 में चौथे स्थान पर रही उषा आईओए अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध चुनी जाएंगी। चुनाव उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त न्यायाधीश (सेवानिवृत) एल नागेश्वर राव की निगरानी में हो रहे हैं। उषा के अध्यक्ष बनने के साथ ही गुटबाजी के शिकार आईओए में संकट का भी अंत हो जाएगा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने चेताया था कि अगर चुनाव इस महीने नहीं कराए गए तो आईओए को निलंबित किया जा सकता है। संयुक्त सचिव (महिला) और कार्यकारी परिषद के चार सामान्य सदस्यों के लिए चुनाव होगा जिसके लिए 77 मतदाता अपना वोट डालेंगे। भारतीय बैडमिंटन संघ की अलकनंदा अशोक और भारतीय नेटबॉल महासंघ की सुमन कौशिक पद की दौड़ में हैं। वहीं कार्यकारी परिषद के चार पदों के लिए आठ उम्मीदवार दौड़ में हैं। इनमें अमिताभ शर्मा, भूपेंदर सिंह बाजवा, साइरस पोंचा, हरजिंदर सिंह, हरपाल सिंह, परमिंदर सिंह ढींढसा, रोहित राजपाल और विट्ठल शिरगांवकर शामिल हैं। उषा के लिए यह बिल्कुल नई जिम्मेदारी होगा क्योंकि वह पहले प्रशासन का हिस्सा नहीं रही है। वह फिलहाल भारतीय एथलेटिक्स महसंघ की जूनियर चयन समिति की अध्यक्ष हैं। इसके अलावा सरकार द्वारा गठित विभिन्न पुरस्कार समितियों की सदस्य रह चुकी हैं। पायोली एक्सप्रेस के नाम से मशहूर उषा को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी का उम्मीदवार माना जा रहा है जिसने उन्हें जुलाई में राज्यसभा सदस्य नामित किया था।

वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक 1984 में 400 मीटर बाधा दौड़ फाइनल में रोमानिया की क्रिस्टीना कोजोकारू से एक सेकेंड के सौवें हिस्से के अंतर से कांस्य पदक हार गई थी। उषा महाराजा यादविंद्र सिंह के बाद आईओए अध्यक्ष बनने वाली पहली खिलाड़ी होंगी जिसने देश का प्रतिनिधित्व किया है। यादविंद्र सिंह ने 1934 में टेस्ट मैच खेला था जो 1938 से 1960 के बीच आईओए अध्यक्ष रहे। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ के अजय पटेल सीनियर उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुने जाएंगे। ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज गगन नांग और भारतीय नौकायन महासंघ की अध्यक्ष राजलक्ष्मी सिंह देव उपाध्यक्ष बनेंगे। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव कोषाध्यक्ष बनेंगे क्योंकि इस पद के लिए वह अकेले उम्मीदवार हैं।

उषा ने जीते हैं कई पतक

एशियाई खेल 1982 से 1994 के बीच में चार स्वर्ण समेत 11 पदक जीत चुकी उषा ने 1986 सियोल एशियाई खेलों में 200 मीटर, 400 मीटर, 400 मीटर बाधा दौड़ और चार गुणा 400 मीटर रिले में स्वर्ण और 100 मीटर में रजत पदक जीते थे। दिल्ली एशियाई खेल 1982 में उन्होंने 100 मीटर और 200 मीटर में पदक जीते थे।

कल्याण चौबे संयुक्त सचिव बनेंगे

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष और पूर्व गोलकीपर कल्याण चौबे संयुक्त सचिव (पुरुष) बनेंगे। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त और तीरंदाज डोला बनर्जी कार्यकारी परिषद में आठ उत्कृष्ट खिलाड़ियों की समिति के प्रतिनिधि होंगे। चुनाव में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्व सरमा और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह भी मतदान करेंगे।